सेंसेक्स ~	81,551.63
निफ्टी ~	24,826.20
सोना ~	98130
चांदी ~	100000
डॉलर ~	85.32

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 29 मई 2025
ज्येष्ठ शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 243
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

इंडिगो के चेयरमैन बने पूर्व आईएएस विक्रम सिंह मेहता

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विक्रम सिंह मेहता को अपना नया चेयरमैन नियुक्त किया है। विक्रम पूर्व आईएएस ऑफिसर रह चुके हैं। इससे पहले विक्रम शेल ग्रुप ऑफ कंपनीज इंडिया के चेयरमैन रह चुके हैं। वे मिस्र में शेल मार्केट्स व शेल केमिकल्स के सीईओ जैसे पद भी संभाले चुके हैं। विक्रम, पूर्व चेयरमैन वेंकट सुमंत्रन की जगह लेंगे। सुमंत्रन ने तीन साल तक कंपनी की कमान संभाली थी। उन्होंने इंडिगो बोर्ड में अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद इस्तीफा दे दिया था। इसके अलावा इंडिगो ने नवी मुंबई में बन रहे नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अगस्त में पहली कमर्शियल फ्लाइट्स शुरू करने का ऐलान किया है। एयरलाइन ने बुधवार को बताया कि वह इस नए एयरपोर्ट से कमर्शियल ऑपरेशन शुरू करने वाली पहली एयरलाइन बनेगी।

आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाई गई

मुंबई। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आईटीआर दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। यह फैसला करदाताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। पहले यह समय-सीमा 31 जुलाई 2025 तक थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 कर दिया गया है। दरअसल इस साल आईटीआर दाखिल करने वालों के लिए यह एक महत्वपूर्ण संशोधन है। करदाताओं को आईटीआर दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। 31 मई तक टीडीएस स्टेटमेंट जमा करने के बाद, इसमें मौजूद जानकारी जून की शुरुआत तक करदाताओं के बैंक खातों में दिखाई देने लगेगी। अगर समय-सीमा नहीं बढ़ाई जाती, तो करदाताओं के पास आईटीआर दाखिल करने के लिए कम समय बचता।

रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद को हटाया

ग्वालियर। ग्वालियर में थाटीपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद को हटा दिया गया है। सुप्रदिप्तानंद को ठगों ने 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 2.52 करोड़ रुपये की ठगी कर ली थी। ठगों ने नासिक पुलिस का अफसर बताकर फोन किया था। बताया जाता है कि स्वामी सुप्रदिप्तानंद को नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाकर ठगी की गई। दरअसल, उनके पाल 17 मार्च को एक कॉल आया था। इस दौरान उन्हें फोन पर धमकाकर कहा गया कि उनके नाम से केनरा बैंक में खाता है, जिसमें 20 करोड़ रुपये का अनैतिक लेनदेन हुआ है। बाकायदा उन्हें इसकी पीडीएफ भी भेजी गई। धमकाने वाले पुलिस की ड्रेस में थे। वीडियो में फर्जी अफसरों के पीछे नासिक पुलिस का बोर्ड भी लगा था।

रूस में कावेरी इंजन की टेस्टिंग

नई दिल्ली। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन रूस में स्वदेशी रूप से विकसित कावेरी जेट इंजन का टेस्टिंग कर रहा है। इसका इस्तेमाल भारत में बने लंबी दूरी के अनमैंड एयर व्हीकल यानी ड्रोन में किया जाएगा। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि कावेरी इंजन पर करीब 25 घंटे का परीक्षण होना बाकी है। स्लॉट मिलने पर टेस्टिंग की जाएगी। यह 80 किलोन्यूटन (द्मह) थ्रस्ट (पावर) वाला एक लो बाईपास, ट्विन स्पूल टर्बोफैन इंजन है। हाई स्पीड और हाई टेम्परेचर के दौरान इंजन का पावर लॉस कम करने के लिए इसे फ्लैट-रेटेड डिजाइन किया गया है।

मोदी सरकार ने किसानों को दी सौगात...

किसानों को मिलेगी अब फसलों की ज्यादा कीमत, खरीफ फसलों के लिए 2.07 लाख करोड़ की एमएसपी को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में पांच बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार ने किसानों को सौगात देते हुए, एमएसपी में 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है। खरीफ विपणन सीजन 2025-26 के लिए एमएसपी को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

सरकार ने बुधवार को 2025-26 खरीफ विपणन सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3 प्रतिशत बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस संबंध में निर्णय लिया। आगामी फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र के लिए सामान्य और ए ग्रेड धान की किस्मों का समर्थन मूल्य 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर क्रमश 2,369 रुपये और 2,389 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। दालों में अरहर का समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि उड़द का एमएसपी 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का एमएसपी 86 रुपये बढ़ाकर 8768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड के लिए की गई है, इसके बाद रागी, कपास और तिल का स्थान आता है। 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय करने की बात कही गई है।

किसानों के लिए ब्याज सहायता योजना जारी रखने को मंजूरी दी

सरकार ने बुधवार को संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को 2025-26 के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी, जिसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सस्ती दर पर अल्पकालिक ऋण मिलता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमआईएसएस को जारी रखने का निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया। इस योजना को जारी रखने से सरकारी खजाने पर 15,640 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य केसीसी के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। एमआईएसएस के तहत, किसानों को केसीसी के माध्यम से 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 3 लाख रुपये तक का अल्पकालिक ऋण मिलता है, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में 3 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र होते हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से 4 प्रतिशत तक कम हो जाती है। केवल पशुपालन या मत्स्य पालन के लिए लिए गए ऋणों के लिए ब्याज लाभ 2 लाख रुपये तक लागू है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि योजना की संरचना या अन्य घटकों में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं।

मणिपुर में भाजपा ने किया सरकार बनाने का दावा

-राज्यपाल के पास 10 विधायक पहुंचे, 44 के समर्थन का दावा; यहां अभी राष्ट्रपति शासन

इम्फाल। मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है।

निर्दलीय विधायक सपाम निशिकांत सिंह ने कहा- हमने राज्यपाल को एक पेपर दिया है, जिस पर 22 विधायकों ने साइन किए हैं। मणिपुर में सभी एनडीए विधायक सरकार बनाना चाहते हैं। हम जनता का समर्थन भी चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि जल्द ही लोकप्रिय सरकार का गठन होगा।

बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को दिया इस्तीफा

मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। 9 फरवरी को भाजपा सरकार का नेतृत्व करने वाले तत्कालीन सीएम एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। बीरेन सिंह पर राज्य में डेढ़ साल से ज्यादा समय तक चली हिंसा न रोक पाने के चलते काफी दबाव था। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई, 2023 से हिंसा हो रही है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। विपक्षी पार्टियां हिंसा के मुद्दे पर लगातार एनडीए से सवाल पूछ रही थीं।

अभी मणिपुर में 37 भाजपा विधायक, बहुमत से 6 ज्यादा

60 सीटों वाले मणिपुर विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं यानी बहुमत के आंकड़े से 6 ज्यादा। इन 37 विधायकों में 27 मैतेई, 6 कुकी, 3 नगा और 1 मुस्लिम हैं। एनडीए के कुल 42 विधायक हैं। इसमें नेशनल पीपल्स फ्रंट के भी 5 विधायक शामिल हैं।

बिना अनुमति पेड़ काटने के मामले में डीडीए के तीन आधिकारियों पर ठोंक दिया जुर्माना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रिज क्षेत्र में बिना अनुमति पेड़ काटने के मामले में दिल्ली विकास प्राधिकरण यानी कि डीडीए के खिलाफ सख्त रुख दिखाया है। सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए को आपराधिक अवमानना का दोषी मानकर 3 अधिकारियों पर 25,000 रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए के तत्कालीन वाइस चेयरमैन, जो अब इस पद पर नहीं हैं, के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई बंद की है।

बता दें कि यह मामला दिल्ली के रिज क्षेत्र में 1,100 से ज्यादा पेड़ों की अवैध कटाई से जुड़ा है, जो सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल तक पहुंचने वाली सड़क को चौड़ा करने के लिए की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 1996 के अपने ही आदेश में स्पष्ट किया था कि रिज क्षेत्र में पेड़ काटने के लिए कोर्ट की पूर्व अनुमति जरूरी है। इसके बावजूद, डीडीए ने फरवरी 2024 में पेड़ काटे और इस तथ्य को छिपाया कि उसने 4 मार्च, 2024 को कोर्ट में अनुमति के लिए आवेदन करने से पहले ही पेड़ काट दिए थे।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर की बेंच ने प्रशासनिक अतिरेक और सत्ता के दुरुपयोग का मामला करार दिया। कोर्ट ने कहा, दिल्ली में इस तरह के कृत्यों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाला गंभीर मामला है। कोर्ट ने डीडीए की आंतरिक जांच में दोषी 3 अधिकारियों, मनोज कुमार यादव, पवन कुमार और आयुष सरस्वत पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही, कोर्ट ने कहा कि इन अधिकारियों के खिलाफ चल रही विभागीय जांच जारी रहेगी। डीडीए के तत्कालीन वाइस चेयरमैन सुभासिश पांडा को इस आधार पर राहत दी गई कि वे उस समय छुट्टी पर थे और अब इस पद पर नहीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कई निर्देश जारी किए

इसी कड़ी में कोर्ट ने 3 सदस्यों की एक विशेषज्ञ कमेटी गठित की है, जो रिज क्षेत्र में पुनर्वनीकरण (एफोरेस्टेशन) की योजना बनाकर सड़क के दोनों ओर घने पेड़ लगाने की संभावनाएं तलाशेगी। यह कमेटी समय-समय पर अपनी स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट को सौंपेगी। डीडीए को निर्देश दिया गया है कि वह कनेक्टिंग सड़क का निर्माण कार्य पूरा करे, लेकिन पर्यावरणीय नियमों का पालन करते हुए।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग ला सकती है सरकार

नई दिल्ली। कैश कांड मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ केंद्र सरकार संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है। 15 जुलाई के बाद शुरू होने वाले मानसून सत्र में यह प्रस्ताव लाया जा सकता है। हालांकि सरकार अभी इस बात का इंतजार कर रही है कि जस्टिस वर्मा खुद इस्तीफा दे दें।

दरअसल, जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के स्टोर रूम से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। जिसके बाद उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। 22 मार्च को इस मामले में तत्कालीन सीजेआई ने जांच समिति बनाई थी। कमेटी ने 3 मई को रिपोर्ट तैयार की और 4 मई को सीजेआई को सौंपी थी। कमेटी ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों को सही पाया और उन्हें दोषी ठहराया था।

संजीव खन्ना ने महाभियोग की सिफारिश की थी

कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने जांच रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजी थी। उन्होंने जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश की थी। हालांकि इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया था। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की औपचारिक प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है। सूत्रों का कहना है कि वर्मा के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले सरकार विपक्षी दलों को विश्वास में लेंगे। इस तरह के घोटाले को नजरअंदाज करना मुश्किल है।

प्रोफेसर खान की याचिका पर कपिल सिब्बल के तर्क से सहमत हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर चर्चा में आए प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान विशेष जांच दल (एसआईटी) को साफ हिदायत दी कि वे अपनी जांच का दायरा न बढ़ाए और केवल उन्हीं दो एफआईआर की सामग्री तक सीमित रहे, जिनके लिए उसका गठन हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, एसआईटी अपने निर्धारित विषय तक ही सीमित रहे। इस जांच की आड़ में दूसरे मामलों की तफ्तीश नहीं होगी। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट पहले कोर्ट के समक्ष पेश की जाए, उसके बाद संबंधित अधिकार क्षेत्र वाली अदालत को सौंपी जाए।

दरअसल सुनवाई के दौरान हरियाणा के महाधिवक्ता (एजी) ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एसआईटी का गठन हो चुका है और अली खान जांच में सहयोग कर रहे हैं। इस पर जस्टिस कांत ने कहा,क्या एसआईटी ने जांच पूरी कर ली है? जब भी जांच पूरी हो, उसका रिकॉर्ड सबसे पहले इस कोर्ट में पेश किया जाए। वहीं प्रोफेसर खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बताया कि उन्हें आशंका है कि जांच एजेंसियां मौके का दुरुपयोग करके दूसरे मुद्दों की जांच शुरू कर सकती हैं। वकील सिब्बल ने कहा, 'वे इस मौके का लाभ उठाएंगेज ऐसा नहीं हो सकता कि वे दूसरी चीजों की जांच शुरू कर दें।

देश में इंटर सर्विस ऑर्गेनाइजेशन नियम लागू, सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। देश में तीनों सेनाओं के जवानों पर अब एक ही अधिकारी एक्शन ले सकेगा। 27 मई से इंटर सर्विस ऑर्गेनाइजेशन नियम लागू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी किया। नए कानून बनने से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन के तहत एक कमांडर-इन-चीफ/ऑफिसर-इन-कमांड की नियुक्ति होगी। यह कमांडर सैनिकों पर कंट्रोल करने, कार्रवाई करने में सक्षम होगा। फिर सैनिक किसी भी सेना से जुड़ा हो।

इंटर सर्विस ऑर्गेनाइजेशन बिल दो साल पहले मानसून सत्र में संसद में पेश और पारित किया गया था। 15 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसे 10 मई 2024 से लागू किया गया। सरकार ने बुधवार को नए नियमों को भी आधिकारिक रूप से राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित कर दिया गया है।

एक अधिकारी तीनों सेनाओं के जवानों पर ले सकेगा एक्शन

नए नियमों से 3 बदलाव

नए नियमों में तीन बदलाव किए गए हैं। अब नए नियम के तहत अब कोई भी सेवा अधिकारी (जैसे थलसेना का अधिकारी) इंटर सर्विस ऑर्गेनाइजेशन में कार्यरत किसी भी अन्य सेवा (जैसे नौसेना या वायुसेना) के जवानों को कमांड दे सकेगा। पहले इस प्रकार के अधिकार केवल संबंधित सेवा के भीतर ही सीमित होते थे। जिससे कई बार संचालन में बाधाएं आती थीं। जैसे कि नेवी का अधिकारी, नेवी के जवानों को ही आदेश दे सकता था। अब नए नियम के तहत इंटर सर्विस ऑर्गेनाइजेशन से जुड़े सभी जवान एक अधिकारी के तहत कंट्रोल हो सकेंगे। एक संबंधित अधिकारी को एडमिनिस्ट्रेटिव पॉवर दी जाएगी। वो किसी भी सेना (आर्मी, नेवी, एयरफोर्स) के जवानों से जुड़े फैसले ले सकता है। पुराने नियम स्पेसिफिक सर्विस के यूनिक वर्किंग एन्वायरमेंट को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। ऐसे में एडमिनिस्ट्रेटिव एक्शन के लिए जवान को उनके पैरेंट्स सर्विस यूनिट्स में वापस भेजने की जरूरत पड़ती थी। इसमें न केवल अधिक समय लगता था, बल्कि जवान की आवाजाही के कारण पैसा भी खर्च होता था। नया नियम एक यूनिट या एस्टैब्लिशमेंट के सैनिकों को एकजुट करने में मदद करता है। ऐसे में जब कहीं अनुशासनहीनता का कोई भी मामला सामने आता है, तो उसके बारे में जल्द डिसीजन लिया जा सकेगा। पहले अगर कहीं पर अनुशासनहीनता होती है तो उस एक इनडिसिप्लिन के मामले में तीन अलग-अलग जगहों पर प्रोसिडिंग्स होती थी। जब तीन अलग-अलग जगहों पर प्रोसिडिंग्स होंगी तो हो सकता है कि उसका रिजल्ट भी तीन अलग-अलग तरह से निकले।

राज्यसभा जाएंगे अभिनेता कमल हासन

चेन्नई। अभिनेता कमल हासन तमिलनाडु से राज्यसभा चुनाव में दावेदारी पेश करेंगे। उनकी पार्टी एमएनएम ने इसका एलान किया। इससे पहले तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रमुक ने बुधवार को घोषणा की कि वह 19 जून को होने वाले द्विवार्षिक राज्यसभा चुनावों के लिए राज्य की छह में से चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। द्रमुक ने तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे और एक सीट सहयोगी अभिनेता-राजनेता कमल हासन के नेतृत्व वाली मक्कल निधि मय्यम को दी। द्रविड़ पार्टी ने उच्च सदन में अपने मौजूदा सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन को फिर से नामित किया।

दुकानदार या संस्था ने 10 रुपए का सिक्का लेने से इनकार किया तो होगी कार्रवाई

आरबीआई ने जारी की नई गाइडलाइन, सिक्के को बताया पूरी तरह से वैध

नई दिल्ली। दस रुपये के सिक्कों को लेकर लंबे समय से भ्रम और अफवाहों का बाजार गर्म है। कई बार दुकानदार इन सिक्कों को नकली मानकर नहीं लेते हैं, जिससे लोग परेशान होते हैं। अब भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए गाइडलाइन जारी की है। आरबीआई ने साफ कहा है कि 10 रुपए के सिक्के पूरी तरह वैध मुद्रा हैं और देशभर में कानूनी रूप से मान्य हैं।

आरबीआई के मुताबिक अब तक 14 अलग-अलग डिज़ाइन में 10 रुपए के सिक्के जारी किए गए हैं, जो सभी मान्य हैं। कोई भी व्यक्ति, दुकानदार या संस्था को इन्हें लेने से इनकार नहीं कर सकती है। ऐसा करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। असली और नकली 10 रुपये का सिक्का में डिज़ाइन और नक्काशी सिक्के के एक तरफ अशोक स्तंभ होता है और उसके नीचे भारत और ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड लिखा होता है। दूसरी ओर 10 अंकित होता है, जिसके साथ कोई प्रतीक—जैसे कमल का फूल या अन्य डिज़ाइन भी हो सकता है। किनारों पर महीन (बारीक) धारियां होती हैं। नकली सिक्कों की नक्काशी धुंधली हो सकती है या उसमें वर्तनी की गलतियां हो सकती हैं।

असली 10 रुपये का सिक्का बाइ-मेटैलिक होता है, यानी यह दो धातुओं से बना होता है बाहरी हिस्सा एल्युमिनियम-ब्रॉन्ज से और अंदरूनी हिस्सा निकल-ब्रॉन्ज से बना होता है।

रंग एकसमान और चमकदार होता है, जबकि नकली सिक्के फीके या असमानी रंग वाले हो सकते हैं। असली सिक्के का वजन संतुलित होता है, जबकि नकली सिक्के भारी या हल्के हो सकते हैं। आकार में भी हल्का अंतर हो सकता है। असली सिक्का जब ज़मीन पर गिरता है, तो उसमें क्लियर मेटलिक साउंड की आवाज आती है और नकली सिक्कों से खोखली आवाज आती है।

असली सिक्के हल्के चुंबकीय होते हैं। ये चुंबक से हल्का आकर्षण दिखाते हैं। नकली सिक्के या तो चिपक जाते हैं या बिल्कुल प्रतिक्रिया नहीं देते। यदि आप सिक्के की असलियत को लेकर संशय में हैं, तो आरबीआई ने टोल-फ्री नंबर 14440 जारी किया है। इस नंबर पर कॉल करने के कुछ सेकंड बाद अपने-आप फोन आता है, जिसमें आईवीआर सिस्टम के जरिए 10 रुपए के सिक्कों की सारी जरूरी जानकारी दी जाती है।

बाटला हाउस इलाके में क्यों नहीं लागू होगा सुप्रीम कोर्ट का 2019 वाला आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के बाटला हाउस इलाके में यूपी का बुलडोजर चलेगा। बाटला हाउस में कई दुकानों-घरों पर उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की ओर से नोटिस चस्पा है। विभाग ने करीब साढ़े चार बीघा भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया है और 15 दिन के भीतर भूमि खाली करने का आदेश दिया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे कई साल से यहां रह रहे हैं। बिजली-पानी का बिल भर रहे हैं। इसके बाद में यह इलाका अवैध कैसे हो गया, यह बात उनके समझ नहीं आ रही। वहीं उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग का कहना है कि खसरा नंबर 277 में खिजर बाबा कॉलोनी मुरारी रोड और सेलिंग क्लब रोड के नाम से दर्ज है। यहां बने करीब 80 मकान और दुकानों बने हैं। इन सभी पर नोटिस चस्पा कर लाल निशान लगा दिए गए हैं।

दूसरी ओर, दिल्ली विकास प्रधिकरण यानि डीडीए ने भी मुरादी रोड स्थित खसरा नंबर-279 पर बने मकानों-दुकानों पर नोटिस चिपकाकर 10 जून तक मकान खाली करने का अल्टीमेटम दिया है। अब सभी के जेहन में एक ही सवाल आ रहा है कि 12 साल तक के कब्जे वाला नियम बाटला हाउस पर क्यों लागू नहीं हो होगा?

दरअसल, 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि अगर वास्तविक या वैध मालिक ने अपनी अंचल संपत्ति को दूसरे के कब्जे से वापस लेने के लिए समयसीमा के अंदर कोई कदम नहीं उठाता हैं तब उस पर मालिकाना हक खत्म हो जाएगा। वह संपत्ति अवैध कब्जे वाले के पास चली जाएगी। लिमिटेशन एक्ट 1963 के तहत निजी अचल संपत्ति पर लिमिटेशन की वैधानिक अवधि 12 साल है। वहीं, सरकारी अचल संपत्ति के मामले में यह अवधि 30 साल है।

नौतपा का पांचवा दिन आज, 2 जून तक रहेगा नौतपा

नौतपा के बीच मंगलवार रात की तरह बुधवार रात भी हुई जमकर बारिश, दिन भर छाए रहे बादल, उमस का होता रहा एहसास, रात को मिली राहत

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। मई माह में 25 मई से 2 जून तक चलने वाले नौतपा का जिले भर में व्यापक असर देखने को नहीं मिल रहा है। जहां नौतपा के पूर्व की तरह ही नौतपा के बीच में, आए दिनों मौसम में बदलाव देखने देखा जा रहा है जहां कभी धूप, कभी छांव, कभी बारिश, तो कभी शीतलहर के चलते पल-पल में तापमान बदल रहा है।तो वही नौतपा के बीच समय समय मे मौसम में बदलाव के साथ बारिश होने से जिलेभर में चिपचिपी गर्मी व भारी उमस देखने को मिल रही है। हालांकि सुबह से पड़ने वाली तेज गर्मी के कारण, सड़को पर लोगों की आवाजाही कम है, लेकिन दोपहर बाद और रात्रि में मौसम बदलने से तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। मौसम में आ रहे लगातार बदलाव के बीच मंगलवार 27 मई को एक बार फिर जिले का मौसम बदला और दोपहर में जहां 15 मिनट की हल्की बारिश हुई।तो वहीं रात्रि में बारिश का तेज दौर देखने को मिला। जहा नगर में तकरीबन दो घंटे तक तेज बारिश से सड़के, पानी से सरोबार हो गई। जिससे, लोगों को गर्मी की तपिश से राहत मिली है। हालांकि बुधवार की सुबह से मौसम साफ रहा और लोग, उमस भरी गर्मी का अहसास करते रहे।लेकिन

बुधवार शाम 5 बजे मौसम में एक बार फिर बदलाव देखा गया और रात करीब 8 बजे 15 मिनट तक झमाझम बारिश हुई।जहा बारिश होने बाद नगर वासियों को चिपचिपी गर्मी और उमस से काफी राहत मिली है।

आज सामान्य ,तो कल फिर हो सकती है बारिश

मई माह में मंगलवार को दोपहर बाद और रात में तेज बारिश के चलते पड़ रही गर्मी का असर कम हुआ है।लेकिन लोग चिपचिपी गर्मी और उमस से परेशान है। जिले में मई माह में मौसम के उतार-चढ़ाव ने, लोगों की दिनचर्या के साथ ही उनके स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाला है। जिससे सरकारी व निजी अस्पतालों में सर्दी जुकाम खांसी व बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ गई है ।उधर मौसम में आए इसी उतार-चढ़ाव के बीच मौसम विभाग ने बुधवार को नगर का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।तो वही न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा ।तो वही मौसम विभाग ने आगामी 5 दिनों तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने के साथ-साथ गुरुवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री व न्यूनतम तापमान 36 डिग्री रहने की संभावना जताते हुए,इसके अगले दिन शुक्रवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के बीच हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। कुल मिलाकर कहा जाए तो गुरुवार को तापमान सामान्य रहेगा, तो वहीं शुक्रवार को एक बार फिर से मौसम में बड़े बदलाव के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की बारिश होने की संभावना मौसम विभाग द्वारा जताई गई है।

लोकमाता देवी अहिल्या महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन विशेष

कान्हा नेशनल टाइगर पार्क की परवरिश में ग्रीन सोल्जर्स की भूमिका निभा रहीं वन रक्षक महिलाएं

मौत के जोखिम फिर भी वन्य जीवों के संरक्षण में जुटी शिक्षा, जिस जंगल में पति की मृत्यु हुई उसी जंगल की सुरक्षा में अग्रसर पुष्पलता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आज विश्व में कान्हा नेशनल टाईगर पार्क की प्रसिद्धि और उपलब्धि में कई ग्रीन सोल्जर्स का बड़ा अहम योगदान हैं। जहां हर भारतीय और विदेशी भी सफारी के लिए लालतीत रहते हैं। इस प्रसिद्धि व उपलब्धि में महिला ग्रीन सोल्जर्स की परवरिश का बड़ा हाथ है। कान्हा नेशनल टायगर पार्क में 55 महिला ग्रीन सोल्जर्स की देखरेख में वन और वन्य जीव

सुरक्षित है। एक ऐसी ही महिला ग्रीन सोल्जर है शिक्षा जो फिलहाल समनापुर रेंज के बफर जोन में वन रक्षक की भूमिका में है। शिक्षा वनों की सुरक्षा बड़ी ईमानदारी से करती है, तभी तो वो अपने कार्य क्षेत्र जंगल में भी अपने 1 वर्ष के बालक के साथ देखी जा सकती है। जबकि वो जानती भी यह जोखिम से भरा जंगल है। क्योंकि मधुमक्खी के हमले में उनकी जान बड़ी मुश्किल से बची है। उनकी ही तरह पुष्पलता तराम भी सजग और पूरी चौकसी के साथ कान्हा कोर क्षेत्र में तैनात है। इसी जंगल में 3 वर्ष पहले उनके पति की मृत्यु हुई। इसके बावजूद उन्हें इस जंगल से बड़ा लगाव है। इसी लगाव के साथ पुष्पलता कान्हा के वन्य जीवों की सुरक्षा में बड़ी सतर्कता के साथ काम लेती है।

परिवार से 250 किमी.अकेली जंगल और देहात में कर जंगल में सेवा

ग्रीन सोल्जर शिक्षा सोनी कान्हा नेशनल टाइगर पार्क के कोर व बफर जोन रेंज में तैनात है। उनका पूरा परिवार यहां से 250 किमी.छिन्दवाड़ा में है। इसके बावजूद वो 9 वर्षो से सेवा कर रही है। उन्होंने जंगल सुरक्षा का किस्सा बताया कि कैसे मधुमक्खियों ने हामला किया और जान बची। वाक्या गढ़ी रेंज का है, यहां टाइगर ने बैल का शिकार कर जंगल मे छोड़ दिया था। किसान को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रक्रिया पूरी करनी थी। जब वो अवलोकन कर रही थी, तभी मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। ऐसी स्थिति में पेड़ के समान खड़े रही। ताकि मधुमक्खियां और क्रोधित न हो, लेकिन एक साथ मधुमक्खियों के हमले से बुरी तरह शरीर पर ढंक मारे। ऐसी स्थिति में रेंजर को हेल्प के लिए बुलाया गया। इसके बाद 10 दिनों तक उपचार के बाद आराम हुआ। ऐसे कई किस्से है, जब उनका सामना बाघ व अन्य वन्य जीवों के साथ हुआ। फिर भी वो आज भी जंगल बचाने के लिए अपने बच्चें को साथ लेकर ड्यूटी पर तैनात रहती है। वास्तव में शिक्षा एक ग्रीन सोल्जर के रूप में बफर जोन में अपना दायित्व निभा रहीं है।

कान्हा में खोया पति को अब उसी जंगल को बचाने में पुष्पलता आगे

ग्रीन सोल्जर पुष्पलता की अपनी एक अलग कहानी है। पुष्पलता के पति चुन्नीलाल की वर्ष 2023 कान्हा में ही मृत्यु हुई थी। यहां कोर इलाके में गश्त के दौरान अचानक तबियत खराब हुई, लेकिन वहां नेटवर्क नही होने से समय पर इलाज नही मिल पाया। पति की मृत्यु के बाद ही बड़ा बेटा भी चल बसा। परिवार में हर तरह से परेशानियों के बाद पुष्पलता ने पति की कर्मभूमि को ही अपना लिया। 2023 से पुष्पलता प्रतिदिन 12 से 15 किमी. उसी जंगल व वन्य जीवों की परवाह में लगी है। जैसे-उनके पति कोई अधूरा काम छोड़ गए। जिसे पुष्पलता ग्रीन सोल्जर के रूप में पूरा कर रही है।

दो सगे भाई ने एक युवक को लाठी से मारपीट कर किये घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली के वार्ड नंबर 17 पवारी मोहल्ला में एक युवक को दो सगे भाई ने लाठी हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिए ।घायल युवक योगेश पिता दिनेश अटरेले 32 वर्ष वार्ड नंबर 17 भरवेली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार योगेश पेंटिंग का काम करता है ।जिसके परिवार में माता-पिता है ।27 मई

की रात्रि 8:00 बजे घर के पास रोड पर मोहल्ले के मूलचंद राहंगडाले, फूलचंद राहंगडाले दोनों भाई किसी विवाद को लेकर योगेश के चाचा धनलाल अटरेले के साथ वाद विवाद झगड़ा कर रहे थे। योगेश झगड़ा छुड़ाने के लिए गया ।तभी दोनों भाई ने योगेश को लाठी हाथ बुक्के से मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दिए बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल योगेश रिपोर्ट करने के लिए भरवेली पुलिस थाना पहुंचा। भरवेली पुलिस ने आगे मारपीट में घायल योगेश को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। इस मामले की जांच की जा रही है।

पेड़ में फांसी पर लटके मिले अज्ञात व्यक्ति के शव की नहीं हुई पहचान

रामपायली पुलिस ने दो दिन बाद शव का पी एम कर किये कफन दफन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।रामपायली पुलिस थाना क्षेत्र में आने वाले कन्हार टोला निवासी सेवकराम बिसेन के खेत में पेड़ में फांसी पर लटके मिले अज्ञात व्यक्ति के शव की शिनाख्त दो दिन बाद भी नही हुई।जिसके पश्चात रामपायली पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति के वारसान नही मिलने पर शव दो दिन बाद पोस्टमार्टम करवा कर उसका कफन दफन करवा दिये। और मर्ग कम कायम कर इस अज्ञात व्यक्ति की पहचान हेतु उसके वारसानो की तलाश शुरू की है। ज्ञात ही की 26 मई को प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे के बीच रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले कन्हारटोला निवासी सेवकराम बिसेन के खेत के पेड़ में एक अज्ञात व्यक्ति का फांसी पर लटका हुआ पाया गया। इस अज्ञात व्यक्ति की मौके पर शिनाख्त नहीं हो पाई। रामपायली पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति केशव को अपने यहां के शासकीय अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा कर दो दिन तक इस अज्ञात व्यक्ति के वारसानो की तलाश किये किंतु इस अज्ञात व्यक्ति के वारसान नहीं मिल पाये। इस अज्ञात व्यक्ति की उम्र 35 से 45 वर्ष जिसके शरीर पर काले कलर के फुल आस्तीन की बनियान, हल्के नीले कलर की लाल पट्टी वाली सेंट्रो बनियान और वह स्लेटी कलर का

लोअर पहना हुआ था। जिसके पैरों में चमड़े के चप्पल थे।जिसके दाहिने हाथ में स्टील का कड़ा एवं हिंदी में मां सीमा, बाए हाथ में अंग्रेजी में मोम, डेड लिखा हुआ था। 2 दिन बाद भी इस अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो पाई और उसके वारसान भी नहीं मिल पाए। 28 मई को रामपायली पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसका कफन दफन करवा दिए हैं। उसके शरीर पर पाए गए कपड़े सहित अन्य सामान थाने में सुरक्षित रखवा दिया गया है। मर्ग जांच कर रहे रामपायली पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक राजीव जांचक ने जिले वासियों से इस अज्ञात व्यक्ति की पहचान और वारसानो की पतासाजी में सहयोग की अपेक्षा की है।

तीन लोगों ने एक व्यक्ति को लाठी से मार कर किये घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पिंडकेपार में तीन लोगों ने हमला करते हुए एक व्यक्ति को लाठी हाथ बुक्को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिए।

28 मई को 1:00 बजे करीब यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई। लाठी के वार से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति गजेंद्र पिता प्यारेलाल जेतवार 38 वर्ष ग्राम पिंडकेपार निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है वही इस व्यक्ति के द्वारा की गई रिपोर्ट पर तीन व्यक्ति लक्कू अटराहे जयलाल बिरनवार और श्याम प्रकाश माहुले के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गजेंद्र जैतवार खेती किसानी करते हैं जो दो भाई है। सभी भाई साथ में रहते हैं ।गजेंद्र जैतवार खेती किसानी के अलावा धान कटाई कभी काम करते हैं।। बताया गया है कि गजेंद्र जैतवार की अपने ही ग्राम के लक्कू अटराहे ,जयलाल बिरनवार और श्याम प्रकाश माहुले के साथ आपसी पुरानी रंजिश चली आ रही थी। 28 मई को 12:00 बजे गजेंद्र जैतवार अपने गांव की सरपंच ललिता अटराहे के पति लखन अटराहे का खेत धान धान काटने के लिए मशीन लेकर गया था और 1:00 बजे करीब गजेंद्र जैतवार, सरपंच पति के खेत से धान काटकर मशीन लेकर अपने घर लौट रहा था तभी नाले के पास ताक में बैठे लक्कू अटराहे, जयलाल बिरनवार और श्याम प्रकाश माहुले ने गजेंद्र जैतवार पर अचानक हमला कर दिया और उसे अश्लील गालियां देते हुए लाठी डंडे और हाथ बुक्के से मारपीट कर दिए और जान से मार डालने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए । डंडे से की गई मारपीट में गजेंद्र जेतवार को सिर में चोंट आने से वह बेहोश हो गया था। खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और घायल गजेंद्र जैतवार को रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना लाये। खैरलांजी पुलिस ने घायल गजेंद्र जैतवार को खैरलांजी के अस्पताल में भर्ती किये। जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।खैरलांजी पुलिस ने गजेंद्र जैतवार द्वारा की गई रिपोर्ट पर लक्कू अटराहे ,जयलाल बिरनवार और श्याम प्रकाश माहुले के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने स्व.एलकर के निधन पर किया शोक व्यक्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल बुधवार को बालाघाट पहुँचे। यहां उन्होंने पूर्व

भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल राव एलकर के देवलोक गमन होने पर महामृत्युंजय घाट जागपुर में दो मिनट का मौन धारण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोक संतृप्त परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया।

महिला ने चूहा मार दवाई का किया सेवन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।लामता थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कटेगांव में इसी ग्राम की एक महिला श्रीमती अनीता पति किशोर साकरे 47 वर्ष में अपने घर में चूहा मार दवाई का सेवन कर ली जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशोर साकरे खेती मजदूरी करते हैं ।जिसके परिवार में पत्नी अनीता साकरे के अलावा बहू और बेटा है। बताया गया है कि किशोर साकरे की पत्नी अनीता साकरे को 15 वर्ष से किडनी की बीमारी है। जिसका इलाज सुपर मेडिकल नागपुर से किया जा रहा है। 27 मई की रात 9:30 बजे अनीता साकरे ने अपने पति, बहू, बेटे के साथ खाना खाई ।इसके बाद बहु बेटा अपने कमरे में सोने चले गए थे। अनीता साकरे,अपने पति किशोर साकरे के साथ अपने कमरे में थी। तभी अनीता ने चूहा मार दवाई का सेवन कर ली जो उल्टी कर रही थी। पास में ही चूहा मार दवाई की पुड़िया पड़ी हुई थी।पति किशोर साकरे के पूछने पर उसने बताई की मैं मरना चाहती हूं। इसके बाद अनीता साकरे को उसके पति किशोर साकरे और भाई विनोद डहरवाल ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

गणेशप्रसाद सोनी बने प्रभारी बीईओ, राज्य अध्यापक संघ और एनएमओपीएस ने किया स्वागत

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। कार्यालय कलेक्टर, जिला कार्यालय बालाघाट के आदेशानुसार गणेशप्रसाद सोनी, प्राचार्य शासकीय हाईस्कूल बेलगांव को आगामी आदेश तक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी किरनापुर का अतिरिक्त प्रभार सहित आहरण संवितरण का अधिकार सौंपा गया है। इससे अध्यापक सह शिक्षक संवर्ग में खुशी की लहर व्याप्त है। आज शिक्षक संवर्ग के विभिन्न प्रतिनिधियों ने प्रभारी बीईओ श्री सोनी को उनके कार्यालय में जाकर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका जोरदार स्वागत किया और शुभकामनाएं दी ।इस अवसर पर राज्य अध्यापक संघ के ब्लाक अध्यक्ष अरविंद कोरे तथा एनएमओपीएस के अध्यक्ष प्रमोद नागवंशी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि बीते 27 वर्षो के लंबे अंतराल बाद शिक्षाकर्मी काल के दौरान भोपाल से लेकर दिल्ली तक नवीन शिक्षक संवर्ग ने लंबे संघर्ष को जीया है। जिसका सुखद परिणाम देखने को मिल रहा है कि शिक्षाकर्मी भी अब अधिकारी पद पर सुशोभित होने लगे हैं। अभी तो विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रभार प्राप्त हुआ है अब ओ दिन दूर नहीं कि आने वाले निकट भविष्य में जिला शिक्षा अधिकारी के पद का निर्वहन भी हमारे साथीगण करने लगेंगे। उन्होंने इस अवसर पर श्री सोनी को बधाई देते हुए अपेक्षा जताई कि आपके द्वारा शीघ्र ही क्रमोन्नति वेतनमान व डीए का एरियर्स भुगतान सहित शिक्षकों की अनेकानेक लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा ।इस दौरान प्रभारी बीईओ श्री सोनी ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं का शीघ्र निराकरण बिना रोक-टोक के किये जाने का विश्वास दिलाया। साथ ही सभी शिक्षकों से छात्रा- छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिये जाने का आव्हान किया ।इस अवसर पर सर्व श्री एन सी परिहार, केमेश्वरी दियेवार, गिरधर राहंगडाले, तेजलाल मस्करे, विष्णुदास नंदनवार, कमलचंद सोनी, प्रेमलाल खरे,के के गुप्ता, गणेशप्रसाद देशमुख,गजानन मोहबे ,अरूण पाराशर,अर्जुन देशमुख, भीखराम तुरकर, कृष्णकुमार पारधी, शिवचरण खरे,निकोसेजी, राम गेड़ाम, धनेन्द्र सोनेकर, संजय ब्रम्हे, अजय घोरमारे, रविशंकर सिहोरे, दुलिराम हुकरे सहित अनेक शिक्षक साथी मौजूद रहे।

फायनेंस/लोन
➔पुरानी फोर व्हीलर
➔होम लोन
➔बिजनेस लोन
➔जी.एस.टी.
➔इनकम टैक्स
सर्विस के लिए संपर्क करें
मो. 9424662391
7999136792

आवश्यकता है
मेडिकल होलसेल/ रीटेल में कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है
अनुभवी एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षित को प्राथमिकता
-संपर्क करें-
मनीषा मेडिकोज, बालाघाट
मो. 7073101956

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

जल्द ऑनलाइन होगा पुलिस महकमा, घर बैठे दर्ज होगी एफआईआर

कथन ,एफआईआर की कॉपी, व कोर्ट तारीख की जानकारी भी मिलेगी ऑनलाइन, पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से बरामद किए 3 लाख 25 हजार रु कीमत के गुम हुए मोबाईल, मोबाइल मिलते ही 155 आवेदकों के चेहरे पर लौटी खुशी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। अन्य विभागों की तरह पुलिस विभाग भी अब ऑनलाइन पद्धति की ओर आगे बढ़ रहा है। जहां जल्द ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित जिले के समस्त थानों में ज्यादातर कार्य ऑनलाइन पद्धति से संपन्न कराए जाएंगे। जिसकी संपूर्ण तैयारी पुलिस विभाग द्वारा पूर्ण कर ली गई है। जहां ऑनलाइन पद्धति के तहत आवेदन निवेदन उनकी जांच, मामले के निराकरण की जानकारी सहित अन्य प्रकार की सुविधा लोगों को घर बैठे उपलब्ध हो सकेगी। तो वही लोग घर बैठे एफआईआर भी दर्ज करा सकेंगे इसके अलावा लोग पुलिस को दिए गए बयान, एफआईआर की कॉपी भी घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे। यहां तक की कोर्ट की तारीख की जानकारी भी लोगों को घर बैठे मिलने लगेगी।जिले में इसकी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जिसकी तमाम जानकारी बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक नगेंद्र सिंह द्वारा पत्रकारों को दी गई। जहां आयोजित इस पत्रकार वार्ता के दौरान ही जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र से गुम हुए 155 मोबाइल सीईआईआर पोर्टल की मदद से पुलिस ने बरामद कर आवेदकों को सौंपे, जहां गुम हुए मोबाइल मिलते ही आवेदकों के चेहरे पर खुशी लौट आई।

देश के विभिन्न राज्यो में मिले जिले से गुम हुए मोबाईल

बालाघाट सायबर पुलिस ने सीईआईआर (सेंट्रल इक्वीपमेंट आईडेंटी रजिस्टर) पोर्टल की मदद से जिले से गुम हुए 3 लाख,25 हजार रु कीमत के 155 मोबाईल को खोज निकाला। सायबर सेल ने पोर्टल की मदद से गुम हुए मोबाईल की तलाश की तो यह जानकर उसके भी होश उड़ गए की बालाघाट में गुम हुए मोबाईल, प्रदेश के भोपाल, जबलपुर, सिवनी सहित छत्तीसगढ़ के रायपुर, दिल्ली, हैदराबाद, नागपुर, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर सहित अन्य स्थानो पर संचालित हो रहे थे। जिसकी जानकारी के बाद सायबर सेल ने मोबाईल को खोज निकाला। बुधवार को सायंकाल 5 बजे पुलिस अधीक्षक नगेन्द्रसिंह ने मोबाईल धारकों को मोबाईल लौटाए। जिसे पाकर उनके चेहरे खिल उठे।

मोबाइल गुम होने पर तत्काल थाने में दे जानकारी- नगेन्द्रसिंह

पुलिस अधीक्षक नगेन्द्रसिंह ने बताया कि सायबर पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से गुम हुए 155 गुम मोबाइल फोन खोज निकाले हैं। इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 23 लाख 25 हजार रुपए है। जिसमें आज कुछ मोबाइल फोन, मोबाईल धारकों को लौटाए गए। उन्होंने बताया कि सीईआईआर पोर्टल आधुनिक तकनीक का उपयोग कर गुम मोबाइल खोजने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि सीईआईआर या फिर मोबाईल के ट्रेकर सिस्टम और सायबर पुलिस की हेल्पलाईन नंबर 1930 के माध्यम से भी सहायता लेकर गुम मोबाईल की सूचना दी जा सकती है उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए बताया कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में घबराएं नहीं। तुरंत थाना जाकर रिपोर्ट दर्ज कराएं और पोर्टल के माध्यम से शिकायत करें। यह प्रक्रिया सरल, सुरक्षित और पूरी तरह नि:शुल्क है।गुम मोबाईल को ढूंढने में सायबर सेल प्रभारी अभिलाष मिश्रा, प्रआर. शोभेन्द्र डहरवाल, आर. बलिराम यादव, प्रदीप पुट्टे, पदमसिंह उइके, मआर. मेघा पांडेय, चांदनी शांडिल्य, शिखा मिसारे, आर. जय भगत और आर. सुभाष देवासे की भूमिका रही।

दो पत्थरों के बीच फसा मिला मादा बाघ का शव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंगलवार को वन परिक्षेत्र कान्हा के अंतर्गत एक वन्यजीव मादा बाघ की मृत्यु की घटना सामने आयी। कान्हा टाईगर रिजर्व क्षेत्र संचालक रविन्द्र मणि त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सुलकुम नदी बेलवाले कक्ष क्रमांक 119 बीट मुण्डीदादर वन परिक्षेत्र कान्हा के अंतर्गत मंगलवार को एक वन्यजीव मादा बाघ उम्र लगभग 8 से 10 वर्ष का शव बरामद किया गया। जिसका मौके पर निरीक्षण करने पर मृत बाघ दो पत्थरों के बीच बुरी तरह से फंसा हुआ पाया गया। प्रकरण के संबंध एनटीसीए नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रेदश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देश अनुरूप त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल को सुरक्षित किया गया व डॉग स्क्वाड की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आस-पास छानबीन की कार्यवाही की गई। वहीं डॉ. संदीप अग्रवाल वन्यप्राणी चिकित्सक काटा. रिजर्व मण्डला, डॉ. आशीष वैध पशु विकित्सक पशु चिकित्सालय बैहर के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया है। वन्यजीव बाघ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाये गये। प्रोटोकॉल अनुसार पोस्टमार्टम के साथ शव के सैम्पल, फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शवदाह भस्मीकरण की कार्यवाही क्षेत्र संचालक श्री त्रिपाठी, पुनील गोयल उपसंचालक (कोर), अजय ठाकुर, सहायक संचालक बंजर, वन्यजीव चिकित्सक डॉ. संदीप

अग्रवाल, डॉ आशीष वैद्य पशु चिकित्सक बैहर, शंकर मेरावी तहसीलदार बिछिया, श्यामवती उइके संरपंच खटिया एवं एनटीसीए के प्रतिनिधि डीकेश चौधरी कार्बेट फाउण्डेशन की उपस्थिति में की गई। क्षेत्र संचालक श्री त्रिपाठी ने बताया कि प्रकरण में एनटीसीए के प्रोटोकॉल अनुसार अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जर्जर आंगनबाड़ी भवन की शिकायत लेकर ग्रामीण पहुचे कलेक्ट्रेट

ग्राम गुदमा और मंजीटोला के जर्जर आंगनबाड़ी भवनों का जीर्णोद्धार की लगाई गुहार, बच्चों की सुरक्षा को लेकर पालकों में चिंता, वर्षों से लंबित है भवन स्वीकृति

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम गुदमा और मंजीटोला में नौनिहाल बच्चे जर्जर आंगनबाड़ी भवनों में पढ़ाई करने के लिए मजबूर है। जहां कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। जिसमें भारी जान माल का नुकसान उठाना पड़ सकता है स्थानिय ग्रामीणों द्वारा कई बार इन आंगनवाड़ी भवनो के पुनर्-जीर्णोद्धार की मांग की गई है। लेकिन आंगनवाड़ी भवन निर्माण के लिए अबतक प्रशासनिक स्वीकृति नहीं मिल पाई है। जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानिक ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें उन्होंने ग्राम गुदमा और मंजीटोला के जर्जर आंगनवाड़ी भवनो को स्वीकृति देकर ,आंगनबाड़ी भवनों का पुन: निर्माण कराए जाने की मांग की है ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि दोनों ग्रामों में आंगनबाड़ी केन्द्र बेहद खस्ताहाल भवनों में संचालित हो रहे हैं, जिससे बच्चों की जान को खतरा बना हुआ है। जिसको लेकर वे कई बार आवेदन निवेदन कर चुके हैं लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

किराये के मकान में संचालित हो रही मंजीटोला की आंगनबाड़ी, तो सामुदायिक भवन में चलाया जा गुदमा केंद्र

ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम मंजीटोला में आंगनबाड़ी भवन वर्षों से जर्जर हो चुका है। कुछ समय तक इसका संचालन पुराने और क्षतिग्रस्त प्राथमिक शाला भवन में किया गया, लेकिन हालात और भी बिगड़ने पर ग्राम पंचायत ने उसे हटाकर एक निजी भवन में किराये पर संचालित करना शुरू किया। वहीं ग्राम गुदमा में आंगनबाड़ी केंद्र को सामुदायिक भवन में चलाया जा रहा है।

अनहोनी का बना रहता है डर

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले बच्चे अत्यंत छोटे होते हैं, जो प्राथमिक शाला के बच्चों से भी कम उम्र के होते हैं। ऐसे में यदि भवन सुरक्षित न हों, तो किसी भी समय कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। पालकों के मन में हर समय बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है ग्रामीणों ने बताया कि आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण के लिए पूर्व में भी कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन आज तक कोई स्वीकृति नहीं मिली।

प्राथमिकता के आधार पर मिले दोनों आंगनबाड़ी भवनों को स्वीकृति

ज्ञापन सौपने कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से निर्णय लेते हुए मांग की है कि गुदमा और मंजीटोला दोनों ग्रामों के जर्जर भवनों को तत्काल ध्वस्त कर नवीन एवं सुरक्षित भवनों का निर्माण कराया जाए। इसके लिए उन्होंने कलेक्टर से प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति देने की अपील की है। यदि समय रहते नए भवन स्वीकृत नहीं किए गए तो किसी बड़ी घटना की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

आपसी रंजिश को लेकर दो युवक आपस में भिड़े ,हुई पटका पटकी में दोनों युवक घायल

बिरसा थाने के ग्राम चरचेंडी की घटना, दोनों युवक के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चरचेंडी में दो युवक आपस में भिड़ गए और दोनों के बीच हुई मारपीट और पटका पटकी में दोनों युवक घायल हो गए। 26 मई की रात्रि 9:00 बजे करीब यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई। मारपीट में घायल दोनों युवक संतोष उर्फ लोकेश पिता रामचरण तिल्लासी 28 वर्ष और राजकुमार पिता बाल कृष्णा ऐठेकर 22 वर्ष दोनों ग्राम चरचंडी निवासी का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं दोनों युवक के द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस ने दोनों युवक के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चरचंडी में रहने वाले संतोष तिल्लासी और राजकुमार येठेकर दोनों खेती मजदूरी करते हैं। 23 मई की रात्रि में ग्राम चरचेंडी में ही धरमलाल तिल्लासी के घर शादी का कार्यक्रम था। शादी के। इस कार्यक्रम में संतोष तिल्लासी और राजकुमार ऐठेकर अपने साथियों के साथ गए थे। संतोष तिल्लासी जब शादी के कार्यक्रम से घर आ रहा था ।तब गांव के कुछ लड़के मोबाइल में फ्री फायर गेम खेल रहे थे और एक दूसरे को गाली गलौच कर रहे थे। गालियां सुनकर संतोष तिल्लासी उनके पास गया और बोला कि रोड से बहू बेटियां आती जाती हैं। और संतोष तिल्लासी उन्हें गालियां देने मना करते हुए समझा रहा था। इतने में राजकुमार ऐठेकर भी अपने दोस्त नरेंद्र चौकसे संजय सोनवाने के साथ शादी के कार्यक्रम से लौटकर वहीं पहुंच गया था. यहां पर संतोष तिल्लासी और नरेंद्र चौकसे के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। संतोष तिल्लासी ने नरेंद्र चौकसे को मारपीट कर उठाकर पटक दिया था। बीच बचाव करने जब राजकुमार ऐठेकर आया तब संतोष तिल्लासी ने उसे भी मारपीट कर उठाकर पटक दिया था। गांव के कुछ लोगों ने। बीच बचाव कर उन्हें समझा दिये। सभी लोग अपने घर चले गए थे। बताया कि इस विवाद की जानकारी जब संतोष तिल्लासी के परिवार को लगी तब संतोष तिल्लासी को उसके परिवार वालों ने डांट फटकार लगा दी थी। 26 मई की रात 9:00 बजे जब राजकुमार ऐठेकर अपने गांव के रेवाराम केकती की दुकान में राजश्री एवं गुटका लेने के लिए नरेंद्र बोरीकर के साथ में गया था तभी दुकान उस दुकान में संतोष तिल्लासी राजश्री गुटका लेने के लिए गया था। जहां पर संतोष तिल्लासी और राजकुमार ऐठेकर का आमना सामना हो गया और दुकान के पास संतोष तिल्लासी खड़ा था जिसे देखकर राजकुमार ऐठेकर उसके पास आया प और पुरानी बात को लेकर उसने संतोष तिल्लासी को धक्का मार कर बोला कि उसे दिन तो बहुत बन रहा थाऔर वह संतोष तिल्लासी को अश्लील गालियां देने लगा। इसके बाद संतोष तिल्लासी भी राजकुमार ऐठेकर को गालियां देते हुए बोलने लगा कि तूने उसे दिन मुझे मेरे पिताजी से मार खिलाया था। यह कहते हुए दोनों आपस में भिड़ गए और गाली गुसार करते हुए दोनों आपस में मारपीट कर बैठे और दोनों के बीच पटका पटकी हो गई दोनों ने एक दूसरे के कपड़े फाड़ डालें। एक दूसरे को मार डालने की धमकी दे दी। घटना के दौरान वहां अन्य लोग भी मौजूद थे खबर मिलते ही दोनों के परिवार के लोग पहुंचे और बीच बचाव किये। मारपीट में दोनों युवक चोटिल हो गए थे और वे अपने परिवार के साथ रिपोर्ट करने के लिये बिरसा पुलिस थाना पहुंचे। बिरसा पुलिस ने दोनों युवक संतोष तिल्लासी और राजकुमार ऐठेकर का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाये। उप निरीक्षक शिवलाल परते ने दोनों युवक द्वारा की गई रिपोर्ट पर दोनों युवक के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

ट्रैक्टर की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना अंतर्गत गोंदिया रोड ग्राम चिखला के पास बैलगाम ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। ट्रैक्टर की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार पति-पत्नी घायल हो गए। दोनों घायल कमलेश पिता महिपाल भलावी 40 वर्ष और उनकी पत्नी श्रीमती सितु पति कमलेश भलावी 34 वर्ष ग्राम उकवा थाना रूपझर बालाघाट निवासी है दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कमलेश भलावी उकवा माइन में काम करते हैं।

28 मई को सुबह कमलेश भलावी अपनी पत्नी सीतू भलावी के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव उकवा से गोंदिया अपने किसी रिश्तेदार से मिलने के लिए गए थे और रिश्तेदार से मिलने के बाद दोनों मोटरसाइकिल में गोंदिया से अपने गांव उकवा आने निकले थे। 3:00 बजे करीब गोंदिया से बालाघाट की ओर आते समय ग्राम चिखला के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया । ट्रैक्टर की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार कमलेश भलावी और उनकी पत्नी सीतू भलावी मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल पति-पत्नी को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने कमलेश भलावी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण भिजवा दी है।

अवैध बीज के विक्रय पर कृषि विभाग ने की एफआईआर दर्ज

धारा 211, 3, 7 के प्रकरण में कार्यवाही हुई प्रारम्भ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन तथा उप संचालक कृषि राजेश कुमार खोबरागड़े के मार्गदर्शन में 23 मई को कृषि आदान गुण नियंत्रण जिला स्तरीय दल द्वारा तिरोड़ी तहसील के ग्राम बोथवा का निरीक्षण किया गया। जहाँ हरित हाईब्रिड सीडस कंपनी हैदराबाद का धान बीज एमटीयू-1010, आईआर-64 की ग्रेडिंग कर पैंकिग की जा रही थी। धान बीज की पैंकिग के संबंध में सांई राईस मिल के मालिक कामनसिंह ठाकुर से पुछताछ करने पर बताया गया कि हरित हाईब्रिड सीड्स कंपनी हैदराबाद को मिल किराये से दिया है। मौका स्थल पर उपस्थित हाईब्रिड सीड्स कंपनी हैदराबाद के प्रतिनिधि श्री प्रीतम बोपचे निवासी बोलडोंगरी तह तिरोड़ी से बीज के उत्पादन एवं पैंकिग से संबंधित अभिलेख मांगे जाने पर प्रीतम बोपचे द्वारा किसी भी प्रकार के अभिलेख उपस्थित नही किये गये। जिससे आवश्यक वस्तुं अधिनियम 1955 की धारा-3 एवं 7 तथा बीज अधिनियम 1966, बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 की धारा-3 का उल्लंघन होने से मौका स्थल पर जप्ती मय पंचनामा कार्यवाही की गई। तत्पश्चात थाना तिरोड़ी में प्रीतम बोपचे के विरूध्द प्राथमिकीय दर्ज कराई गई है। इस दौरान जांच दल में विनय धुर्वे सहायक संचालक कृषि, सुनिल कुमार बागड़े कृषि विकास अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह बीज निरीक्षक विकासखंड कंटगी श्री एचसी डेहरिया, कृषि विस्तार अधिकारी पीसी गजभिये एवं महेन्द्र मर्सकोले कृषि विस्तार अधिकारी मौजूद रहें।

पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित नवीन आपराधिक कानूनों पर पुलिस प्रशिक्षण का समापन

45 दिवसीय कानूनी प्रशिक्षण में 800 से अधिक पुलिस अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पुलिस कंट्रोल रूम बालाघाट में यह प्रशिक्षण भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई 2024 से लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों — भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (BSA) — पर आधारित रहा। इस प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों के माध्यम से पुलिस अधिकारियों को नवीन कानूनी प्रावधानों, तकनीकी संसाधनों और व्यावहारिक प्रक्रियाओं की गहन जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने बालाघाट जिले के पुलिसकर्मियों को नवीन कानूनी प्रावधानों, तकनीकी संसाधनों और पारदर्शी कार्यप्रणाली से परिचित कराया है। इसके माध्यम से पुलिस अब एक उत्तरदायी, आधुनिक और संवेदनशील सेवा बल के रूप में कार्य करेगी। नये अधिनियमों के अंतर्गत गंभीर अपराधों की जांच तेजी से पूरी होगी और पीड़ितों को जल्दी न्याय मिलेगा। डिजिटल साक्ष्यों को कानूनी मान्यता मिलने से जांच अधिक पारदर्शी और सटीक होगी। स्नड्ढक्र दर्ज करना आसान हो गया है- इसे ऑनलाइन या किसी भी थाने में किया जा सकता है। पीड़ितों को जरूरी दस्तावेज तय समय में मिलेंगे। चार्जशीट और साक्ष्य प्रक्रिया अब समयबद्ध और डिजिटल होगी। साथ ही, नए अपराधों की स्पष्ट परिभाषा से पुलिस कार्रवाई अधिक प्रभावी होगी। बालाघाट पुलिस आम नागरिकों को विश्वास और सुरक्षा का वातावरण प्रदान करने हेतु संकल्पित है। यह प्रशिक्षण इसी दिशा में एक सशक्त कदम है ।पुलिस कन्ट्रोल रूम में आयोजित प्रशिक्षण में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं आभिषेक चौधरी SDO(P) वारासिवनी, अरविंद कुमार शाह SDO(P) परसवाड़, श्रीमती गौतम मेश्राम वैज्ञानिक अधिकारी, कपिल डेहरिया जिला लोक अभियोजन अधिकारी बालाघाट, प्रदीप भटेले लोक अभियोजन अधिकारी (अजाक) बालाघाट, निरीक्षक संजय उइके फिंगर प्रिंट प्रभारी बालाघाट, निरीक्षक नितिन पटले थाना प्रभारी लामता, प्रआर. भूपेन्द्र साकरे ने प्रशिक्षण दिया।

प्राकृतिक आपदा से हुई मृत्यु उपरांत मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता स्वीकृत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा अंतर्गत आकस्मिक रूप से हुई मृत्यु पर आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। 06 जून 22 को ग्राम हीरापुर निवासी वर्णित रामअभिलाष की हीरापुर कुएँ के पानी मे डूबने से मृत्यु हो गयी थी। जिसके उपरांत मृतक के विधिक वारसानों माँ मालती बाई को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

कभी भी ढह सकता हैं पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग

नाले में रिटर्निंगवॉल नहीं होने से मिट्टी का हो रहा कटाव, दुर्घटना होने की बनी संभावना, बरसात के पूर्व रिटर्निंगवॉल का निर्माण नही हुआ तो नाले में बाढ़ आने पर बह जायेगी सड़क, आवागमन में होगी परेशानी

लालबर्रा (पदमेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम सिहोरा पुल के समीप से गुजरे पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग नाले किनारे से मिट्टी का कटाव होने के कारण सड़क के बिल्कुल नजदीक मिट्टी का कटाव पहुंच चुका है। जिसकी वजह से कभी भी यह सड़क धसक सकती है। जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। जबकि रमपुरी सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजनों के आवागमन के लिए यह एक मात्र मार्ग हैं। बारिश के पूर्व जिस स्थान से सड़क के नीचे व नाले किनारे की मिट्टी धसक रही है उस स्थान पर सीमेन्ट का रिटर्निंगवाल का निर्माण नही किया गया तो बरसात के दिनों में तेज बारिश होने एवं नाले में बाढ़ आने पर सड़क किसी भी समय ढह सकती है। जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती है एवं आने-जाने वालों को भी खासा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है इसलिए ग्रामीणजनों व राहगीरों ने बरसात के पूर्व पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग एवं नाले के किनारे से मिट्टी कटाव को रोकने के लिए सीमेन्ट का रिटर्निंगवाल का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से मांग की है।

धीरे-धीरे सड़क की धसक रही मिट्टी, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दें कि लालबर्रा से सिवनी मार्ग स्थित ग्राम पंचायत सिहोरा एवं नेवरगांव ला. के ग्राम पोंडी के बीच से गुजरी नाले के ऊपर पुल का निर्माण किया गया है। जिसके समीप नाले किनारे से पोंडी से रमपुरी जाने के लिए सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण विगत वर्ष पूर्व किया गया है। जिससे रमपुरी, घटोलगांव सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन आना-जाना करते है। लेकिन सड़क किनारे नाले की मिट्टी का कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवाल का निर्माण नही किया गया है। जिसके बाद नाले में पूर्व में पानी का बहाव तेज होने और सड़क से ओवरलोड़ वाहनों के गुजरने के कारण धीरे-धीरे सड़क किनारे की मिट्टी धसकने लगी है और कुछ स्थानों में तो सड़क के पास तक की मिट्टी धसक चुकी है। जो आने-जाने वालों को दिखाई नही दे रहा है क्योंकि सड़क के नीचे से मिट्टी धसक रही है, अगर बरसात के पूर्व जिस स्थान से मिट्टी का कटाव हो रहा है उस स्थान पर रिर्टनिंगवाल का निर्माण नही किया गया तो सड़क ढह सकता है। साथ ही वर्तमान समय में जिस स्थान से सड़क किनारे की मिट्टी धसक रही है उस स्थान से अगर ओवरलोड चौपहिया वाहन गुजरता है तो उसके दबाव में सड़क धसकने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो सकता है, जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। वहीं ग्रामीणजन एवं राहगीरों के द्वारा ग्राम पंचायत एवं सड़क विभाग को उक्त समस्या से अवगत करवा चुके है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा किसी तरह का कार्य नही करवाया है। जिसके कारण तेजी से उन स्थानों पर मिट्टी का कटाव बढ़ता जा रहा है और यह कटाव बिल्कुल सड़क के नजदीक पहुंच चुका है। यदि बरसात के पूर्व इन स्थानों पर रिटर्निंगवॉल का निर्माण नहीं किया गया या अन्य कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो यह मार्ग कभी भी ढह सकता है और रमपुरी सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन व राहगीरों का आवागमन बाधित हो सकता है। लेकिन इस समस्या की ओर जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन व राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

एकमात्र मार्ग जिससे ग्रामीणजन कर रहे हैं आवागमन

ग्राम रमपुरी से अन्य स्थानों पर जाने के लिए यह एकमात्र मार्ग है। जिससे ग्रामीणजन आसानी से आवागमन कर पा रहे हैं। वहीं एक वर्ष पूर्व तेज बारिश व नाले में बाढ़ आने से रमपुरी पंचायत के समीप रमपुरी से सिहोरा पहुंच मार्ग पर बना पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिससे आवागमन पूरी तरह से बाधित हो चुका है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजन, स्कूली ब%चें, राहगीर पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग का उपयोग आवागमन के लिए कर रहे हैं। जो रमपुरी से खुरपुड़ी, बहेगांव, घटोलगांव, जाम, मोहगांव जाम सहित दर्जनों गांव को आपस में जोड़ता है। यदि बारिश के पूर्व इस मार्ग पर रिटर्निंगवाल का निर्माण नहीं किया गया तो नाले के पानी के तेज बहाव एवं मिट्टी की कटाव से सड़क ढह जायेगी और आवागमन बाधित हो जायेगा। जिससे रमपुरी के ग्रामीणजन अपने ही गांव में कैद हो जायेगें या फिर 5 किमी. की अधिक दुरी तय कर लालबर्रा मुख्यालय आना-जाना करना पडेगा। जिससे सबसे अधिक परेशानी पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को होगी इसलिए ग्रामीणजनों ने प्रशासन से सड़क व नाले की मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवाल का निर्माण करवाने की मांग की है। वहीं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के सहायक महाप्रबंधक माया परते से दूरभाष पर पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग नाले किनारे से धसक रही मिट्टी के कटाव को रोकने हेतु रिटर्निंगवाल का निर्माण करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

मिट्टी का कटाव होने से धसक रही है सड़क - गिरधारी

गिरधारी लिल्हारे ने बताया कि पोंडी से रमपुरी पहुंच मार्ग किनारे से नाला गुजरा है लेकिन सड़क व नाले की मिट्टी कटाव न हो उसके लिए सड़क किनारे रिटर्निंगवाल का निर्माण नही किया गया है। जिसके कारण सिहोरा पुल के आगे नाले की मिट्टी का कटाव होने के कारण सड़क धीरे-धीरे कट रही है और बरसात के दिनों में सड़क के बहने की संभावना बनी हुई है। अगर सड़क ढह जाती है तो आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा और अधिक दुरी तय कर लालबर्रा सहित अन्य स्थानों की ओर आवागमन करना पड़ेगा इसलिए प्रशासन से मांग है कि जिस स्थान से मिट्टी का कटाव हो रहा है उसे रोकने के लिए रिटर्निंगवाल का निर्माण करवाये।

बरसात के पहले रिटर्निंगवॉल का निर्माण करवाये प्रशासन - झामसिंह

झामसिंह लिल्हारे ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के सिहोरा-पोंडी पुल के बाजू नाले किनारे से पोंडी से रमपुरी पहुंच गुजरा है जिससे दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है और यह एक व्यस्तम मार्ग है जिससे चौपहिया वाहन भी गुजरते है। लेकिन नाले किनारे की मिट्टी धीरे-धीरे कटकर धसकने लगी है जो सड़क किनारे तक पहुंच चुकी है, बरसात के पहले मिट्टी कटाव को रोकने के लिए रिटर्निंगवॉल का निर्माण नही करवाया गया और तेज बारिश होने पर नाले में बाढ़ आती है तो सड़क की मिट्टी कटने से सड़क ढह सकती है। क्षतिग्रस्त हो जायेगी जिससे सभी को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। श्री लिल्हारे ने बताया कि सिहोरा से रमपुरी पहुंच मार्ग के नाले पर स्थित पुलिया गत वर्ष क्षतिग्रस्त हो चुका है जिससे आवागमन पूरी तरह से बंद है। ऐसी स्थिति में रमपुरी से पोंडी पहुंच मार्ग से सभी लोग आवागमन करते है। अगर यह मार्ग क्षतिग्रस्त होता है तो आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा इसलिए प्रशासन से मांग है कि मिट्टी कटाव को रोकने के लिए बरसात के पहले रिटर्निंगवॉल का निर्माण करवाये।

एनसीसी के 96वां संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एनसीसी के लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के तत्वाधान में आयोजित दस दिवसीय 96वें संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को समापन हुआ। इस शिविर में कटंगी, वारासिवनी, बालाघाट, बैहर, किरनापुर और मलाजखण्ड के 438 कैडेट्स ने भाग लिया। शिविर के दौरान कैडेट्स को शारीरिक प्रशिक्षण, शस्त्र प्रशिक्षण और फायरिंग का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों द्वारा कक्षाओं के माध्यम से मार्गदर्शन किया गया। शिविर के समापन पर विनीत कमल गुप्ता ने कैडेट्स को संबोधित किया और अच्छे कार्य करने वाले कैडेट्स को मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गए। जिसमें कैडेट्स ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

जिला पंचायत सीईओं के आदेश की अवहेलना कर रहा प्रभारी सचिव - घनश्याम

भांडामुर्री पूर्व सरपंच की शिकायत पर जिला पंचायत सीईओं ने बिरोलीटोला आंगनवाड़ी निर्माण कार्य का लंबित भुगतान करने का दिया आदेश, प्रभारी सचिव ने नही किया भुगतान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भांडामुर्री के पूर्व सरपंच घनश्याम बिसेन के द्वारा 20 जून 2023 में जिला पंचायत कार्यालय में सत्र 2020-21 में 15 वां वित्त से बिरोलीटोला आंगनवाड़ी निर्माण कार्य सहित अन्य निर्माण कार्य के लंबित भुगतान को लेकर शिकायत दर्ज की गई थी। जिसमें उनके द्वारा कहा गया था कि पंचायत स्तर से स्वीकृत अधूरे निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिये संचालक पंचायत राज संचालनालय भोपाल से एक पत्र जारी किया गया था। जिसके आधार पर पूर्व सरपंच के द्वारा बिरोलीटोली आंगनवाड़ी भवन का निर्माण सहित अन्य अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण किया गया था। जिसका पंचायत स्तर से भुगतान किया जाना था परंतु पंचायत सचिव के द्वारा लंबित भुगतान की राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा था। जिससे परेशान होकर पूर्व सरपंच श्री बिसेन ने जिला पंचायत में शिकायत दर्ज की गई थी। जिसके बाद जिला पंचायत सीईओं के द्वारा सरपंच छाया मेश्राम, प्रभारी सचिव संतोष जुगनाके को आदेशित किया गया है कि वो जल्द से जल्द लंबित भुगतानों का भुगतान करे अन्यथा उनके विरूध्द वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। लेकिन प्रभारी सचिव संतोष जुगनाके व सरपंच के द्वारा जिला पंचायत सीईओं के आदेश जारी होने के बाद भी अब तक भुगतान नही किया गया है। इस तरह से भांडामुर्री पंचायत का प्रभारी सचिव संतोष जुगनाके व सरपंच छाया मेश्राम जिला पंचायत सीईओं के आदेश की अवहेलना कर रहे है। वहीं भांडामुर्री के पूर्व सरपंच घनश्याम बिसेन के द्वारा जल्द बिरोलीटोला में बनाये गये आंगनवाड़ी केन्द्र भवन के निर्माण कार्य का भुगतान नही होने पर प्रभारी सचिव व सरपंच की शिकायत जबलपुर कमीश्नर से करने की बात कही है। चर्चा में भांडामुर्री के पूर्व सरपंच घनश्याम बिसेन ने बताया कि वर्ष 2020-21 में 15 वां वित्त से बिरोलीटोला में आंगनवाड़ी केन्द्र भवन का निर्माण करवाया गया है। जिसके बाद त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव हो जाने के बाद कोई दुसरा सरपंच बन गया। जिन्हे प्रभार देने के साथ आंगनवाड़ी भवन निर्माण की लंबित राशि का भुगतान करने कहा गया था, लेकिन अब तक वर्तमान सरपंच छाया मेश्राम एवं प्रभारी सचिव संतोष जुगनाके के द्वारा नही किया गया है। जिसके बाद जिला पंचायत सीईओं से शिकायत की गई थी। जिनके द्वारा प्रभारी सचिव को जो लंबित भुगतान है उसका भुगतान जल्द करने का आदेश दे दिया गया है, लेकिन श्री जुगनाके जिला पंचायत सीईओं के आदेश का अवहेलना करते हुए भुगतान नही कर रहा है। साथ ही भांडामुर्री पंचायत में दुसरा सचिव आ चुका है उसे भी अब तक प्रभारी सचिव (रोजगार सहायक) के द्वारा प्रभार नही दिया गया है। ऐसी स्थिति में पंचायत के विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे है। श्री बिसेन ने बताया कि प्रभारी सचिव श्री जुगनाके व सरपंच के द्वारा पूर्व में आंगनवाड़ी सहित अन्य निर्माण कार्य करवाये गये है जिसके मटेरियल सहित अन्य सामग्री के लंबित भुगतान नही कर परेशान किया जा रहा है। जिसके कारण आंगनवाड़ी भवन निर्माण में जिन लोगों से मटेरियल व अन्य सामग्री लिया गया है उनके द्वारा भुगतान के लिए मुझे परेशान किया जा रहा है। जिससे मैं मानसिक रूप से परेशान हुआ, जल्द लंबित भुगतान को नही किया गया तो कमिश्नर से शिकायत की जायेगी।

इनका कहना है

भांडामुर्री के बिरोलीटोला में विगत वर्ष पूर्व आंगनवाड़ी भवन का निर्माण कार्य पूर्व सरपंच के कार्यकाल में किया गया था। जिसमें मटेरियल सहित अन्य सामग्री व अन्य कार्य का भुगतान किया गया था। लेकिन कुछ राशि का भुगतान शेष है किन्तु राशि नही होने के कारण भुगतान करने में विलंब हो रहा था, राशि आ चुकी है जल्द भुगतान कर दिया जायेगा।

संतोष जुगनाके
प्रभारी सचिव
ग्राम पंचायत भांडामुर्री।

अ.भा.व. महिला परिषद श्री विद्या समय शाखा की महिलाओं ने आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चों को ड्रेस एवं फल का किया वितरण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गर्रा के रेलटोली स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र के नौनिहाल बच्चों को बुधवार को अखिल भारतवर्षीय महिला परिषद श्री विद्या समय शाखा बालाघाट की महिलाओं के द्वारा ड्रेस एवं फल का वितरण किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय महिला परिषद श्री विद्या समय शाखा बालाघाट के पदाधिकारी एवं सदस्यों के द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र के 3 से 6 वर्ष के बच्चों एवं उपस्थित महिलाओं को स्वच्छता, साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य के बारे में बताया गया। साथ ही शाकाहारी भोजन के महत्व व फायदे के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा के सिध्दांत बताये गये। जिसके बाद आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज नौनिहाल बच्चों को ड्रेस एवं फल का वितरण किया गया। चर्चा में अखिल भारतवर्षीय महिला परिषद श्री विद्या समय शाखा बालाघाट अध्यक्ष श्रीमती माधुरी जैन ने बताया कि 28 मई को गर्रा के रेलटोली स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चों एवं उपस्थित महिलाओं को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बारे में समझाइश देकर शाकाहार भोजन के महत्व व फायदे बताये गये। साथ ही यह भी बताया कि रेलटोली में अधिकांश बच्चे झुगी झोपड़ी में निवास करने वाले है इसलिए उक्त स्थान के ब'चों को अखिल भारतवर्षीय महिला परिषद श्री विद्या समय शाखा बालाघाट के द्वारा आंगनवाड़ी के ब'चों को शर्ट, जींस, पेंट एवं फल भेंट किये गये है। जिसके लिए श्री विद्या समय शाखा के सभी सदस्यों के द्वारा राशि एकत्रित की गई थी और इस तरह के कार्य समय-समय पर सभी सदस्यों से सहयोग से करते है। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय महिला परिषद श्री विद्या समय शाखा बालाघाट अध्यक्ष श्रीमती माधुरी जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती निधि जैन, सचिव श्रीमती प्रियंका जैन, सक्रिय सदस्य श्रीमती जूली जैन, महिला एवं बाल विकास विभाग वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्रीमती यशोदा भगत, गर्रा पंच श्रीमती जुबेदा खान, स्वास्थ्य विभाग से श्रीमती आराधना वासुदेव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अनीसा बानो, शीला बोकड़े, ममता बाहेश्वर, सहायिका अंकु बारेकर, मीना बारेकर, श्रीमती शीला सहित आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चें उपस्थित रहे।

म.प्र. कोटवार संघ की हुई बैठक

बैठक में समय पर मानदेय नही मिलने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित तहसील परिसर में मंगलवार को म.प्र. कोटवार संघ की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक म.प्र. कोटवार संघ जिलाध्यक्ष अशोक गेडाम की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में कोटवारों को काम करने, समय पर मानदेय नही मिलने से आ रही परेशानियों, सरकार के द्वारा मानदेय में 500 रूपये बढ़ोत्तरी करने के बाद भी बढ़ा हुआ मानदेय नही मिलने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही प्रदेश सरकार पर मानदेय बढ़ाने के बाद भी बढ़ा हुआ मानदेय नही देने का आरोप लगाते हुए समय पर मानदेय एवं जो 500 रूपये मानदेय बढ़ाया गया है उसे जल्द दिये जाने की मांग की है एवं मांगे पूरी नही होने पर आगामी समय में कठोर कदम उठाने का निर्णय भी लिया है। चर्चा में म.प्र. कोटवार संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि हम लोग राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों का काम करते है लेकिन हमें मानदेय बहुत कम मिलता है और समय पर नही मिलता है। जिसके कारण इस बढ़ती महंगाई में परिवार का पालन-पोषण करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि सरकार के द्वारा कोटवारों के मानदेय में 500 रूपये बढ़ाया गया है लेकिन बढ़ा हुआ मानदेय विगत माह से नही मिला है। जबकि सरकार के द्वारा पूर्व में घोषणा की गई थी कोटवारों को 500 रूपये बढ़ाकर मानदेय दिया जायेगा। लेकिन अब तक नही दिया गया है इसलिए अपनी जायज मांगों व अपनी समस्या का निराकरण हेतु मंगलवार को तहसील परिसर में बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी समय में प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर बढ़ा हुआ मानदेय के साथ ही समय पर मानदेय दिये जाने की मांग की जायेगी और सरकार से मांग है कि हमें बढ़ा हुआ मानदेय प्रदान करें ताकि परिवार का पालन-पोषण अच्छे से कर सके। इस अवसर म.प्र. कोटवार संघ के पदाधिकारी एवं कोटवारगण उपस्थित रहे।

कौलीवाड़ा में हैंडपंपों की स्थिति खस्ताहाल : पानी नही मिलने से ग्रामवासियों में आक्रोश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कौलीवाड़ा में स्थित हैंडपंपों की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गई है। जहां शुद्ध पानी प्राप्त करने के लिए ग्राम के लोगों को काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। हालांकि नल जल योजना के माध्यम से ग्राम में एक दिन के बाद में वार्ड के हिसाब से पानी का वितरण किया जा रहा है। ऐसे में प्रत्येक ग्रामीणों को एक दिन के बाद पानी योजना का प्राप्त होता है, जिसके बाद जरूरत का पानी प्राप्त करने के लिए ग्राम के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि ग्राम के अंदर जितने भी हैंडपंप है वह जंग युक्त पानी या खारा पानी उगल रहे हैं जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं आपात स्थिति में बड़ी समस्या निर्मित होने की संभावना बनी हुई है। जहां ग्रामीणों के द्वारा समस्त हैंडपंपों का सुधार कार्य विभाग से नियमित रूप से कराए जाने की मांग की जा रही है।

जंग युक्त एवं खारा पानी उगल रहे हैंडपंप

ग्राम पंचायत कौलीवाड़ा में जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना प्रारंभ है जिसके माध्यम से गांव में प्रत्येक घरों में पीने का शुद्ध पानी पहुंचाया जाता है। परंतु वर्तमान में गर्मी का समय होने से जलस्तर नीचे जाने से ग्राम के अंदर एक दिन के बाद वार्ड को बाटकर पानी दिया जा रहा है ऐसे में ग्राम के लोगों को पीने का २ दिन का पानी तो प्राप्त हो जा रहा है। किंतु निस्तार करने मवेशियों के लिए पानी की कमी पड़ रही है जिसके लिए वह हैंडपंप का सहारा ले रहे हैं। परंतु ग्राम के अंदर कई हैंडपंप बंद पड़े हुए हैं तो कुछ हैंड पंप चालू भी है । जिसमें जंग युक्त पानी या खारा पानी निकल रहा है जिसे मजबूरी में ग्रामीणों के द्वारा उपयोग करना पड़ रहा है। वहीं ग्राम के वार्ड नंबर १९ के कुछ मकानों में नल जल योजना का पानी नहीं पहुंच पा रहा है उन्हें भी पीने के शुद्ध पानी के लिए लंबी दूरी तय कर बाजार चौक आना पड़ रहा है। इस तरह करीब १५ मकानों में निवासरत परिवार है जो मजबूरी में हैंडपंप का पानी पीने के लिए उपयोग कर रहे हैं। इसका कारण बताया जाता है कि लोग स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा आज तक कभी भी यह हैंडपंप का मेंटेनेंस कार्य नहीं किया गया है ना ही पाइप बदले गए हैं। कई हैंडपंप में पाइप की आवश्यकता है तो वहीं कई हैंडपंप के पाइप जंग लगकर सड़ गया है जिस कारण से पानी जंग युक्त निकल रहा है। परंतु इस पर कोई ध्यान विभाग का नहीं है हमारी यही मांग है कि विभाग इस पर गंभीरता से ध्यान दें। ताकि ग्रामीणों को आपात स्थिति में जैसे योजना की मोटर जलने लाइट गोल होने की स्थिति में पानी के लिए परेशान ना होना पड़े।

ग्राम में पानी की बहुत ज्यादा समस्या बनी हुई है-अनुसूईया राउत

ग्रामीण अनुसूईया राउत ने बताया कि नल एवं हैंडपंप की हमारे यहां पर समस्या बनी हुई है। जहां पानी की कमी है यह जो हैंडपंप है उसमें पाइप की जरूरत है गर्मी के समय में बहुत ज्यादा जरूरत और आवश्यकता पड़ती है। क्योंकि हर तरफजल स्तर नीचे जाता है तो कम पानी मिलता है। नल जल का पानी हमारे घर तक आता है आगे कुछ घर में नहीं जाता है नल जल का पानी हमारे लिए पर्याप्त नहीं है । हैंडपंप से हमें मवेशियों के लिए घर के दूसरे उपयोग के लिए पानी लाना पड़ता है। हैंडपंप ऐसे तो पानी उगल रहा है परंतु कभी नल नहीं आता है या कुछ समस्या हो जाती है तो सभी लोग हैंडपंप पर पानी के लिए जाते हैं तब वहां पानी नहीं निकल पाता है तो उनकी व्यवस्था होनी चाहिए।

पानी की कमी से वार्ड वासियों परेशानी है ग्राम सरपंच नही दे रहा ध्यान-आलोक मेश्राम

ग्रामीण आलोक मेश्राम ने बताया कि यह वार्ड नंबर १९ है नल जल का पानी हम कुछ घर वालों को नहीं मिलता है। यह हमारे पड़ोसी के घर में आता है परंतु हमारे घर के आगे कुछ घरों में नहीं जाता है। सरपंच को इसके लिए बोला गया है शिकायत भी की गई है पंचायत में इसमें अभी कुछ की नहीं है कि हम हैंडपंप से पानी लाते हैं। वहां भी बहुत कम पानी निकलता है बहुत ज्यादा मेहनत लगती है दूसरा एक हैंडपंप है तो वह बंद पड़ा हुआ है यह जो हैंडपंप है इनके पानी पीने योग्य नहीं है खारा पानी निकलता है। मीठा पानी लाने के लिए हमें बाजार चौक करीब यहां से १०० मीटर से अधिक दूर जाना होता है। यह जो हैंडपंप है इन्हें बनाना चाहिए ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर पर्याप्त पानी सभी को प्राप्त हो सके।

ग्राम में पानी की समस्या कई वर्षो की समस्या है जो विभाग को ध्यान देना चाहियें-घूरन राहगंडाले

ग्रामीण घूरन रहांगडाले ने बताया कि गांव में हैंडपंप की दयनीय स्थिति है लाल पानी जंग वाला पानी खारा पानी निकलता है। हमारे ही वार्ड में चार हैंडपंप है जिसमें ढंग से पानी नहीं निकलता है और जो निकलता है वह पीने योग्य नहीं है। खारा पानी में व्यक्ति नहा नहीं सकता है जंग वाला जो पानी है वह पी नहीं सकता है यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। हर बार विभाग के अधिकारियों को शिकायत की गई है कोई नहीं ध्यान नहीं दिया वर्षों से इन हैंडपंपों का सुधार नहीं हुआ है। अभी जबकि गर्मी का समय चल रहा है सबसे ज्यादा पानी की समस्या होती है इनका सुधार कार्य होना चाहिए पाइप डालने चाहिए व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

खराब हैंडपंपों को सुधारने अनेको बार पीएचई विभाग को शिकायत की गई है-सुनील राणा

सरपंच प्रतिनिधि सुनील राणा ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि ग्राम में करीब दो दर्जन से अधिक हैंडपंप विभिन्न स्थानों पर बने हुए हैं। जिसमें से करीब एक दर्जन हैंडपंप प्रारंभ स्थिति में है उसमें भी वह जंग वाला पानी खारा पानी उगल रहे हैं २ हैंडपंप ठीक है जो मीठा पानी देते हैं। यह समस्या हैंडपंप की नहीं है जंग वाला पाइप बदला नहीं गया है जिस कारण से पानी में जंग आ रहा है । खारा पानी चलो ठीक है और जो बंद है उसकी मरम्मत कर दिया जाए तो वह भी चालू हो जाएंगे। कुछ में पाइप ज्यादा लगाने की जरूरत है इस समस्या को लेकर अनेको बार पीएचई विभाग को शिकायत की गई है। मौखिक रूप से बोल भी गया है पर आज तक कोई असर देखने को नहीं मिला हैं।

सांदीपनि विद्यालयों के निर्माण में हुई लेट लफीति,7.50 प्रतिशत तक लगाई जाएगी पेनाल्टी

अब तक लगाई गई पेनल्टी की भी जानकारी प्रस्तुत की जाएगी, बीजी का रिन्यूवल भी कलेक्टर के बिना संज्ञान के नही होगी, सांदीपनि विद्यालयों की प्रगति रिपोर्ट देखने के बाद कलेक्टर ने दिए निर्देश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सांदीपनि विद्यालय निर्माण में जिन ठेकेदारों द्वारा लेट लतीफी की गई है, उन पर पेनल्टी लगाने के निर्देश जारी किए गए है। इसके अलावा अब तक उन सभी ठेकेदारों पर लगाई गई पेनल्टी की जानकारी भी कलेक्टर श्री मृणाल मीना के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। बुधवार को कलेक्टर श्री मीना ने शिक्षा और जनजाति कार्य विभाग अंतर्गत निर्माणाधीन सभी सांदीपनि विद्यालयों की प्रगति के सम्बंध में समीक्षा करते हुए कठोर निर्देश दिए है। उन्होंने निर्माण विभाग पीआईयू को यह भी हिदायत दी है कि अब बीजी रिन्युअल का समय पूरा होने पर बिना उनके संज्ञान में लाये किसी भी ठेकेदार की बीजी रिन्युअल नही किया जाये। ज्ञात हो कि कलेक्टर श्री मीना सांदीपनि विद्यालयों के निर्माण और यहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा परीक्षा परिणामों की तुलनात्मक समीक्षा की। ज्ञात हो कि जिले में शिक्षा विभाग के 7 और जनजाति कार्य विभाग के 3 सांदीपनि विद्यालय निर्माणाधीन है। ये विद्यालय कुल 82.62 एक ? क्षेत्र में 340.35 करोड़ रुपये की लागत से बनाये जा रहें है। समीक्षा बैठक में जनजाति कार्य विभाग प्रभारी सहायक आयुक्त राहुल नायक,पीआईयू कार्यपालन यंत्री श्री उइके,शिक्षा अधिकारी श्री एके उपाध्याय, समस्त सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य व निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार उपस्थित रहे।

2.50 से 7.50 प्रतिशत तक लगाई जाएगी पेनल्टी

कलेक्टर श्री मीना ने सांदीपनि विद्यालयों के निर्माण में हो रही देरी पर सख्त रुख अपनाते हुए पेनल्टी लगाने के निर्देश दिये है। इसमें उन्होंने कहा कि हर स्तर पर हुई लेट लतीफी पर पेनल्टी लगाई जाए। इसमें 25 प्रतिशत निर्माण कार्य में हुई देरी पर 2.50 प्रतिशत, 50 प्रतिशत निर्माण कार्य मे हुई देरी पर 5 प्रतिशत और 75 प्रतिशत निर्माण कार्य और 7.5 प्रतिशत पेनल्टी लगाने के निर्देश है, जिसका सख्ती से पालन करने की भी हिदायत दी गई है।

अंत्येष्टि सहायता राशि दिलाने की एवज में सिकन्द्रा पंचायत के चपरासी ने की राशि की मांग

सनतलाल बाहेश्वर की बेटी अंजू का हुआ था निधन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा में २८ मई को पंचायत के चपरासी के द्वारा अंत्येष्टि सहायता राशि दिलाने के लिए राशि मांगने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमें पीड़ित हितग्राही प्रेमवती बाहेश्वर के द्वारा सिकंद्रा पंचायत के चपरासी मिलन सहारे पर १५०० लेने का आरोप लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सिकंद्रा निवासी प्रेमवती पति सनतलाल बाहेश्वर की बेटी अंजू बाहेश्वर का निधन वर्ष २०२४ के आठवें महीने में हुआ था। जिसे शासन की योजना अनुसार पंचायत के माध्यम से अंत्येष्टि सहायता राशि प्राप्त होनी थी। जो यह पांचवे महीने में शासन से प्राप्त होने पर पंचायत के द्वारा २७ मई को प्रेमवती बाहेश्वर सहित अन्य हितग्राहियों को सहायता राशि का वितरण किया गया। इसके बाद ग्राम पंचायत के चपरासी मिलन सहारे शाम को उनके घर में जाकर रुपये की मांग की गई। जहां उसके द्वारा करीब १५०० रुपये लिए गए इसके बाद घटना की जानकारी ग्राम के गणमान्य लोगों को पता चली जिनके द्वारा मामले में सचिव और सरपंच से चर्चा की गई। जिन्होंने मिलन सहारे को राशि वापस करने के लिए निर्देशित किया हालांकि वर्तमान तक चपरासी के द्वारा राशि वापस नहीं की गई है। जिसमें गणमान्य लोगों के द्वारा पंचायत से कार्यवाही करने की मांग की जा रही है।

पंचायत का चपरासी मिलन सहारे ने २००० रूपये की मांग किया १५०० सौ रूपये दिये है-प्रेमवती बाहेश्वर

पीड़िता हितग्राही प्रेमवती बाहेश्वर ने बताया कि ग्राम पंचायत में मेरी बेटी अंजू बाहेश्वर की अंत्येष्टि सहायता राशि मिली थी। मेरी बेटी का निधन वर्ष २०२४ के आठवें महीने में हुआ था अभी पांचवे महीने में मुझे सहायता राशि मिली। इसमें सचिव और सरपंच ने तो कुछ नहीं कहा और वह लोग पंचायत में थे भी नहीं मुझे पंचायत से पैसे मिले जिसे लेकर मैं घर में आई। शाम करीब ७ बजे पंचायत का चपरासी मिलन सहारे आकर २००० रूपये मांगने लगा । उसके द्वारा फॉर्म भरते समय ही पूछा गया था कि इसके पहले तुम्हें यह सहायता राशि मिली थी क्या तो हमने बताया कि हमारे ससुर के समय मिली थी। तो उसने कहा अभी फॉर्म भर दे रहा हूं फिर एक दिन पंचायत से उसके द्वारा फोन लगाकर २००० देने की बात कही गई थी जिस पर हमने कुछ नहीं कहा। २७ मई की दोपहर ३ बजे मैं फिर पंचायत भवन गई जहां सरपंच और सचिव नहीं थे चार हितग्राही और थे तो हम सभी को सहायता राशि दी गई। फिर शाम को हमारे घर मिलन सहारे आया तो उसे हमने ५०० रूपये दिए तो वह मना करने लगा फिर मेरे पति के बोलने पर राशि बढ़ाकर १५०० रूपये दिए। वह हमें वापस अभी तक नहीं हुई है सुबह हम आए और हमने भैया लोगों को बताएं तो वह हमारे घर आया और हमें बोलने लगा कि आपने बता दिए वही डराने भी लगा कि आप भी और मैं भी फसूंगा करके।

मेरी बेटी की मौत के शोक में डूबे हुए है चपरासी ने १५०० रूपये घर से लेकर गया-सनतलाल बाहेश्वर

सनतलाल बाहेश्वर ने बताया कि मेरी लड़की के जो पैसे है वहां पूरे मिलने चाहिए थे। इस प्रकार मौत हो चुकी बच्ची के पैसे उनके द्वारा मांगे जा रहे हैं यह ठीक नहीं है हम तो पहले से ही शोक में डूबे हुए व्यक्ति है। जो राशि है वह सीधे हमें मिलनी चाहिए बीच के ऐसे व्यक्तियों के द्वारा नहीं खाना चाहिए पंचायत में हमें तो ५००० रूपये हाथ में दिए थे। परंतु चपरासी ने आकर १५०० रूपये घर से लेकर गया है यह गलत है और बहुत पीड़ा दायक है।

मरे हुए व्यक्ति का पैसा खाने वालों को तत्काल पद से हटाना चाहियें-सुभाष पारधी

ग्रामीण सुभाष पारधी ने बताया कि सुबह ग्राम के दो तीन लोगों ने बताया कि मौत के बाद जो अंत्येष्टि सहायता राशि मिलती है ५००० रूपये उसमें से पंचायत के व्यक्ति कहते हैं कि उसमें से हमें रुपये चाहिए। अब ५००० रूपये मिले थे १५०० सौ रुपये दिए। जानकारी लगते ही मेरे द्वारा सचिव और सरपंच से चर्चा की गई उसके बाद भी रुपये वापस नहीं होने पर मेरे द्वारा चर्चा की गई परंतु कोई कार्यवाही उसके ऊपर नहीं की गई थी। उसे रुपये वापस करने के लिए कहा गया। मरे हुए व्यक्ति का पैसा क्यों खा रहे हैं समझ नहीं आता यह तो एक प्रकार से अन्याय है। यह पहला मामला सामने आया है ऐसे तो ५० लोग ग्राम में मरे हैं मामले में हमने पंचायत को अवगत करवा दिया है और कार्यवाही करने की मांग की है जिसने भी पैसे लिया है उसे तत्काल पद से हटाया जायें।

इनका कहना हैं

मौखिक चर्चा में बताया कि यह मामला हमारे संज्ञान में नहीं था सुबह ग्राम के गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा मामले की जानकारी दी गई। जिसमें संबंधित चपरासी से पूछताछ की गई उसे रुपये वापस करने के लिए निर्देशित भी किया गया है। यदि समय रहते रुपये वापस नहीं किए जाते हैं तो पंचायत कार्यवाही करेगी और उसके वेतन से रुपये काटकर हितग्राही को लौटाया जायेगा।

नामदेव राउत
सचिव ग्राम पंचायत सिकंद्रा

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि मुझे किस्त भरना था इसलियें मैंने पैसे उधार लिया था। और जिससे पैसा उधार लिया था उसे पैसा भी वापस कर दिया हूं।

मिलन साहरे
चपरासी ग्राम पंचायत सिकन्द्रा

शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती एवं सामाजिक मिलन समारोह आज

कक्षा १० वीं एवं १२ वीं के प्रतिभाशाली बच्चों को होगा सम्मान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । बालाघाट नगर के वार्ड नंबर २४ गोकुल धाम स्थित केविन हॉस्पीटल के सामने श्री महाराणा प्रताप राजपूत समाज भवन में २९ मई की दोपहर २ बजे से जिला राजपूत क्षत्रिय सभा के तत्वाधान में वीर शिरोमणी महराणा प्रताप की जयंती एवं सामाजिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया हैं। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरीशंकर बिसेन पुर्व केबिनेट मंत्री ,अशोक सिंह सरस्वार पूर्व विधायक बालाघाट, प्रमुख अतिथि श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बालाघाट, कल्याण सिंह राणा अध्यक्ष जनपद पंचायत किरनापुर, सम्राट सिंह सरस्वार अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट ,राजेश पाठक अध्यक्ष सर्व ब्राम्हण समाज बालाघाट,अध्यक्षता संजय सिंह कछवाहा जिलाध्यक्ष जिला राजपूत क्षत्रिय सभा बालाघाट की गरिमामयी उपस्थिति में प्रारंभ होगा। इस भव्य सामाजिक आयोजन में दोपहर २ बजे अतिथियों का स्वागत एवं सम्बोंधन, ३ बजे श्री राणा हनुमान सिंह फांउडेशन की ओर से १० वी एवं १२ वीं के प्रतिभाशाली बच्चों को पारितोषीक वितरण, शाम ४ बजे से भव्य वाहन एवं बाईक रैली के द्वारा नगर भ्रमण कर शाम ४.३० बजे से महाराणा प्रताप चौक पर प्रतिमा माल्यापर्ण एवं शाम ५ बजे से स्वल्पाहार वितरण किया जायेगा। जिसमें अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील जिला संगठन मंत्री मुकेश सिंह चौहान, जिला कोषाध्यक्ष संजय सिंह चंदेल ,जिला सचिव यशवंत सिंह बैस, जिला महिला प्रकोष्ठ श्रीमती मधुदेवी राठौर, जिला महामंत्री सुरजीत सिंह ठाकुर, जिला युवा प्रकोष्ठ श्री सुशिल सिंह ठाकुर, तहसील अध्यक्ष अभय सिंह तोमर ,बालकृष्ण जैवार, झालेन्द्र सिंह चौहान, नरेन्द्र सिंह राजपुत ,पप्पु सिंह चंदेल, इन्द्रपाल सिंह चौहान, सुरजित सिंह गौर, राजेन्द्र सिंह चौहान, धनेन्द्र सिंह राजपुत, राजू सिंह ठाकुर, प्रताप सिंह परिहार, आशीष सिंह गौतम, किर्ती सिंह ठाकुर, सिद्धार्थ सिंह सिसौदिया, सुरेन्द्र सिंह चंदेल, गौरव सिंह बैस, यशवंत सिंह ठाकुर, सुशांत सिंह चौहान, मोतीराम परिहार, मनोज सिंह मंदरेले सहित समस्त पदाधिकारी सदस्य एवं राजपूत क्षत्रिय सभा जिला बालाघाट ने की है।

महाराणा प्रतापः शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट आलेख

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान् राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस ल ?ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे। इस युद्ध में उनका प्रिय घो ?ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता 'पातल और पीथल' हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दर्शाती है। आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे ब ?ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे ब ?ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियों रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की

तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करो ? के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करो ?पतियों के देश छो ?कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है। मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है।

यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

-ललित गर्ग

कहो तो कह दूं - बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी

कफील आजम अमरोहवी की एक मशहूर नज़्म है जिसे स्वर्गीय जगजीत सिंह ने अपना स्वर दिया था, कई बरस पहले लिखी और गाई ये नज़्म आज भी उतनी ही मकबूल है जितनी पहले थी। नज़्म के बोल हैं बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी, लोग बेवजह उदासी का सबक पूछेंगे, ये भी पूछेंगे कि तुम इतने परेशान क्यूं हो इस नज़्म की पंक्तियां प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह पर पूरी तरह फिट बैठ रही है उनकी जुबान से कर्नल सोफिया के बारे में जो कुछ भी निकला वो बहुत दूर तक चला गया । कहते हैं ना कि जुबान से निकली बात और धनुष से निकला तीर कभी वापस नहीं आ सकता, शायद इसलिए ताव ताव में और तालियां सुनने के चक्कर में शाह साहब ने कह तो दिया लेकिन जब उनके कहे पर पूरे देश में हल्ला मचा तब शाह साहब को समझ में आया कि अरे यार ये तो बड़ा गड़बड़ हो गया, बेचारे माफी पर माफी मांग रहे हैं, हर रोज एक नया माफी नामा लिखकर लाते हैं और वीडियो बना बनाकर डाल रहे हैं लेकिन उनके माफीनामा का कोई असर हो नहीं रहा, ये बात अलग है कि भाजपा सरकार उन्हें बचाने के लिए पूरी तरह से अडिग है लेकिन सरकार भी क्या करें न्यायालय के आदेशों के आगे वो भी मजबूर है । इसी नज़्म में आगे कहा गया है लोग बेवजह उदासी का सबक पूछेंगे ये भी पूछेंगे तुम इतने परेशान क्यूं हो । अब आप बताओ जिस मंत्री की गद्दी जाने वाली हो देश के बच्चे बच्चे को उनके बयान के बारे में मालूम पड़ गया है उसके बाद भी लोग उनसे उदासी का कारण पूछ रहे हैं,और तो और न केवल उदासी का कारण पूछ रहे हैं बल्कि ये भी पूछ रहे हैं कि आप इतने परेशान क्यूं हो। अरे भैया पूरे देश में विजय शाह जी की छीछालेदर हो रही है, रोज नेशनल और रीजनल चैनलों पर उनके मुखारविंद से निकले शब्दों पर बहस चल रही है। वे बेचारे मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल नहीं हो पा रहे हैं इधर कांग्रेस उनको खोज कर लाने वाले को ग्यारह हजार रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा कर रही है अब ऐसे में वे उदास और परेशान ना हो तो क्या ढोल बजाकर डांस करें । लोग बाग भी मजा लेने में पीछे नहीं पीछे नहीं रहते । बेचारे विजय शाह सफाई दे दे कर हलाकान हो रहे हैं लेकिन कोई सफाई सुनने तैयार नहीं। कांग्रेस वालों का क्या, उन्हें तो मौका मिला भाजपा को घेरने का सो लग गए पीछे। अभी विजय शाह का मसला चल ही रहा था कि उपमुख्यमंत्री देवड़ा जी भी संज्ञा और सर्वनाम के चक्कर में उलझ गए बोलना कुछ चाह रहे थे और मुंह से निकल गया कुछ और, बस इसको भी लेकर उड़ गए कांग्रेसी। तमाम टीवी चैनल में डिबेट शुरू हो गई वे भी कह रहे हैं कि मेरा कहने का तात्पर्य कुछ और था और टीवी वालों ने कुछ और बता दिया।ऐसी कठिन परिस्थितियों में अपनी हर नेता को एक ही सलाह है कि जो कुछ भी बोलना हो उसकी पहले पचास बार रिहर्सल कर लो, कागज में लिख लो, हिंदी के व्याकरण विद्वानों से उसको चेक करवा लो उसके बाद कागज लेकर शब्दशह पढ़ डालो, अपने मन से एक भी शब्द ना बोलो, जितना लिखा है उतना ही पढ़ो क्योंकि आपने कुछ बोला और जनता ने कुछ समझा तो भिनिष्ठा होना तय है दूसरी बात जो सत्ता में होता है उस पर तो सब की निगाह रहती है अब देखो ना भाजपा के एक राज्यसभा सांसद ने बोल दिया कि पहलगाम में जिन महिलाओं का सुहाग उजड़ गया है उनमें वीरांगना जैसा जोश नहीं था ।अब इन नेताजी को कौन समझाए कि वे महिलाएं जो अपने पति के साथ घूमने आई हो वे किसी आतंकवादी के सामने जो हथियारों से लैस हो कैसे अपनी वीरता दिखा सकती थी, अगर आप भी वहां होते तो क्या उससे लड़ पाते बंदूक देखते ही आपकी भी घिग्घी बंध जाती इसलिए पहले सोचना जरूरी है और फिर बोलना इस पर नेताओं को गंभीरता से सोचना होगा ।

-चैतन्य भट्ट

देश को जल्द ही पूर्वोत्तर क्षेत्र के सेमीकंडक्टर संयंत्र में निर्मित पहली मेड इन इंडिया चिप मिलेगी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ को मालूम है कि भारत में प्राकृतिक संपदा, संस्कृति, संस्कारों, मानवीय बौद्धिक कौशलता,धार्मिक धर्मनिरपेक्षता, हर जाति धर्म, सहित राज्य स्तरपर हर त्योहार व सांस्कृतिक समारोह विशालता से मिलजुल कर मनाए जाते हैं। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 23-24 मई 2025 को नई दिल्ली में पूर्वोत्तर भारत के सात बहनों व एक भाई यांने असम अरुणाचल प्रदेश मणिपुर मेघालय मिजोरम नागालैंड त्रिपुरा और एक भाई सिक्किम मिलकर राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स सम्मिट मनाए हैं, जिसका उद्घाटन 23 मई 2025 को देरशाम माननीय पीएम ने किया था।राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 एक दो दिवसीय कार्यक्रम है,जो 23 और 24 मई को आयोजित किया है। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के एजेंडेमें मंत्रिस्तरीय सत्र, बिजनेस -टू-गवर्नमेंट(बी2जी) और बिजनेस -टू-बिजनेस (बी2बी) बैठकें और एक समर्पित प्रदर्शनी क्षेत्र शामिल हैं। निवेश संवर्धन के लिए पहचाने गए प्रमुख क्षेत्रों में पर्यटन और आतिथ्य, कृषि- खाद्य प्रसंस्करण और संबद्ध उद्योग, वस्त्र, हथकरघा और हस्तशिल्प, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कौशल विकास आईटी और आईटी-सक्षम सेवाएं, बुनियादी ढांचा और रसद, ऊर्जा,साथ ही मनोरंजन और खेल शामिल हैं।चूँकिदेश को जल्द ही पूर्वोत्तर क्षेत्र के सेमी कंडक्टर संयंत्र में निर्मित पहली मेड इन इंडिया चिप मिलेगी। राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स सम्मिट 23-24 मई 2025 का आगाज- एक्ट ईस्ट,एक्ट फास्ट,एक्ट फर्स्ट इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,पूर्वोत्तर भारत 7 बहने एक भाई=अष्टलक्ष्मी-भारत का बेहतर भविष्य बनाने में अहम सहयोगी जो भारत के वि ?न 2047 को गति देगा।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा उद्घाटन समारोह में संबोधन की करें तो, पूर्वोत्तर क्षेत्र को अवसरों की भूमि के रूप में प्रस्तुत करने, वैश्विक और घरेलू निवेश को आकर्षित करने तथा प्रमुख हितधारकों, निवेशकों और नीति निर्माताओं को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से पीएम ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया। दुनियाँ के सबसे विविधतापूर्ण राष्ट्र के रूप में भारत की स्थिति को रेखांकित करते हुए,उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर हमारे विविध राष्ट्र का सबसे विविध क्षेत्र है।उन्होंने व्यापार, परंपरा, वस्त्र और पर्यटन में फैली विशाल संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा कि इस क्षेत्र की विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर एक संपन्न जैव- अर्थव्यवस्था और बांस उद्योग,चाय उत्पादन और पेट्रोलियम, खेल और कौशल के साथ-साथ इको-टूरिज्म के लिए एक उभरते हुए केंद्र का पर्याय है। उन्होंने आगे कहा कि यह क्षेत्र जैविक उत्पादों का मार्ग प्रशस्त कर रहा है और ऊर्जा के एक पावरहाउस के रूप में खड़ा है। उन्होंने पुष्टि की कि पूर्वोत्तर अष्टलक्ष्मी का सार है, जो समृद्धि और अवसर लाता है। उन्होंने कहा कि इस ताकत के साथ, हर पूर्वोत्तर राज्य निवेश और नेतृत्व के लिए अपनी तत्परता की घोषणा कर रहा है।विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में पूर्वी भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने पूर्वोत्तर को इसका सबसे महत्वपूर्ण घटक बताया। उन्होंने कहा, हमारे लिए, पूर्वी क्षेत्र सिर्फ एक दिशा नहीं है, बल्कि एक दृष्टि है-सशक्त बनाना, कार्य करना, मजबूत बनाना और बदलाव लाना - जो इस क्षेत्र के लिए नीतिगत रूपरेखा को परिभाषित करता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस दृष्टिकोण ने पूर्वी भारत, विशेष रूप से पूर्वोत्तर को भारत के विकास पथ के महत्वपूर्ण केंद्र में रखा है।

साथियों बात अगर हम पीएम द्वारा कही गई सबसे बड़ी पांच बातों की करें तो (1) विकसित भारत के निर्माण के लिए पूर्वी भारत का विकसित होना बहुत जरुरी है। नॉर्थईस्ट पूर्वी भारत का सबसे अहम अंग है। हमारे लिए द्व ईएएसटी का मतलब है - इमपावर, एक्ट, स्ट्रेंथन एंड ट्रांसफॉर्म,पूर्वी भारत के लिए यही हमारी सरकार की नीति है। (2) आप लोगों को जानकर हैरानी होगी कि पिछले कुछ वर्षों में हमारे केंद्रीय मंत्रियों ने 700 से ज्यादा बार नॉर्थईस्ट गए हैं और रात भर वहां रुके हैं। उन्होंने उस मिट्टी को महसूस किया, लोगों की आंखों में उम्मीद देखी और उस भरोसे

को विकास की नीति में बदला। (3) हमने इंफ्रास्ट्रक्चर को सिर्फ ईंट और सीमेंट से नहीं देखा, हमने उसे इमोशनल कनेक्ट का माध्यम बनाया है।हम लुक ईस्ट से आगे बढ़कर एक्ट ईस्ट के मंत्र पर चले। एक समय था जब पूर्वोत्तर को सीमांत क्षेत्र माना जाता था। आज, यह भारत की विकास गाथा में अग्रणी के रूप में गर्व से खड़ा है। (4) एक तरह से नॉर्थईस्ट टूरिज्म के लिए एक कम्पलीट पैकेज है। अब नॉर्थईस्ट में विकास का लाभ कोने-कोने तक पहुंच रहा है, तो इसका भी पॉजिटिव असर टूरिज्म पर पड़ रहा है। वहां पर्यटकों की संख्या दोगुनी हुई है। (5) हमारा फोकस नॉर्थईस्ट के युवाओं के भविष्य पर है। इसलिए हमने एक के बाद एक शांति समझौते किए। युवाओं को विकास की मुख्यधारा में आने का अवसर दिया। पिछले 10-11 साल में 10 हजार से ज्यादा युवाओं ने हथियार छोड़कर शांति का रास्ता चुना है। बता दें यह कार्यक्रम उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया है,आठ पूर्वोत्तर राज्य- असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम, ऐसे राज्य हैं जिन्हें अष्टलक्ष्मी या समृद्धि के आठ रूप कहा जाता है।यानि इसका कनेक्शन सेवन सिस्टर (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा) से भी है, ये भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक ताने- बाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।अष्टलक्ष्मी महोत्सव क्षेत्र की प्रगति को प्रदर्शित करने,इसकी सांस्कृतिक संपदा का जश्न मनाने और भविष्य के विकास के लिए नए निवेश को आमंत्रित करने के लिए आयोजित होने वाला एक अहम कार्यक्रम है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम उद्घाटन संबोधन में अष्टलक्ष्मी के वर्णन की करें तो हमारी परंपरा में मां लक्ष्मी को सुख, आरोग्य और समृद्धि की देवी कहा जाता है। जब भी लक्ष्मी जी की पूजा होती है,तो हम उनके आठ रूपों को पूजते हैं। आदिलक्ष्मी, धनलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी,गजलक्ष्मी, संतान लक्ष्मी, वीरलक्ष्मी, विजयलक्ष्मी और विद्यालक्ष्मी इसी तरह भारत के पूर्वोत्तर में आठ राज्यों की अष्टलक्ष्मी विराजमान हैं। नॉर्थ ईस्ट के आठों राज्यों में अष्टलक्ष्मी के दर्शन होते हैं।अब जैसे पहला रूप है आदि लक्ष्मी। हमारे नॉर्थ ईस्ट के हर राज्य में आदिसंस्कृति का सशक्त विस्तार है।नॉर्थ ईस्ट के हर राज्य में, अपनी परंपरा अपनी संस्कृति का उत्सव मनाया जाता है। मेघालय का चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल, नागालैंड का हॉर्नबील फेस्टिवल, अरुणाचल का ऑरेंज फेस्टिवल,मिज़ोरम का चपचार कुट फेस्टिवल, असम का बीहू, मणिपुरी नृत्य।दूसरी लक्ष्मी, धन लक्ष्मी, यानि प्राकृतिक संसाधन का भी नॉर्थ ईस्ट पर भरपूर आशीर्वाद है।आप भी जानते हैं,नॉर्थ ईस्ट मेंखनिज तेल, चाय के बागान और बायो-डायवर्सिटी का अद्भुत संगम है।वहां रीन्युएबल एनर्जी का बहुत बड़ा पोटेंशियल है।धन लक्ष्मी का ये आशीर्वाद, पूरे नॉर्थ ईस्ट के लिए वरदान है। तीसरी लक्ष्मी धान्य लक्ष्मी की भी नॉर्थ ईस्ट पर भरपूर कृपा है। हमारा नॉर्थ ईस्ट, नैचुरल फार्मिंग के लिए, जैविक खेती के लिए, मिलेट्स के लिए प्रसिद्ध है।हमें गर्व है किसिक्किम भारत का पहला पूर्ण जैविक राज्य है। नॉर्थ ईस्ट में पैदा होने वाले चावल, बांस, मसाले और औषधीय पौधे,वहां कृषि की शक्ति को दिखाते हैं। आज का भारत,दुनियाँ को हेल्दी लाइफ स्टाइल से जुड़े हुए, न्युट्रिशन से जुड़े हुए, जो सोल्यूशन देना चाहता हैउसमें नॉर्थ ईस्ट की बड़ी भूमिका है।अष्टलक्ष्मी की चौथी लक्ष्मी हैं,गज लक्ष्मी। गज लक्ष्मी कमल पर विराजमान हैं और उनके आसपास हाथी हैं।हमारे नॉर्थ ईस्ट में विशाल जंगल हैं,काजीरंगा मानस मेहाओ जैसे नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइफ सेंचुरी हैं वहां अद्भुत गुफाएं हैं,आकर्षक झीलें हैं। गजलक्ष्मी का आशीर्वाद नॉर्थ ईस्ट को दुनिया का सबसे शानदार टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने का सामर्थ्य रखता है।पांचवीं लक्ष्मी हैं, संतान लक्ष्मी यानि उत्पादकता की, क्रिएटिविटी की प्रतीक। नॉर्थ ईस्ट,क्रिएटिविटी के लिए स्किल के लिए जाना जाता है। जो लोग यहां एग्ज़ीबिशन में जाएंगे, हाट- बाज़ार में जाएंगे।उन्हें नॉर्थ ईस्ट की क्रिएटिविटी दिखेगी। हैंडलूम्स का, हैंडीक्राफ्ट्स का ये हुनर सबका दिल जीत लेता है।असम का मुगा सिल्क मणिपुर का मोइरांग फी, वांखेई फी, नागालैंड की चाखेशांग शॉल। ऐसे दर्जनों हैं जो नॉर्थ ईस्ट की क्राफ्ट को, क्रिएटिविटी को दिखाते हैं।अष्टलक्ष्मी की छठी लक्ष्मी है वीर लक्ष्मी।वीर लक्ष्मी यानि साहस और शक्ति का संगम। नॉर्थ ईस्ट, नारी-शक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक है। मणिपुर का नुपी लान आंदोलन, महिला- शक्ति का उदाहरण है। नॉर्थ ईस्ट की महिलाओं ने कैसे गुलामी के विरुद्ध बिगुल फूंका था, ये हमेशा भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से दर्ज रहेगा। रानी गाइदिन्ल्यु, कनकलता बरुआ, रानी इंदिरा देवी, ललनु रोपिलियानी लोक- गाथाओं से लेकर हमारी आज़ादी की लड़ाई तक,नॉर्थ ईस्ट की नारीशक्ति ने पूरे देश को प्रेरणा दी है। आज भी इस परंपरा को नॉर्थ ईस्ट की हमारी बेटियां समृद्ध कर रही हैं। यहां आने से पहले मैं जिन स्टॉल्स में गया, वहां भी अधिकतर महिलाएं ही थीं। नॉर्थ ईस्ट की महिलाओं की इस उद्यमशीलता से पूरे नॉर्थ ईस्ट को एक ऐसी मजबूती मिलती है, जिसका कोई मुकाबला नहीं।अष्टलक्ष्मी की सातवीं लक्ष्मी हैंजय लक्ष्मी। यानि ये यश और कीर्ति देने वाली हैं।आज पूरे विश्व में भारत प्रति जो उम्मीदें हैं, उसमें हमारे नॉर्थ ईस्ट की अहम भूमिका है। आज जब भारत, अपने कल्चर, अपने ट्रेड की ग्लोबल कनेक्टिविटी पर फोकस कर रहा है तब नॉर्थ ईस्ट, भारत को साउथ एशिया और ईस्ट एशिया के असीम अवसरों से जोड़ता है।अष्टलक्ष्मी की आठवीं लक्ष्मी है,विद्या लक्ष्मी यानि ज्ञान और शिक्षा। नॉर्थ ईस्ट को अपना पहला एम्स मिल चुका है। देश की पहली नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी भी मणिपुर में ही बन रही है। मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया,मीराबाई चानू, लोवलीना, सरिता देवी ऐसे कितने ही स्पोर्ट्स पर्सन नॉर्थ ईस्ट ने देश को दिए हैं। आज नॉर्थ ईस्ट टेक्नोलॉजी से जुड़े स्टार्ट अप्स, सर्विस सेंटर्स और सेमीकंडक्टर जैसे उद्योगों में भी आगे आने लगा है। इनमें हज़ारों नौजवान काम कर रहे हैं। यानि विद्या लक्ष्मी के रूप में ये रीजन, युवाओं के लिए शिक्षा और कौशल का बड़ा केंद्र बन रहा है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स सम्मिट 23-24 मई 2025 का आगाज-एक्ट ईस्ट,एक्ट फास्ट, एक्ट फर्स्ट।देश को जल्द ही पूर्वोत्तर क्षेत्र के सेमीकंडक्टर संयंत्र में निर्मित पहली मेड इन इंडिया चिप मिलेगी।पूर्वोत्तर भारत 7 बहने एक भाई= अष्टलक्ष्मी -भारत का बेहतर भविष्य बनाने में अहम सहयोगी जो भारत के विजन 2047 को गति देगा।

-किशन सनमुखदास भावनानी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। माँग ठंडी रहने से बुधवार को अनाज मंडी में तुअर व मूंग में बाजार मंदी के रहे। चना बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में काजू व बादाम में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार गर्मी के मूंग की आवकें सुधार पर है। माँग सामान्य से अधिक नहीं है। तुअर में भी माँग सुस्त रहने से भावों में मंदी है। चना सामान्य कारोबार के बीच 6000 रू. प्रति क्विंटल पर रहा। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर रहे। उधर, किराना जिंसों में काजू व बादाम गिरी में मजबूती रही। शक्कर में सुस्ती देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4180, खोपरा गोला 215-265, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1450-1825, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2400-2450, (160) 2800-2850, (200) 2850-2900, (250) 2900-2950

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1410, राजकोट तेलिया 2200, सोया साल्वेंट 1155-1160, सोया रिफाइंड 1220-1225, कपास्या 1215, धूलिया 1220, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1190, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6350-6400, एवरेज 6200-6250, मूंग देशी 7200-7300, पाला 7300-7400, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार बेहद ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु दोनों कीमती धातुओं में विदेशी बाजारों की अगुवाई में मजबूती रही। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 97800, चाँदी (99) 97700, टंच 96900, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 97000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 85.38 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा के मजबूत होने और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की वजह स रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 23 पैसे टूटकर 85.63 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि महीने के अंत में निर्यातकों एवं बैंकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने से स्थानीय मुद्रा दबाव पड़ा। वहीं घरेलू शेयर बाजारों में मिश्रित धारणा के बीच विदेशी निधि प्रवाह भी धीमा रहा। इसके अलावा निवेशक घरेलू एवं वैश्विक वृहद आर्थिक आंकड़ों से संकेत की प्रतीक्षा में सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.59 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 85.71 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए साझेदारी में कोई काम करने के लिए रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आप वाद-विवाद में न पड़े, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते में दरार पैदा हो सकती हैं। आप किसी संपत्ति की खरीदारी की योजना बना सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आर्थिक मामलों में आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। आपका कोई रुपए पैसे से जुड़ा मामला सुलझ सकता है। विद्यार्थी यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, तो उसमे उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आप अपनी सेहत के प्रति थोड़ा सचेत रहें। आपके ऊपर कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारी अधिक रहने से टेंशन बनी रहेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके सुख साधनों में वृद्धि होगी और कोई पुराना लेनदेन चुकटा होगा। आपका कोई मित्र लंबे समय बाद आपसे मिलने आ सकता है। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। राजनीति में आप थोड़ा ध्यान देकर ही कामों को करें, क्योंकि आपके आसपास आपके विरोधी हो सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आपको सामाजिक कामों में भाग लेने का मौका मिलेगा। बिजनेस में आपकी इनकम बढ़ेगी। काम के सिलसिले में आप लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी और आपको किसी नए काम की शुरुआत करना भी अच्छा रहेगा। उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। सरकारी योजनाओं में धन लगाना बेहतर रहेगा। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग किसी अच्छी स्कीम में धन लगा सकते हैं। परिवार में यदि किसी सदस्य की सेहत को लेकर आपको टेंशन थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आप अपने बिजनेस के किसी काम को लेकर यात्रा पर जा सकते हैं। आप कोई भी काम जल्दबाजी में न उठाएं और कोई निर्णय आपको बहुत ही सोच समझ कर लेने की आवश्यकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। व्यवसाय में आप काम को लेकर धन लगाने की सोच सकते हैं, जो जातक नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे हैं, उन्हें कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। विद्यार्थियों को काम को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी है। आपको किसी दूसरे के मामले में बोलने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके बिजनेस की योजनाएं आपको कोई बेहतर लाभ देगी। आपको यदि कोई चिंता चली आ रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है। जमीन जायदाद से जुड़ा मामला सुलझेगा। अध्ययन में अध्यात्म के प्रति आपकी खूब रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई को लेकर लापरवाही नहीं करनी है। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को भी पूरा करना पड़ सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खर्चो भरा रहने वाला है। जीवनसाथी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपका कोई कानूनी मामला आपके लिए सिर दर्द बन सकता है, जिसके निपटाने के लिए आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरे की आवश्यकता होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप अपने व्यवसाय में लगे रहेंगे। आप किसी तकनीकी समस्या के कारण परेशान रहेंगे। पैतृक संपति को लेकर कोई विवाद खड़ा हो सकता है, जो कानूनी हो सकता है। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और आपको काम के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के लिए भी समय निकालना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। माता-पिता या भाई बहनों को आपको पूरा साथ मिलेगा। आपकी तरक्की के नए-नए मार्ग खुलेंगे। आप कुछ नया करने की सोच सकते हैं। आपको किसी से किए हुए वादे को पूरा करने में समस्या आ सकती है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अच्छे व मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। परिवार में यदि सदस्यों में किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर हो सकती है। आप किसी योजना में बदलाव करने की सोच सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोगों को थोड़ा समझदारी दिखाते हुए अपने कामों को निपटाना होगा। आप किसी भी विरोधी की बातों में ना आए।

मीन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपकी भौतिक शुभ सुविधाओं में भी वृद्धि होगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको किसी बात को लेकर टेंशन चल रही है, तो आप अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर आपको पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

शब्दजाल - 7913

शब्द जाल में 10 विश्व विख्यात व्यक्तियों के नाम ढूंढिए। शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं।

म	क	वि	वे	का	नं	द	ज	म	ल	त
द	आं	ल	प्रे	व	स	म्रा	ट	अ	शो	क
र	स	इ	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	पा
ई	स	ल	स्टी	दि	वा	स	ध	ल	श	इ
ड	अ	दो	ग	न	ज	ना	तू	ग	झ	थो
का	ली	दा	स	दि	अ	क	ब	र	घ	गो
ती	व	ल	मी	धी	प	च	जू	बा	व	र
क	एं	ऊ	गां	द	ब	क	र	ए	श	स
र	ड	त्मा	प	र्द	जी	स	री	क	प	स्तु
य	हा	ल	गै	ली	लि	यो	ऐ	ने	र	द
म	ड	ल	प	या	प	स	अ	अ	प	म

अरस्तु, अकबर, आइंस्टीन, विवेकानंद, महात्मा गांधी, सम्राट अशोक, कालीदास, पाइथोगोरस, गैलीलियो, चरक,

शब्दजाल - 7912 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6857

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6856

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8381

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर,रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य,कीमत,दर-2
10. जी,इच्छा,चित-2
11. नलका,टोंटी-2
13. बारीक,सूक्ष्म-3
14. रेखा,लाइन-3
15. रग,नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध,कत्ल,मर्डर-2
20. दौड़ने वाला,धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना,प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण,बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह,जिज्ञासा-3
16. हद,सीमा,बार्डर-4
17. हमेशा,सदैव-4
19. बलिदान,परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8380 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.25 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	08.38 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.55 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.17 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.32 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.48 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.53 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.40 बजे से
		मीन	01.12 बजे से
		मेष	02.43 बजे से
		वृष	04.23 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2025 वर्ष का 149 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 23.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 22.39 बजे को समाप्त।
योग शूल 15.47 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.32 बजे तदनन्तर गर 23.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872359
जूलियन दिन 2460824.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 01
विशेष महाराणा प्रताप जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः विचित्र आशीर्वाद

राजा संत के पास गया। संत ने राजा को आशीर्वाद दिया, 'सिपाही बन जाओ।' यह बात राजा को अच्छी नहीं लगी। दूसरे दिन राजा ने अपने राज्य के सबसे बड़े विद्वान को संत के पास भेजा। संत ने कहा, 'अज्ञानी बन जाओ।' विद्वान भी नाराज होकर लौट गए। इसी तरह जब नगर सेठ आया तो संत ने आशीर्वाद दिया, 'सेवक बन जाओ।' सेठ भी रुष्ट होकर वापस आ गया। संत के आशीर्वाद की चर्चा राज दरबार में हुई। लोग कहने लगे कि यह संत नहीं, धूर्त है, तभी अनाप-शनाप आशीर्वाद देता है। किसी ने कहा कि संत जरूर मानसिक संतुलन खो चुके हैं। एक दिन राजा ने अपने सैनिक भेजकर संत को राजदरबार में बुलाया। राजा ने संत से कहा, 'आप ने आशीर्वाद देने के बहाने सभी लोगों का अपमान किया है, इसलिए आपको दंड दिया जाएगा।' यह सुनकर संत हंस पड़े। राजा ने जब इसका कारण पूछा तो संत ने कहा, 'लगता है इस राज दरबार में सब मूर्ख हैं। मैंने जो कहा है, ठीक कहा है। मैंने राजा को कहा कि सिपाही बन जाओ क्योंकि राजा का कर्म है राज्य की सुरक्षा करना। सिपाही का काम भी रक्षा करना होता है। विद्वान को अज्ञानी बन जाने को कहा। इसका तात्पर्य यह है कि विद्वान ज्ञानी होता है। कहीं उसे अपने ज्ञान का अभिमान न हो जाए, इसीलिए मैंने उसे अज्ञानी बनने को कहा था। सेठ का कर्त्तव्य होता है, अपने धन से गरीबों की सेवा करना। इसीलिए मैंने उसे सेवक बनने का आशीर्वाद दिया।' यह सुनकर राजा ने संत से क्षमा मांगी।

सूडोकु नवताल- 7166

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7165 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटीसी सहित दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवावी हावी रहने से आयी है। ये लगातार दूसरा दिन है जब बाजार में गिरावट आई है। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 239.31 अंकों 0.29 फीसदी नीचे आकर 81,312.32 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.75 अंक तकरीबन 0.30 फीसदी नीचे आकर 24,752.45 अंकों पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 11 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि अन्य 25 कंपनियों के शेयर नीचे आये हैं। निफ्टी की केवल 16 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर रहे। वहीं अन्य सभी 34 कंपनियों के शेयर नीचे आये हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि आईटीसी के शेयरों में 3.13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा एयरटेल व एनटीपीसी के शेयरों में भी हल्की गिरावट रही।

सेंसेक्स में शामिल भारती एयरटेल के शेयर 0.58 फीसदी, एनटीपीसी 0.41 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.41 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.28 फीसदी, एसबीआई 0.27 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.15 फीसदी, इंफोसिस 0.14 फीसदी, एचसीएल टेक 0.09 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.04 फीसदी और टीसीएस के शेयर 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि इंडसइंड बैंक के शेयर 1.92फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.80फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.77फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.41फीसदी, पावरग्रिड 1.19फीसदी, एशियन पेंट्स 1.11फीसदी, सनफार्मा 1.01फीसदी, टेक महिंद्रा 0.95फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.91फीसदी, मारुति सुजुकी 0.83फीसदी, रिलायंस 0.62फीसदी, टाइटन 0.61फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.51फीसदी, टाटा स्टील 0.25फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.18फीसदी, एक्सिस बैंक 0.09फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.08फीसदी और एटरनल (जोमेटो) के शेयरों में 0.04फीसदी की गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। निफ्टी-50 24,832 अंक पर लगभग सपाट खुला।

प्रधानमंत्री ने कहा- विदेशी सामानों का इस्तेमाल करना बंद करें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में एक कार्यक्रम में उन्होंने देश के 140 करोड़ नागरिकों से बड़ी अपील करते हुए विदेशी सामानों पर निर्भरता खत्म करने के लिए कहा। बिना नाम लिए पीएम मोदी ने चीन पर निशाना साधा, ये ऐसे ही नहीं है, खिलौनों समेत कई ऐसे चीनी सामान हैं, जिनके लिए भारत एक बड़ा बाजार है। खासतौर पर खिलौनों की बात करें तो काफी हद तक भारत इसमें आत्मनिर्भर बना है और दुनिया को निर्यात कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा 2047 तक विकसित भारत बनाने और अर्थव्यवस्था को चौथे से तीसरे पायदान पर लाने के लिए विदेशी सामानों के बहिष्कार जरूरी है। अब हम कोई विदेशी चीज का इस्तेमाल नहीं करेंगे, इसके लिए हमें गांव-गांव में भी व्यापारियों को शपथ दिलवानी होगी कि विदेशी सामानों से कितना भी मुनाफा क्यों न हो, कोई भी विदेश चीज नहीं बेचें। हाल के वर्षों में भारत के खिलौना निर्यात में काफी तरक्की की है और इस सेक्टर में ग्लोबल हब बनता जा रहा है। साल 2017 से पहले भारतीय खिलौना उद्योग चीन पर काफी निर्भर था, जहां लगभग 90 फीसदी खिलौने चीन से आयात किए जाते थे, लेकिन आज भारत के खिलौना आयात में भारी कमी आई है और अमेरिका जैसे बड़े देशों में भारतीय खिलौनों की डिमांड बढ़ी है और भारत का निर्यात भी बढ़ा है, लेकिन इसके बावजूद अभी भी भारतीय बाजार चाइनीज खिलौनों के लिए बड़ा बाजार बना हुआ है। अगर ये बाजार टूटा तो चीन को बड़ा नुकसान होगा।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, फिर भी कई चुनौतियां

नई दिल्ली। भारत 2025 के आखिर तक जापान को पछाड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह आकलन नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने किया है। आईएमएफ के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था 2025 तक 4.19 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है, जिससे वह जापान को पछाड़कर आगे निकल जाएगा। यह उपलब्धि निस्संदेह भारत की आर्थिक प्रगति, विदेशी निवेश के प्रति आकर्षण और नीतिगत सुधारों का नतीजा है, लेकिन यह तस्वीर पूरी तरह से गुलाबी नहीं है। कई सामाजिक और मानवीय विकास के मानकों पर भारत अभी भी जापान से बहुत पीछे है। जैसे प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत जापान से 12 गुना पीछे है। जापान में जहां प्रति व्यक्ति आय 33,000 डॉलर से ज्यादा है, वहीं भारत में यह 2025 तक 2,900 डॉलर के करीब रहने का अनुमान है। जीवन प्रत्याशा में भी बड़ा अंतर है। भारत में औसत आयु करीब 70 साल है, जबकि जापान में यह 85 साल के आसपास है। इसका प्रमुख कारण बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली है। शिक्षा के क्षेत्र में भारत की साक्षरता दर 77.7 फीसदी है, जबकि जापान करीब 100 फीसदी साक्षरता दर के साथ तकनीकी शिक्षा में दुनिया में सबसे आगे है। भारत में बेरोजगारी दर करीब 6 फीसदी है और 90 फीसदी लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। इसके उलट जापान की बेरोजगारी दर मात्र 2.5 फीसदी है। मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी में भी भारत जापान से बहुत पीछे और उसे अभी लंबा सफर तय करना है। जापान जीडीपी का 3.3 फीसदी अनुसंधान पर खर्च करता है जबकि भारत केवल 0.7 फीसदी करता है। सामाजिक सुरक्षा में भी जापान की प्रणाली व्यापक है जबकि भारत में केवल 49 फीसदी आबादी ही किसी न किसी सुरक्षा कवरेज के दायरे में है।

नगर में पानी निकासी के बंद पड़े है मार्ग

नगर परिषद क्या जल भराव का कर रहा इंतजार, बारिश में जल निकासी को लेकर नगर परिषद की क्या तैयारियां ?

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर को 52 तालाबों की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। किन्तु पंचायत कार्यकाल तक कभी भी जल समस्या या पानी निकासी को लेकर परेशानियों का सामना करते नहीं देखा गया। उस समय संसाधनों का अभाव था लेकिन जल प्रबंधन व बारिश का पानी निकासी का उचित प्रबंध था। जब से नगर परिषद बनी एवं नगर के विकास के नाम पर बिना मास्टर प्लान के पारंपरिक जल निकासी के स्थान पर सीमेंट कांक्रीट की सड़कें व नालियां बनने लगी, प्राकृतिक जल निकासी मार्ग पर अतिक्रमण व जगह-जगह कांक्रीट के बनाए जंगलों ने जल निकासी का रास्ता ही बदल दिया, जिससे अब जल भराव व घरों में पानी घुसने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नगर परिषद लांजी के द्वारा जल संरक्षण के लिए गंगा संवर्धन अभियान के नाम पर ताम-झाम तो बहुत किये गये किन्तु जल निकासी के लिए उचित तैयारियां नजर नहीं आ रही है। समय रहते नालियों की साफ-सफाई व निकासी स्थलों पर किये गये अतिक्रमण नहीं हटाये गये तो बारिश के दिनों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

पुलिस थाना परिसर में है निकासी मार्ग

नगर के हृदय स्थल में स्थापित पुलिस थाना जिसका पुरा परिसर घंटे भर की बारिश से लबालब भर जाता है। थाना परिसर के पानी निकासी के लिए कहीं भी निकासी मार्ग नहीं बनाया गया है, जिससे बारिश के दिनों में पुलिस थाने के गेट से लेकर पुरे परिसर में पानी ही पानी भरा रहता है। इससे निजात पाने के लिए पूर्व के वर्षों में नगर परिषद व पुलिस थाने द्वारा अपने स्तर पर यहां बारिक चिल्ली बजरी डलवाकर परिसर को उंचा किया गया, किन्तु पानी निकासी का उचित प्रबंध नहीं किए जाने के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है।

बस स्टैण्ड में नाली का नहीं है उचित प्रबंध

नगर के मुख्य चौराहे सुभाष चौक पर जगह जगह खुदाई तो की किंतु जिम्मेदार उन्हें समतल करना भूल गए। इतना ही नहीं बस स्टैंड के सामने मार्ग पर जगह जगह गड्ढे पड़ गये है। उन्हें ना तो भरा गया है, ना ही जल निकासी के लिए सफाई की गई है। बस स्टैंड से भिलाई रोड़ की ओर बनाई गई नाली को बनाने के बाद कभी भी सफाई नहीं की गई जिससे उसमें पूरा कचरा भरा हुआ है। बारिश पूर्व सफाई नहीं हुई तो बस स्टैण्ड का पानी नाली से ना होकर सड़क से बहेगा।

बालाघाट रोड़ पर निकासी मार्ग किया बंद

नगर के बालाघाट मार्ग पर वार्ड क्रमांक 12 में बस स्टैण्ड से बिसोनी की सरहद तक पक्की नाली का निर्माण किया गया है, किन्तु आगे के पारंपरिक निकासी मार्ग को बंद कर दिए जाने के कारण बारिश का पानी कहां जाएगा यह बड़ा प्रश्न बन गया है। बता दें कि यहां हिरोला तालाब, आमगांव मार्ग, बाजार चौक, एरिगेशन आफिस से लेकर बस स्टैण्ड तक का पूरा पानी बालाघाट मार्ग से होकर ही काशी नाले में जाता रहा है। किन्तु विगत दो वर्षों से व्यक्ति विशेष द्वारा निजी भूमि पर मिट्टी पाटकर बंद कर दिया गया है। गत वर्ष बारिश का जल भराव होने के बाद आनन-फानन में जेसीबी मशीन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी जो कि बारिश के बाद पुन: बंद कर दिया गया जो कि बारिश होते ही जल भराव की स्थिति निर्मित करेगा। समय रहते इसका उचित प्रबंध नहीं किया गया तो बालाघाट रोड़ के दर्जन भर से अधिक मकानों में पानी भर जायेगा।

रोड़ से ऊंची बना दी नाली

नगर के वार्ड क्रमांक 3 सालेटेकरी मार्ग विक्रांत फोटो कापी सेंटर की गली जो बालाघाट रोड़ को जोड़ती है पर पक्की नाली का निर्माण किया गया है जो कि सड़क से एक से डेढ़ फीट ऊंची बनाई गई है। नगर परिषद के इंजीनियर के सुपरविजन में बनी यह नाली किन कारणों से रोड़ से ऊंची बनाई गई यह तो वहीं बता सकते हैं। इस संबंध में वार्ड पार्षद द्वारा शिकायत किया जाना बताया गया किन्तु 6 माह बाद भी इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

निमटोला मार्ग पर अतिक्रमण

आमगांव मार्ग से निकलने वाला बारिश का जल खेतो से होते हुए निमटोला नहर में जाता है। उक्त स्थल पर बने नाले को पाटकर पक्का अतिक्रमण कर लिया गया है। नाला नाली बन गई है इसके बावजूद अतिक्रमण हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की गई ना निर्माण के समय ध्यान दिया गया।

इनका कहना है

उक्त संबध में नगर परिषद लांजी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी एल लिल्हारे ने कहा कि आगामी वर्षा काल को देखते हुये नगर की सभी प्रमुख नालियों की सफाई कराई गई है कुछ स्थान चिन्हित किये गये है जिनका 3 से 4 दिनों कार्य पूर्ण किया जायेगा। वहीं नगर के कुछ नालियों के निकासी को लेकर भी अवगत कराया गया जिसमें उन्होने कहा कि बालाघाट रोड पर लटारू प्रसाद दुबे जी एवं आमगांव मार्ग वाले जल निकासी के संबध में बताया कि इस हेतु एक विस्तृत डीपीआर बनाया जा चुका है जो राज्य स्तर पर एसएलटीसी की बैठक में अनुमोदित होकर हमे प्राप्त होना है। टेण्डर की प्रक्रिया पूर्ण होते ही इस वर्षा काल के बाद कार्य प्रारंभ किया जायेगा। किसी भी प्रकार से नगर में जल भराव ना हो इस हेतु नगर परिषद लांजी 24 घंटे मुस्तैद है तैनात है।

कुम्हारीकला, घोटी, बोलेगांव में नि:शुल्क नेत्र शिविर सम्पन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। महावीर इंटरनेशनल लांजी द्वारा प्रतिमाह 27 एवं 28 तारीख को नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। इसी के तहत 27 एवं 28 मई 2025 को कुम्हारीकला, बोलेगांव, घोटी में प्रशिक्षित डॉक्टरों की उपस्थिति में शिविर सम्पन्न किया गया। शिविर में डॉ कर्मवीर सिंह , और सहयोगी अरशद खान, इंद्रकुमार राजाभुते के द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 110 लोग की जांच की गई एवं 15 लोग चयनित हुए। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के डिप्टी डायरेक्टर व चेयरमैन विशाल राउत खोंगल ने बताया कि अब नागरिकों को परेशान होने की जरूरत नहीं, प्रतिमाह 27 व 28 तारीख को यह सभी स्थानों पर शिविर सम्पन्न कराया जाएगा। अब नागरिकों को दूर दूर तक सफर करने की जरूरत नहीं अपने निकटतम सेवा केंद्र में पहुंचकर जांच परामर्श मार्गदर्शन प्राप्त कर सेवा का लाभ ले।

जन अभियान परिषद की जल गंगा संवर्धन अभियान में अनूठी पहल

दीवार लेखन के माध्यम से तप्ती गर्मी में पक्षियों के लिए पानी के सकोले रखने का दिया संदेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में विभिन्न तरह की गतिविधियों का क्रियान्वयन निरंतर किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत बुधवार को मप्र जन अभियान परिषद विकासखण्ड कटंगी द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिरगांव और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम

संचालित मुख्य अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं द्वारा चिरगांव कटंगी में पक्षियों के लिए पानी के सकोले रख रखे गए। साथ ही जन जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत दीवार लेखन का आयोजन कर जन जागरूक किया गया। जिसमें जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जन जागरूकता कैसे करें और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास के लिए गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सभी उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ताओ को सुरेंद्र कुमार भगत द्वारा शपथ दिलाई गई। संगोष्ठी में चर्चा करते हुए विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने जल है तो कल है विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें आने वाले समय के लिए जल के विभिन्न स्थानों जैसे कुआं बावड़ी तालाब आदि को बचाने के लिए हम सभी को मिलकर सामूहिक सहभागिता और स्वैच्छिक भाव से प्रयास करना होगा। कार्यक्रम में अरविंद दरवडे, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर के सामाजिक कार्यकर्ता, लता पटले, उर्वशी पटले, नवांकुर संस्था एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी सहित अन्य लोग उपस्थिति रहे।

कम लक्ष्य के कारण तेंदूपत्ता मजदूरों को नहीं मिल रहा पर्याप्त लाभ

नेवरवाही समिति के तेंदूपत्ता मजदूरों ने की लक्ष्य बढ़ाने की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र जहां अधिकांश लोग मजदूरी आदि का कार्य करके अपना जीवन यापन करते है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार के उद्योग धंधे नही होने के कारण अधिकतर मजदूर वर्ग बडे शहरो की ओर पलायन करते देखे जा सकते है। वहीं शासन की कुछ ऐसी जनकल्याण कारी योजनाऐं है जिनका लाभ मजदूर वर्गो को मिलता है जिनसे वे अपना जीवन यापन करते है। लेकिन यदि उन योजनाओं का भी पूर्ण लाभ नही मिल पाये तो दोबारा मजदूरों को पलायन करने सोचना पड़ता है। शासन के द्वारा वनांचल क्षेत्रो में चलाई जा रही योजनाओ के तहत बांस लकड़ी कटाई, तेंदूपत्ता तुड़ाई आदि में बहुतायत मजदूर वर्ग कार्य करते है इन्ही कार्यो को लेकर वनांचल क्षेत्र के मजदूर वर्ग ने शिकायत करते हुये बताया कि इस बार तेंदूपत्ता तुड़ाई मे हमे जो लाभ मिलना चाहिये था वह नही मिल पाया है। ग्राम नेवरवाही समिति के द्वारा तेंदूपत्ता तोडने वाले मजदूरो ने कहा कि प्रतिवर्ष हम लोग 10 से 15 दिन तेंदूपत्ता तुड़ाई का कार्य करते है लेकिप विगत वर्षो से कम लक्ष्य आने के कारण 2 से 3 दिन में ही पत्ता तुड़ाई का कार्य संपन्न हो जाता है जिसके चलते हम मजदूर वर्गो को भारी नुकसान हो रहा है। आप लोगो ने बताया कि तेंदूप्रत्ता तुडाई के काम में एक एक परिवार को 15 से 20 हजार रूपये का लाभ या मजदूरी प्राप्त होती थी जिससे हमारा वर्षा काल में जीवन यापन चल जाता है। क्योंकि जंगल क्षेत्र में वर्षो काल में किसी भी प्रकार का कार्य नही होता है और ना ही कोई उद्योग व्यापार है जहां हम कार्य कर सके। तेंदूपत्ता तोडने के पश्चात जो धन राशि प्राप्त होती है उससे हमारा वर्षो काल में जीवन यापन चलता है, घर में 2 से 3 महीन के लिये खाद्य आदि सामग्री तेल, नमक, मसाले आवश्यकता की सामग्री लेकर रख लेते है लेकिन इस वर्ष तेंदूपत्ता तुड़ाई का कार्य केवल दो से तीन दिन ही चला, नेवरवाही समिति में 11 लाख तेंदूपत्ता तोडने का ही लक्ष्य था जिसके तक बेलगांव के मजदूरो को 1 लाख पत्ता ही तोडना था जो कि काफी कम लक्ष्य है यदि पूर्व के वर्ष की तरह कम से कम 22 लाख तेंदूपत्ता तोडने का लक्ष्य समिति को मिलता तो बेलगांव मे भी अधिक लक्ष्य प्राप्त होता जिससे हमारी मजदूरी भी अधिक बनती और वर्षा काल में आसानी से हमारा जीवन यापन हेतु राशि प्राप्त होती। इस संबध मे ग्राम बेलगांव से कार्ड धारी रामप्रसाद बाहे, सीताराम बाहे सहित अन्य 130 कार्ड धारियों ने कहा कि हम लोग यदि 10 से 15 दिन कार्य करते तो हम लोगो को बराबर मजदूरी मिलती लेकिन 2 से 3 दिन ही कार्य करने के चलते हमे नुकसान हुआ है। वहीं इस संबध मे संबधित अधिकारी कर्मचारी से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि नेवरवाही समिति के कभी भी 22 लाख पत्तो का लक्ष्य प्राप्त नही हुआ है विगत कई वर्षा से कम ही लक्ष्य आया है पिछले वर्ष भ्नी 11 लाख पत्ता तुडाई का ही कार्य था और य लक्ष्य भोपाल स्तर से प्राप्त होता है इसमे स्थानीय समिति कुछ नही कर सकती। इस दौरान बेलगांव से सीताराम बाहे, श्रवण पांचे, रामकिशन मातरे, चैनलाल कावरे, सुरेश आचरे, धनराज पांचे, दिलीप गोस्वामी, फरीदा शेख, सरस्वती मातरे, रेखा पांचे, लीलावंती बाहे, शांति पांचे, ईटाबाई बागड़े, रामचंद बाहे सहित अन्य कार्ड धारी मजदूरो से शासन प्रशासन से मांग की है तेंदूपत्ता तुडाई हेतु पूर्ण लक्ष्य प्रदान किया जाये।

आईटीआई में प्रवेश हेतु 31मई तक रजिस्ट्रेशन

आठवीं पास विद्यार्थी भी वेल्डर ट्रेड में ले सकता है प्रवेश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सभी कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने के उपरांत अगली कक्षाओं के लिए प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। वहीं दूसरी ओर बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण होने के पश्चात विद्यार्थी आगे की पढ़ाई अपनी पसंदीदा विषय को लेकर करना चाहता है, जिसके लिए विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया से गुजरना होता है। जिसकी तिथियां निर्धारित होती है।

आईटीआई में प्रवेश हेतु 31 मई तक रजिस्ट्रेशन

आईटीआई में समस्त व्यवसाय में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31मई 2025 निर्धारित की गई है। इस संबंध में शास.आईटीआई पालडोंगरी के प्राचार्य एस.आर. कुसराम ने बताया कि वे छात्र-छात्राएं जो कक्षा दसवीं फेल है एवं जो कक्षा आठवीं पास है वे भी आईटीआई में व्यवसाय वेल्डर में प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि शासकीय आईटीआई पालडोंगरी में कुल 6 व्यवसाय संचालित है। जिनमें 5 व्यवसाय- इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मोटर मैकेनिक व्हीकल्स, हिंदी स्टेनो एवं कोपा (कंप्यूटर) में प्रवेश की न्यूनतम योग्यता कक्षा दसवीं है एवं 1 व्यवसाय वेल्डर में प्रवेश की न्यूनतम योग्यता कक्षा आठवीं पास इस सत्र में निर्धारित की गई है।

आईटीआई पालडोंगरी में समस्त व्यवसाय एनसीवीटी से एफिलिएट

आईटीआई के तकनीकी प्रशिक्षण अधिकारी आदर्श पटले ने बताया कि वे छात्र-छात्राए जो कक्षा दसवीं के उपरांत 2 वर्ष के व्यवसाय जैसे इलेक्ट्रीशियन, फिटर मोटर मैकेनिक व्हीकल आदि में प्रवेश लेते हैं तो 2 वर्ष के कोर्स के उपरांत एमपी ओपन से सिर्फ़ 2 विषय की परीक्षा पास करके कक्षा 12 वी पास की मार्कशीट प्राप्त हो सकती है।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक बरकरार

-सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को दिया और समय, जुलाई में होगी अगली सुनवाई

भोपाल। मप्र के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक बरकरार है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी टीम को जांच के लिए और समय दिया है। एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट में और समय मांगा था। मंत्री विजय के मामले में अब तक 7 लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। विजय शाह के बयान का वीडियो एफएसएल को जांच के लिए भेजा गया है।

दरअसल, विजय शाह ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी। मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इसे लेकर विजय शाह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जहां कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भाजपा नेता कुंवर विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक के अपने अंतरिम आदेश को आगे बढ़ा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के सामने लंबित कार्यवाही को भी बंद कर दिया, क्योंकि शीर्ष अदालत इस मामले पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने डीआईजी पुलिस द्वारा प्रस्तुत स्थिति रिपोर्ट पर गौर किया, जिसमें कहा गया है कि तीन आईपीएस

अधिकारियों की एसआईटी गठित की गई थी। 21 मई को जांच शुरू हुई थी। एसआईटी रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिक दस्तावेज एकत्र किए गए हैं। गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। जांच अभी प्रारंभिक चरण में है।

हाईकोर्ट से सुनवाई न करने को क्यों कहा गया

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ टिप्पणी के लिए मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ उच्च न्यायालय में चल रही कार्यवाही को बंद करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि वह अब खुद इस मामले की जांच कर रहा है। इसलिए हाईकोर्ट इस पर सुनवाई न करे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शीर्ष अदालत के पिछले आदेश के अनुपालन में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से स्थिति रिपोर्ट मांगी। कोर्ट ने कहा कि एसआईटी ने कुछ उपकरण जब्त कर लिए हैं और अपनी जांच शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा

कोर्ट ने कहा कि विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक सहित 19 मई को पारित अंतरिम निर्देश की अवधि बढ़ाई जाती है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह में तय की है। पीठ ने मामले में किसी भी तरह के हस्तक्षेप की अनुमति देने से इनकार करते हुए, कहा कि वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहती। इससे पहले 19 मई को शीर्ष अदालत ने विजय शाह को फटकार लगाई थी और उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था।

एक्सीलेंस और मॉडल स्कूलों में बिना प्रवेश परीक्षा मिलेगा एडमिशन

रिक्त सीटों को भरने नियम में बदलाव, क्लास 6 से क्लास 8 तक के आवेदन शुरू

भोपाल। मप्र के सरकारी स्कूलों में दाखिले को लेकर बदलाव किया गया है। यह बदलाव जिला उत्कृष्ट (एक्सीलेंस) विद्यालयों और मॉडल स्कूलों में खाली पड़ी सीटों को भरने के लिए किया गया है। जिसके तहत अब एंट्रेंस एग्जाम (प्रवेश परीक्षा) पास करने वालों के एडमिशन के बाद भी यदि सीटें रिक्त रहती है तो सीधे दाखिला दिया जाएगा। हालांकि, इसके के लिए पहले आवेदन करना अनिवार्य होगा। क्लास 6 से क्लास 8 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 31 मई तक चलेगी। लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार, पहले एंट्रेंस एग्जाम के बाद भी सीटें खाली रह जाती थीं। उन पर किसी को मौका नहीं मिल पाता था। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा। एक बार आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 2 जून तक मैरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। जिसे 9 जून को जारी किया जाएगी। इसके साथ ही स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जो 14 जून तक चलेगी। यदि किसी मॉडल स्कूल में पर्याप्त सुविधा और आधारभूत संरचना है, तो कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रत्येक कक्षा में अधिकतम 120 विद्यार्थियों को दाखिला दिया जा सकेगा।

मॉडल स्कूलों में दाखिले के बदले नियम

राज्य के मॉडल स्कूलों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के लिए नए दाखिला नियम लागू किए गए हैं। कक्षा 9वीं में सबसे पहले उन छात्रों को प्रवेश मिलेगा जो ओपन स्कूल की प्रवेश परीक्षा से चयनित हुए हैं। यदि इसके बाद सीटें खाली रहती हैं, तो वेटिंग लिस्ट में शामिल छात्रों को बुलाया जाएगा। कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं में उन्हीं विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा जिन्होंने उसी मॉडल स्कूल से पिछली कक्षा उत्तीर्ण की हो। जैसे - जो छात्र 9वीं में उस स्कूल में थे और पास हुए हैं, उन्हें 10वीं में सीधे दाखिला मिलेगा। यदि ऊपर बताए गए सभी विकल्पों के बाद भी सीटें खाली रह जाती हैं, तो स्कूल अपने स्तर पर विज्ञापन जारी करेंगे। उसमें यह बताया जाएगा कि किस कक्षा में कितनी सीटें रिक्त हैं, और फिर उन पर खुले आवेदन लेकर दाखिले दिए जाएंगे। कक्षा 6वीं से 8वीं तक में भी दाखिले की अनुमति होगी, लेकिन यह तभी किया जाएगा जब 9वीं से 12वीं तक की सीटें भरने के बाद भी रिक्तता बनी रहे।

पीसीसी चीफ के भाईयों पर एफआईआर का मामला

पार्टी नेताओ सहित नेता प्रतिपक्ष ने एडीजी इंटेलिजेंस से की मामले में जांच की मांग

भोपाल। एमपी के इंदौर शहर के तेजाजी नगर थाने में दर्ज एफआईआर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भरत पटवारी और नाना पटवारी के नामो को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओ ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ पीएचक्यू पहुंचकर डीजीपी को पत्र लिखते हुए गंभीर आपत्ति जताई है। कांग्रेस का आरोप है, कि 26 मई को दर्ज एफआईआर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भरत पटवारी और नाना पटवारी का नाम दुर्भावनापूर्वक शामिल किया गया है, जबकि उनका इस प्रकरण से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने पत्र के जरिये मांग की है, कि अखिल भारतीय यादव समाज पब्लिक ट्रस्ट से जुड़ी भूमि विवाद की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिन निर्दोष लोगों भरत पटवारी, नाना पटवारी एवं कांग्रेस नेता सदाशिव यादव के नाम बिना कारण एफआईआर में जोड़े गए हैं, उन्हें तत्काल हटाया जाए। डीजीपी कार्यालय पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने कहा की कि यह मामला अखिल भारतीय यादव समाज पब्लिक ट्रस्ट की भूमि को लेकर है। जिस पर फरियादी नरेन्द्र मेहता और ट्रस्ट के बीच पहले से विवाद चल रहा है। ट्रस्ट के ट्रस्टियों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई नारायण यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता राधेश्याम यादव, तथा आरएसएस से जुड़े प्रमुख व्यक्ति राकेश यादव शामिल हैं। ट्रस्ट में कांग्रेस से जुड़े केवल दो सदस्य सदाशिव यादव और पुरुषोत्तम यादव हैं। यह मामला मूलतः ट्रस्ट संपत्ति का है और सिविल प्रक्रिया के तहत न्यायालय में हल होना चाहिए था, लेकिन सत्ता का दुरुपयोग कर इसे आपराधिक रंग देने की कोशिश की गई है। एफआईआर में 25 मार्च की घटना का उल्लेख है, जबकि उसे दर्ज 26 मई को किया गया यानि दो महीने बाद। कांग्रेस का कहना है कि यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक दुर्भावना का मामला है। पीएचक्यू पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ विधायक आरिफ मसूद, पूर्व मंत्री मुकेश नायक, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव, महामंत्री गौरव रघुवंशी और चुनाव आयोग प्रभारी जे.पी. धनोपिया सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे।

तबादले के विरोध में हाईकोर्ट जा सकते हैं अधिकारी कर्मचारी

विभागों ने जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर हाईकोर्ट में सरकार का पक्ष सुनने दायर की केविएट

भोपाल। प्रदेश के सभी विभागों में तीस मई तक स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों का फैसला ले चुकी सरकार को आशंका है कि तबादले के विरोध में कई अधिकारी, कर्मचारी कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। ऐसे हालातों से निबटने के लिए कई विभागों ने तबादला आदेश जारी करने के पहले हाईकोर्ट में केविएट

दायर कर दी है और कोर्ट से आग्रह किया है कि स्थानांतरित कर्मचारियों द्वारा कोर्ट में अपील करने के मामले में कोई फैसला देने से पहले न्यायालय सरकार के संबंधित विभाग का पक्ष भी सुने।

तबादला नीति लागू हुए अब तक 28 दिन हो चुके हैं लेकिन पीडब्ल्यूडी और पीएचई विभाग के सौ से अधिक कर्मचारियों अधिकारियों के स्थानांतरण के अलावा किसी दूसरे विभाग ने तबादले की बड़ी सूची जारी नहीं की है। स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, नगरीय विकास और आवास, राजस्व, गृह, लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, पंचायत और ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, ऊर्जा और जल संसाधन ऐसे विभागों में शामिल हैं जहां स्थानांतरित किए जाने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों का प्रतिशत अधिक रहेगा। ऐसे में तीन साल की अवधि एक स्थान पर पूरी कर चुके अधिकारी कर्मचारी प्रशासनिक आधार पर किए जाने वाले तबादलों के विरोध में हाईकोर्ट की शरण ले सकते हैं ताकि किसी न किसी ग्राउंड को आधार बनाकर तबादले पर स्टे लेने और आदेश शिथिल कराने की कार्यवाही की जा सके। इसी के चलते विभागों द्वारा केविएट दायर की जा रही है ताकि तबादला आदेश जारी होने के बाद उसका एग्जीक्यूशन भी तेजी से कराया जा सके।

हाईकोर्ट जबलपुर, खंडपीठ में केविएट दायर

स्कूल शिक्षा विभाग ने इसी तारतम्य में कहा है कि शिक्षक संवर्ग और गैर शिक्षक संवर्ग के अमले का प्रशासकीय आवश्यकता के आधार पर राज्य स्तर से स्थानांतरण किया जाने वाला है। ऐसे में स्थानांतरण आदेश के खिलाफ संबंधित लोक सेवा उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सकते हैं। इसलिए इन हालातों में याचिका दायर करने पर न्यायालय के समक्ष विभाग अपना पक्ष रख सके, इसके लिए हाईकोर्ट जबलपुर, हाईकोर्ट की खंडपीठ ग्वालियर और इंदौर में केविएट दायर की जा रही है। ऐसे ही स्थिति दूसरे विभागों द्वारा भी अपनाई जा रही है।

5 जून को काम बंद हड़ताल करेंगे जनजातीय कार्य विभाग के दैवेभो एवं अंशकालीन कर्मचारी

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच दैनिक वेतन भोगी एवं अंशकालीन कर्मचारी समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि जनजातीय कार्य विभाग के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं अंशकालीन कर्मचारी की पांच सूत्रीय प्रमुख मांगों की समर्थन में 5 जून को काम बंद हड़ताल करेंगे। इस दौरान भोपाल में जनजाति कार्य विभाग के मुख्यालय में धरना दिया जाएगा तथा आयुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक को अशोक पांडे, प्रमोद बडें, महेंद्र सारस ने संबोधित किया। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि जनजातीय कार्य विभाग के स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी को नियमित करने, अंशकालीन कर्मचारियों को कलेक्टर दर का वेतन देने, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं अंशकालीन कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर10 लाख की ग्रेजुटी का भुगतान करने, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी एवं अंशकालीन कर्मचारियों को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने, 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके अंशकालीन कर्मचारियों को दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी का दर्जा देने आदि प्रमुख पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में यह काम बंद अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही है। जब तक जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख द्वारा मांगों को मंजूर नहीं किया जाएगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

डीईओ के पद रिक्त होने से प्रशासनिक काम प्रभावित

भोपाल। जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) के खाली पद भरने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय को रायशुमारी करनी पड़ रही है। संचालक लोक शिक्षण ने एक पत्र जारी कर सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से ऐसे लोक सेवकों की सूची तलब की है, जो जिला शिक्षा अधिकारी पद के लिए पूरी तरह से योग्य हैं। इन कर्मचारियों को 29 मई को भोपाल बुलाया है, जहां परीक्षण समिति (एग्जामिन कमेटी) पदस्थापना को लेकर अंतिम निर्णय लेगी। प्रदेश में जिला शिक्षा अधिकारियों के पद बड़ी संख्या में खाली हैं। खाली पदों के स्थान पर प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी कामकाज संभाल रहे हैं, जिससे विभागीय कामकाज में कसावट नहीं आ रही है। इस स्थिति को देखते हुए संचालनालय ने स्थाई डीईओ नियुक्त करने का निर्णय लिया है और इसके लिए जिलों से ही नाम प्रस्तावित करने को कहा गया है। जिन अधिकारियों या प्राचार्यों के नाम डीईओ के लिए प्रस्तावित किए जाएंगे, उनके साथ प्रस्तावक को भी 29 मई को भोपाल आना होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश में जिला शिक्षा अधिकारियों के पदों की पूर्ति को लेकर सभी डीईओ को निर्देश जारी किए गए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि डीईओ के पद रिक्त होने से प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके लिए संचालनालय स्तर पर एक परीक्षण समिति (एग्जामिन कमेटी) बनाई गई है। यह कमेटी डीईओ बनने के लिए इच्छुक प्राचार्यों और विभाग के अन्य पात्र अधिकारियों का चयन करेगी। सभी डीईओ को निर्देश देकर कहा गया है कि विभाग में काम करने वाले लोक सेवकों से एक फार्मेट में सहमति और असहमति ली जाए और संचालनालय को जानकारी भेजी जाए कि डीईओ बनने के लिए जिले के संबंधित अधिकारी सहमत हैं या नहीं हैं। जिनके द्वारा सहमति दी जाएगी उन्हें 29 मई को सुबह 11 बजे लोक शिक्षण संचालनालय में एग्जामिन कमेटी के सामने हाजिर होना है। इसके बाद उनके बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जिनके नाम भेजे जाएंगे उनकी वर्तमान पदस्थापना, सीनियरिटी के बारे में भी विभाग को अवगत कराने के लिए कहा गया है।

विभागीय जांच की भी जानकारी मांगी

सभी डीईओ से कहा गया है कि जिनके नाम सहमति के तौर पर भेजे जाएंगे उनके विरुद्ध किसी तरह की विभागीय जांच शुरू नहीं होनी चाहिए। साथ ही किसी तरह के आपराधिक प्रकरण, लोकायुक्त केस, ईओडब्ल्यू संबंधी जांच या केस दर्ज होने की स्थिति में इसकी भी जानकारी अलग से देने के लिए कहा गया है।

प्रदेश के 16 जिलों के किसान बड़े आंदोलन की तैयारी

किसान अब आर-पार की लड़ाई लडऩे को तैयार

भोपाल। इस साल मानसून की शुरुआत जल्दी होने से किसानों की परेशानी दोगुनी हो चुकी है। मौसम विभाग ने आगामी 8-10 जून के अंदर मानसून की दस्तक देने की बात कही है। ऐसे में खेतों में अधपकी अवस्था में खड़ी मूंग की फसल को लेकर किसान चिंतित नजर आ रहे हैं। मूंग की फलियां 50 फीसदी पक चुकी हैं और शेष फलियों को पकने में अभी 10 से 15 दिन का समय चाहिए। ऐसे में किसान चिंतित हैं कि कहीं उनकी दो महीने की मेहनत बारिश में व्यर्थ न चली जाए। दूसरी ओर जिन किसानों ने मूंग की कटाई कर ली है, उन्हें मूंग को सुरक्षित रखने की चिंता सता रही है। एमएसपी पर खरीदी की तिथि घोषित नहीं हुई है, तो परेशान किसानों के सामने आंदोलन के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचता। ऐसे में किसानों का एक बड़ा आंदोलन प्रदेश के 16 जिलों में शुरू होने के संकेत मिलने लगे हैं।

किसान स्वराज संगठन के प्रदेश सचिव गजेन्द्र जाट ने बताया कि अब तक सरकार द्वारा मूंग खरीदी को लेकर कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। कृषि मंत्री भी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। यदि सरकार मूंग खरीदी की तारीख तय नहीं करती है, तो निश्चित ही प्रदेश के 16 जिलों में किसान सडक़ों पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी 28 मई को नर्मदापुरम में किसान कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया, जिसमें भैरूंदा क्षेत्र सहित कई जगहों के किसान पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं किसान स्वराज संगठन भी 30 मई को भैरूंदा में किसानों की बैठक लेकर ट्रैक्टर रैली निकालने पर चर्चा करेगा। किसानों को उनका हक मिले, इसके लिए, किसान अब आर-पार की लड़ाई लडऩे को तैयार हैं।

6 जून को मंदसौर से होगी आंदोलन की तैयारी

जाट ने बताया कि आगामी 6 जून को मंदसौर गोलीकांड की बरसी है। इस दिन राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ की प्रदेश अध्यक्ष गीता मीणा सहित अन्य कई किसान संगठनों के पदाधिकारी यहां एकत्रित होंगे। यहीं से प्रदेशभर में बड़े आंदोलन की तैयारी की जाएगी। जाट के मुताबिक यदि मूंग की खरीदी सरकार नहीं करती है, तो हजारों की संख्या में किसान सडक़ों पर ट्रैक्टर रैली निकालकर सडक़ों को जाम कर देंगे।

43 हजार हेक्टेयर रकबे में मूंग की बुवाई

बता दें कि क्षेत्र में इस वर्ष 43 हजार हेक्टेयर रकबे में मूंग की बुवाई हुई है। इस वर्ष मौसम की अनुकूलता के चलते मूंग फसल का उत्पादन भी बेहतर निकल रहा है। जागरूक किसानों द्वारा कई नई वैरायटी लगाई गई हैं, जिनका उत्पादन 8 से 10 क्विंटल प्रति एकड़ तक होने की संभावना है। बीते वर्ष 26,022 किसानों से 71,734 मैट्रिक टन मूंग की खरीदी की गई थी, जो कि वर्ष 2022 की तुलना में 2,726 मैट्रिक टन अधिक थी। प्रति किसान से मूंग खरीदी का लक्ष्य 12 क्विंटल रखा गया था, बावजूद इसके रिकॉर्ड खरीदी हुई थी। मूंग खरीदी की एवज में किसानों को 613 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। लेकिन इस वर्ष अब तक मूंग खरीदी को लेकर कोई भी स्पष्ट आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

पैराक्वाट एवं ग्लाइफोसेट पेस्टीसाइड का छिड़काव

प्री-मानसून से घबराए किसान 70 फीसदी पकी मूंग फसल में पैराक्वाट एवं ग्लाइफोसेट पेस्टीसाइड का छिड़काव करने को विवश हैं, ताकि मूंग के पत्ते सूख जाएं और वे मानसून से पूर्व अपनी फसल की हार्वेस्टिंग कर सुरक्षित रख सकें। क्षेत्र में मूंग कटाई का दौर शुरू हो चुका है, और कई खेतों में मूंग की फसल कटी पड़ी हुई है। यदि प्री-मानसून की बारिश होती है, तो फसल में नुकसान की संभावना है।

कर्मचारियों के प्रमोशन का नया फार्मूला फाइनल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते 8 अप्रैल को पदोन्नति पर लगी रोक को हटाने का ऐलान किया था। तब से मध्य प्रदेश में अधिकारी और कर्मचारी प्रमोशन की बाट जोह रहे हैं। इधर अधिकारियों ने पदोन्नति को लेकर 3 फार्मूला भी तैयार कर लिया है। जिनका मुख्यमंत्री के सामने प्रजेंटेशन भी हो चुका है। अब इसमें कुछ जरूरी संशोधन करने को कहा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों की मानें तो सीएम मोहन यादव की हरी झंडी मिलते ही प्रदेश में पदोन्नति नीति जारी कर दी जाएगी।

हालांकि भले ही सरकार ने अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले का फार्मूला तैयार कर लिया है, लेकिन इनमें कुछ विसंगतियों के कारण कर्मचारी कोर्ट भी जा सकते हैं। ऐसे में सरकार चाहती है कि भविष्य में कोई कानूनी पेंच न फंसे इसीलिए इस फार्मूले को लेकर विधि विशेषज्ञों से राय ली जा रही है। इसके साथ ही कर्मचारी संगठनों से भी बात की जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि संभवतः जून महीने से पदोन्नति पर लगी रोक सरकार हटा सकती है। जिसके बाद सितंबर महीने से पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

कर्मचारियों को मिलेगा डबल प्रमोशन

जिन कर्मचारियों और अधिकारियों को पदोन्नति मिले 8 साल से अधिक का समय बीत चुका है, या फिर जिन्होंने साल 2014-15 के बाद ज्वाइन किया और उनकी समयावधि 8 साल पूरी हो चुकी है। ऐसे कर्मचारियों-अधिकारियों को सरकार डबल प्रमोशन का लाभ देगी। हालांकि मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा है कि कर्मचारियों को डबल प्रमोशन का लाभ तो मिलेगा, लेकिन एक साथ नहीं। सरकार की मंशा है कि इस वर्ष एक प्रमोशन देने के बाद दूसरा प्रमोशन उनको अगले वर्ष दिया जाए। जिससे कर्मचारियों की कमी न हो।

पदोन्नति का फार्मूला-1

सामान्य प्रशासन विभाग के तत्कालीन प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी ने पदोन्नति का सबसे पहले फार्मूला तैयार किया था। यह साल 2002 के पदोन्नति नियमों पर आधारित था। इस फार्मूले के आधार पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। वहीं मेरिट में आने पर आरक्षित समूह के कर्मचारी सामान्य पदों पर भी प्रमोशन पा सकेंगे।

पदोन्नति का फार्मूला-2

सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने वर्टिकल रिजर्वेशन के आधार पर प्रमोशन देने के लिए फार्मूला तैयार किया है। इसके तहत कर्मचारी की पहली पोस्टिंग जिस वर्ग समूह में हुई है, वह उसी श्रेणी में पदोन्नति का हकदार होगा। अन्य वर्ग के कर्मचारी उन पदों पर दावा नहीं कर सकेंगे, भले पद खाली ही क्यों न रहे।

पदोन्नति का फार्मूला-3

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वर्टिकल रिजर्वेशन पर आधारित प्रमोशन के फार्मूले में संशोधन किए गए हैं। इसके अनुसार पहले अनुसूचित जनजाति वर्ग के पद भरे जाएंगे, फिर अनुसूचित जाति वर्ग के, और अंत में अनारक्षित वर्ग के पदों पर पदोन्नति होगी। यदि इन वर्गों के लिए आरक्षित पदों पर पात्र व्यक्ति नहीं मिलता है, तो वे पद रिक्त रहेंगे। प्रमोशन के लिए, रिक्त पदों की संख्या के दोगुना के साथ 4 अतिरिक्त अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा। जिन कर्मचारियों को पूर्व में प्रमोशन मिल गया है, उनमें से किसी को भी रिवर्ट नहीं किया जाएगा। क्लास वन ऑफिसर के लिए मेरिट कम सीनियरिटी के आधार पर और इससे नीचे के पदों के लिए सीनियरिटी कम मेरिट के आधार पर सूची बनाई जाएगी।

हाईकोर्ट भी सुना चुका है फैसला

सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. केएस तोमर ने बताया कि पदोन्नति में आरक्षण नियम 2002 लागू होने के बाद से अब तक प्रदेश के 60 हजार से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रमोशन का लाभ मिल चुका है। लेकिन जब इसे हाईकोर्ट 2016 में रद्द कर चुका है, तो ऐसे में इसकी वैधता कितनी है। तोमर ने बताया कि अभी मध्य प्रदेश में प्रमोशन का कोई नियम नहीं है, लेकिन जैसे ही सरकार नए नियम बनाएगी, जो कर्मचारी गलत तरीके से प्रमोशन का लाभ ले रहे हैं, उनका डिमोशन करना पड़ेगा। हाईकोर्ट ने भी 31 मार्च 2024 के आदेश में कहा है कि 2002 के नियम के आधार पर जिन एससी-एसटी कर्मचारियों को प्रमोशन में आरक्षण का लाभ मिला है। उन सभी का डिमोशन किया जाएगा। हालांकि सरकार ऐसा करने से बचना चाहती है, इसलिए नए नियमों को ऐसा बना रही है। जिससे सबको समान रुप से पदोन्नति का लाभ मिल सके।

फाइनल में जगह बनाने उतरेंगी आरसीबी और पंजाब किंग्स

मुलांपुर। आईपीएल के पहले क्वालिफायर में गुरुवार को पंजाब किंग्स का मुकाबला अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। ये दोनो ही टीमें अंक तालिका में शीर्ष दो में रहीं हैं। ऐसे में इनके पास इस मैच के बाद भी खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिए अवसर है। इसको देखते हुए दोनो ही टीमें निडर होकर मुकाबले में उतरेंगी। दोनो ही टीमों के 19-19 अंक हैं पर रन रेट बेहतर होने के कारण पंजाब पहले जबकि आरसीबी दूसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमों ने इस सत्र की शुरुआत से ही काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार हैं।

पंजाब किंग्स की टीम करीब एक दशके बाद प्लेऑफ में पहुंची है। इससे पहले वह साल 2014 में प्लेऑफ में पहुंची थी। ऐसे में उसका लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना रहेगा। उसके कप्तान श्रेय अय्यर और कोच रिकी पोंटिग काफी अनुभवी हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। वहीं दूसरी ओर आरसीब की टीम क'बार नॉकआउट चरण हारी है, इसलिए उसका लक्ष्य इस बार खिताब के सूखे को समाप्त करना रहेगा। उसके पास विराट कोहली जैसा

अनुभीव खिलाड़ी है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अंतिम लीग मैच में उसने लखनऊ सुपरजायंस के खिलाफ मैच में 228 रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी है।

वहीं श्रेयस अपना लगातार दूसरा खिताब जीतना चाहेंगे। पिछले सत्र में उन्होंने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को फाइनल में जीत दिलायी थी। इस बार नये कोच रिकी पोंटिग के साथ मिलकर श्रेयस ने पंजाब टीम को बदलकर रख दिया है। टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है। कोच और कप्तान खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेने में सफल रहे। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने अय्यर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के लिए रन बनाना आसान कर दिया है। वहीं फिनिशर शशांक सिंह भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रहे हैं। मार्कस स्टोइनिस ने भी बल्लेबाजी में अच्छा योगदान दिया है। पंजाब की कमजोरी केवल गेंदबाजी विभाग है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन की स्वदेश वापसी के बाद टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। यानसन ने पावरप्ले और डेथ ओवरों में अच्छे ओवर फेंके हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी खलेगी। काइल जैमीसन भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं हालांकि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई को यानसन की जगह शामिल किया जा सकता है। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल उंगली की चोट के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे। वह इस अहम मैच से वापसी कर सकते हैं। अपनी फ्रेंचाइजी के लिए लंबे समय से बेहतरीन तेज गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने खेल के सभी चरणों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर आरसीबी की टीम को तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से राहत मिली है। हेजलवुड का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है। हेजलवुड के अलावा टिम डेविड भी टीम में हैं जिसका भी लाभ आरसीबी को मिलेगा। आरसीबी के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने अंतिम लीग मैच में जबरदस्त पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। रजत पाटीदार के चोटिल होने के कारण जितेश टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

टीम के पास फिल साल्ट जैसा आक्रामक बल्लेबाज है जिसपर अंकुश लगाना पंजाब के लिए आसान नहीं होगा। यहां इस बार खेले गए चार मैचों की पहली पारी में केवल एक बार 200 रन बने हैं पर पंजाब किंग्स की टीम को यहां घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं आरसीब ने इस बार दूसरे मैदानों मे सबसे अधिक मैच जीत हैं जिससे उसका भी आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत से फाइनल में जगह बनाना रहेगा हालांकि इस मैच में हारने वाली टीम को एक ओर अवसर मिलेगा। वह दूसरे क्वालिफायर की विजेता से खेलेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, हरप्रीत बराड़, काइल जैमीसन, विजयकुमार विशक, अर्शदीप सिंह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर), फिलिप साल्ट, विराट कोहली, मयंक अग्रवाल, लियाम लिविंगस्टोन, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, नुवान तुषारा, सुयश शर्मा।

अब हमारी टीम का लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी उठाना -शशांक

जयपुर। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा है कि उनकी टीम को लक्ष्य इस बार आईपीएल खिताब जीतना है। शशांक ने कहा है कि अंक तालिका में शीर्ष दो पर आना अच्छी बात है पर अभी उनका काम पूरा नहीं हुआ है। पंजाब किंग्स ने अंतिम लीग मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में जगह बनायी है। अब उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलेंगे। यह पिछले 11 साल में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स की टीम प्लेऑफ में पहुंची है।

शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अच्छा अहसास है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें सभी ने एकजुट होकर प्रयाय किये। साथ ही कहा कि नीलामी के ठीक बाद से ही सभी ने आपस में खिताब जीतने को लेकर बात की थी। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत से ही टीम यहां तक पहुंची है। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को कहना अलग चीज है और उस पर अमल करना अलग। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका टीम से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी बड़ी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है।

शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने के बाद अब हम ट्रॉफी उठाना चाहते हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बनाये रखा गया था हालांकि टीम में कई बदलाव करते हुए रिकी पोंटिग को मुख्य कोच और श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया था। उन्होंने कहा, 'पहले दिन से ही कोच और कप्तान का मुख्य आदर्श वाक्य रहा है कि हमें एक नई संस्कृति को विकसित करना है और उसे बनाए रखना है। हमें एक दूसरे पर पूरा भरोसा रखना है और फिर परिणाम खुद ही हमारे अनुसार आएंगे।

ऋषभ ने कप्तान के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया - जहीर

लखनऊ। आईपीएल के इस पूरे सत्र में असफल रहे ऋषभ पंत ने अंतिम लीग मैच में सुपरजायंट्स के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर लय हासिल कर ली। इस मैच में ऋषभ ने 61 गेंदों पर ही 118 रन बना दिये। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए टीम मैंटॉर जहीर खान ने कहा है कि ऋषभ की क्षमताओं पर उन्हें कभी भी संदेह नहीं था। इस सत्र में ऋषभ 13 पारियों में केवल 269 रन ही बना पाये जबकि उन्हें आईपीएल इतिहास की सबसे अधिक कीमत 27 करोड़ रुपए मिली थी। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से हालांकि उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा पर इसे निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव कहा जा सकता है। इससे उन्हें अपने कमजोर पक्ष पता चले। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था।

साथ ही कहा कि उन्हें आक्रामक बल्लेबाजी के साथ सत्र का समापन करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र समाप्त किया। उनकी क्षमता इस प्रकार की है कि वह खेल को प्रभावित करते हैं।

लखनऊ के लिए हालांकि ये सत्र अच्छा नहीं रहा और उसे छह जीत और आठ हार के साथ सातवां स्थान ही मिल पाया। टीम इस सत्र में अपने प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण परेशान रही, उसके तेज गेंदबाज मयंक यादव अधिकतर मैचों से बाहर रहे। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल पर सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये पर वे सफल नहीं हुए। हमारे शुरुआती बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया पर गेंदबाज स्कोर का बचाव नहीं कर पाये जिसके कारण टीम करीबी मुकाबलों में हार गयी।

आरसीबी शीर्ष दो में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी, पंजाब पहले स्थान पर

लखनऊ । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अंतिम लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 6 विकेट से हराकर अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनायी है। इस मैच में कप्तान ऋषभ पंत के शानदार शतक से सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 228 रन बनाये। इसके बाद ये लक्ष्य आरसीबी ने जितेश शर्मा की 85 रनों की आक्रामक पारी से एक ओवर पहले ही हासिल कर लिया।

इस मैच के साथ ही लीग चरण के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। अब अंकतालिका में 19 अंक लेकर पंजाब किंग्स शीर्ष पर है जबकि आरसीबी भी 19 अंकों पर पहुंची है लेकिन रन रेट में पीछे होने से वह दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं, गुजरात 18 अंकों के साथ तीसरे और मुंबई 16 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। पहले दो स्थानों पर रही पंजाब और आरसीबी के जीतने की अधिक संभावना है क्योंकि इन्हें फाइनल खेलने के लिए दो अवसर मिलेंगे।

29 मई को आईपीएल का पहला क्वालिफायर खेला जाएगा। इस दिन शीर्ष की दो टीमें यानी पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच चंडीगढ़ में मुकाबला होगा। इसमें विजेता टीम फाइनल में पहुंचेगी पर हारने वाली टीम को एक और अवसर मिलेगा। वहीं 30 तारीख को तीसरे और चौथे स्थान की टीम में मुकाबला होगा। इसमें हारने वाली टीम का अभियान समाप्त हो जाएगा। वहीं विजयी टीम 1 जून को अहमदाबाद में क्वालिफायर-1 की पराजित टीम से एक और मैच खेलेगी जबकि क्वालिफायर-2 की विजेता टीम को 3 जून को एक की विजेता टीम से फाइनल खेलना होगा।

धवन ने बताया जब वह हुए थे हताश

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने कहा है कि उनके अंतराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का सबसे कठिन पल 2016 में कोलकाता के ईडन गार्डस में तब आया था जब न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। धवन ने बताया कि उस समय विराट कप्तान थे और टीम से बाहर होने के कारण मैं बेहद निराश था। अगस्त 2024 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले धवन ने सभी प्रारूपों में 288 पारियों में 10,867 रन बनाए। 2013 की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत में उनकी अहम भूमिका रही थी। धवन ने 2016 के उस टेस्ट मैच को याद करते हुए कहा कि तब चोटिल होने के कारण भी उनका प्रदर्शन खराब हुआ था। कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में, धवन पहली पारी में जल्दी आउट हो गए थे। वहीं दूसरी पारी में ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया। इसके बावजूद, उन्होंने खेलना जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि उन्हें डर था कि बाहर बैठने पर उनकी टीम में

जगह चली जाएगी। वह हालांकि टूटे हाथ के साथ खेलते हुए वे केवल 15-20 रन बना सके और इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया।

धवन ने माना कि उस समय अपनी जगह बनाए रखने की भूल ने उनके खेल को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि में उस स्थान के लिए, बहुत हताश था। यह एक मूल्यवान स्थान है। मैंने हताश होकर मेहनत की थी, इसलिए परिणाम नहीं मिले। आत्मनिरीक्षण के बाद, धवन को एहसास हुआ कि हताशा के साथ सफलता का पीछा करना संभव नहीं है। उन्होंने जीवन में खुशी को सबसे अहम बताया और कहा कि मैंने अपने सपने को जीया, विश्व रिकॉर्ड बनाए, और मुझे पता था कि यह दौड़ कभी नहीं रुकेगी। ईडन गार्डन्स टेस्ट से पहले, धवन ने बिना शतक के 8 टेस्ट खेले थे, जिसमें केवल एक अर्धशतक शामिल था। इस खराब फॉर्म और चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गये। धवन ने कहा कि इससे उन्हें सीख मिली की मेहनत के साथ सफलता के लिए सही मानसिकता भी जरूरी है।

ऋषभ और मिशेल ने बनायी जायंट्स की ओर से दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत और मिशेल मार्श इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए अंतिम लीग मुकाबले में दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी 152 रन की हुई। यह लखनऊ के लिए किसी भी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इससे पहले राहुल और क्विंटन डी कॉक ने साल 2022 में नवी मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पहले विकेट के लिए 210 रनों की नाबाद साझेदारी बनायी थी। यह आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारियों में से एक है।

वहीं इस बार मार्श और ऋषभ ने आरसीबी के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की साझेदारी बनायी। तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी राहुल और डी कॉक के बीच ही हुई थी। इन दोनो ने साल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ लखनऊ में 134 रन बनाये थे। वहीं साल 2025 में मार्श और निकोलस पूरन ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ अहमदाबाद में तीसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी बनायी थी।

आरसीबी के खिलाफ सबसे बड़ी साझेदारी की बात करें तो साल 2011 में एडम गिलक्रिस्ट और शॉन मार्श ने 206 रन की बनायी थी। वहीं ऋषभ और मार्श 152 रन की साझेदारी के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं वहीं जोस बटलर और संजू सैमसन साल 2024 में 148 रन की साझेदारी के साथ ही तीसरे नंबर पर है!

आरसीबी और सुपर जायंट्स मैच में बने कई रिकार्ड

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए अंतिम लीग मुकाबले में एकसाथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी की कप्तानी करते हुए जितेश ने मैच विजेता पारी खेली। इस जीत के साथ ही आरसीबी के नाम एक अनोखा रिकार्ड भी दर्ज हुआ है। वह ये कि आरसीबी ने दूसरे मैच स्थलों पर खेले गये अपने सभी 7 मैच जीते हैं। ये उपलब्धि किसी भी टीम ने पहली बार हासिल की है। इस मैच में आरसीबी ने 228 का लक्ष्य हासिल किया और ऐसा करने वाला वह तीसरी टीम है। ये तीसरी बार है जब आरसीबी शीर्ष-2 में रही है। इससे पहले साल 2011 और 2016 में भी वह शीर्ष दो में रही थी हालांकि वह एक बार भी खिताब जीत नहीं सकी। इस मैच में दोनो ही टीमों के विकेटकीपरों ने कमाल दिया। दोनो ही विकेटकीपरों ने मिलकर 200 से अधिक रन बनाये। सुपर

जायंट्स के ऋषभ पंत ने शतक लगाया जबकि आरसीबी के जितेश शर्मा ने मिलकर 200 से ज्यादा रन बनाए। आईपीएल में दूसरा बार हुआ है जब दोनो ही टीमों के विकेटकीपरों ने धमाके दार बल्लेबाजी की है। इस मैच में छठे नंबर पर खेलते हुए जितेश केवल 33 गेंदों में नाबाद 85 रन बनाए। ये लक्ष्य का पीछा करते हुए छठे नंबर पर किसी बल्लेबाज की सबसे बड़ी पारी है। आरसीबी की 5वीं विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी जितेश और मयंक अग्रवाल के बीच 107 रनों की हुई। ये लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की ओर से 5वें विकेट या उससे नीचे खेली सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले 2016 में ए बी डिविलियर्स और इकबाल अब्दुल्ला ने 91 रन बनाये थे। इस सत्र में मध्य क्रम ने आरसीबी के लिए नंबर 5 या उससे नीचे 5 बार 50 से अधिक रन बनाये।

आईपीएल फाइनल आरसीबी और पंजाब में होगा - उथप्पा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने आईपीएल प्लेऑफ से पहले कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम फाइनल में जगह बनाये। उथप्पा के अनुसार फाइनल मुकाबला आरसीबी और पंजाब में होगा। उन्होंने कहा कि आरसीबी के लिए ये मैच जीता आसान नहीं होगा क्योंकि उसकी मैच को फिनिश करने की क्षमत कमजोर है। उथप्पा ने कहा, मैंने शुरू से ही कहा है, मेरा मानना ?7है कि खिताबी मुकाबला पंजाब और आरसीबी के बीच होने वाला है। उनके पास गति है और उन्होंने अच्छी गेंदबाजी शुरू कर दी है पर उन्हें प्रभावी तरीके से मैच समाप्त करने की जरूरत है और विराट कोहली को लक्ष्य का पीछा करने की अपनपी भूमिका निभानी होगी। उन्हें 20 ओवर तक बल्लेबाजी करनी होगी तभी विरोधी टीम पर दबाव बनाया जा सकता है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी से भी आरसीबी को लाभ होगा पर उनके अन्य गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। मुझे खुशी है कि हेजलवुड वापस आ गए हैं, जिससे अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी सहायता मिलेगी। अब तक यश दयाल ने डेथ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम के पास क्रुणाल पांड्या जैस अच्छा स्पिनर भी है। कुल मिलकार टीम संतुलित है। आरसीबी ने इस बार लीग की शुरुआत से ही जीत का सिलसिला बनाये रखा है।

प्लेऑफ में होने वाले मुकाबले

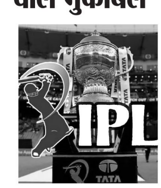

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के 18 वें सत्र में मुंबई, आरसीबी, गुजरात और पंजाब ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है। इसमें अंकतालिका में 19 अंकों के साथ पंजाब किंग्स की टीम बेहतर रन रेट के कारण पहले स्थान पर है जबकि आरसीबी 19 अंकों के साथ दूसरे जबकि गुजरात टाइटंस 18 अंकों के साथ तीसरे। वहीं मुंबई 16 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है। अब गुरुवार को आईपीएल का पहला क्वालिफायर पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच चंडीगढ़ में खेला जाएगा। इसमें विजेता टीम जीतेगी वह फाइनल में पहुंचेगी। वहीं हारने वाली टीम को एक और अवसर मिलेगा।

शुक्रवार 30 तारीख को तीसरे और चौथे स्थान की टीमें गुजरात और मुम्बई में मुकाबला होगा। इसमें हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। वहीं विजेता टीम पहले क्वालिफायर में जीत दर्ज करने वाली टीम का सामना करेगी। ये मैच 1 जून को अहमदाबाद खेला जाएगा। क्वालिफायर-2 की विजेता टीम 3 जून को अहमदाबाद मे फाइनल के लिए उतरेगी।

सिंधु सिंगापुर ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

सिंगापुर। भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सिंगापुर ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु के अलावा पुरुष वर्ग से एचएस प्रणय ने भी 21-जीत के साथ ही प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। सिंधु ने महिला एकल वर्ग के मुकाबले में कनाडा की वेन यु झांग को सीधे सेटों में 21-14, 21-9 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। ये मुकाबला आधे घंटे में ही समाप्त हो गया। वहीं प्रणय ने डेनमार्क के रासमस गेम्के को एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-19, 16-21, 14-21 से पराजित किया। अब सिंधु का सामना चीन की यू फेई से होगा। वहीं भारत की

ही मालविका बंसोड़ और अनमोल खरब हार के साथ ह बाहर हो गये। मालविका को थाईलैंड की सुपनिदा कटेथोंग ने 21-14, 18-21, 11-21 से हराया जबकि अनमोल को चीन की चेन युफेई ने 21-11, 24-22 से हराया। मिश्रित युगल मुकाबले में भारतीय जोड़ी तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी भी हार के साथ ही बाहर हो गयी।

वैभव को अपने पैर जमीन पर रखने होंगे - वॉ

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा है कि 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भविष्य के सितारे हैं पर उन्हें अपने पैर जमीन में रखते हुए आत्ममुग्धता से बचना होगा। वॉ ने कहा कि वैभव के शॉट खेलने की टाइमिंग जबरदस्त है पर उन्हें अपने पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। वॉ ने कहा कि कि वह लगातार आईपीएल नहीं देखते हैं पर उन्होंने वैभव के मैच देखे हैं जिसके आधार पर वह एक शानदार खिलाड़ नजर आता है।

राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। टूर्नामेंट में किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज शतक है। वॉ ने कहा, '14 साल की उम्र में उस पर कोई दबाव नहीं है। वह पूरी आजादी के साथ खेल रहा है जिसे देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि उसके सामने चुनौती केवल नियंत्रण बनाए रखने की होगी।

वॉ के अनुसार एक करोड़ से अधिक का आईपीएल करार हासिल करने वाला ये खिलाड़ी 16 वर्ष की उम्र के पहले ही करोड़पति बन जाएगा। ऐसे में उस पर अपेक्षाओं का काफी दबाव होगा। उन्होंने कहा, 'क्या वह इसी उत्साह से खेल सकेगा,

इसी आजादी से बल्लेबाजी करेगा ? यह सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'उसके पास कौशल है और वह मानसिक रूप से मजबूत है। आप चाहते हैं कि उसके जैसा बल्लेबाज सफल हो। क्रिकेट के लिए यह शानदार कहानी है। मैं आईपीएल ज्यादा नहीं देखता पर इस तरह का कोई खिलाड़ी आता है तो देखने का मन करता है।

उन्होंने कहा कि भारत में हर नए सितारे की तुलना सचिन तेंदुलकर से की जाती है लेकिन इसकी किसी की भी तुलना उनसे नहीं होनी चाहिये क्योंकि तेंदुलकर जैसी प्रतिभा बार बार नहीं आती। साथ ही कहा कि पर्थ में 1991-92 में 18 वर्ष के तेंदुलकर की 114 रन की पारी आज भी याद की जाती है। वॉ ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि सचिन तेंदुलकर से किसी की भी तुलना हो सकती है।

अब सरकार देगी घरों को खास पहचान, डिजिटल एड्रेस करेगी लागू

-सरकारी सेवाएं मिलने में होगी आसानी, पते के गलत इस्तेमाल पर लगेगी रोक

नई दिल्ली। आधार और डिजिटल भुगतान के बाद अब केंद्र सरकार डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) में डिजिटल एड्रेस लाने की तैयारी कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि एड्रेस यानी पता को भी डिजिटल किया जाए। इसके लिए एक स्ट्रक्चर बनाया जाएगा। इससे लोगों को सरकारी सेवाएं आसानी से मिल सकेंगी और पते का गलत इस्तेमाल रोका जा सकेगा।

सरकार एड्रेस सिस्टम को सुधारने के लिए नियम बनाएगी और लोगों की सहमति से ही एड्रेस शेयर किया जाएगा। यह सब कुछ इस साल के आखिर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके लिए संसद में एक कानून भी लाया जा सकता है। सरकार एड्रेस इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट को कोर पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के तौर पर मान्यता देगी। अभी भारत में यह क्षेत्र बिना किसी नियम के चल रहा है, जबकि डिजिटलीकरण बढ़ रहा है। सरकार का मकसद है कि एक ऐसा सिस्टम बनाया जाए जिससे लोगों की सहमति से ही उनका एड्रेस शेयर हो। इससे सरकारी और प्राइवेट सेक्टर की डिजिटल कंपनियां लोगों को सही जगह पर और जल्द सेवाएं दे पाएंगी।

डिपार्टमेंट ऑफ़ पोस्ट्स इस काम को आगे बढ़ा रहा है और पीएमओ इस पर नजर रख रहा है। डिजिटल एड्रेस का एक ड्राफ्ट तैयार किया गया है, जिसमें एड्रेसिंग स्टैंडर्ड भी शामिल हैं। इसे जल्द ही लोगों के सामने रखा जाएगा ताकि वे इस पर अपनी राय दे सकें। सरकार चाहती है कि साल के आखिर तक इस ढांचे को अंतिम रूप दे दिया जाए। सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में एक कानून भी ला सकती है, इससे एक डिजिटल एड्रेस-डीपीआई अथॉरिटी या मैकेनिज्म बनाया जा सकेगा। यह अथॉरिटी नए एड्रेस सिस्टम को लागू करेगी और इस पर नजर रखेगी।

इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हर डिजिटल कंपनी, चाहे वह ई-कॉमर्स हो या डिलीवरी सर्विस, यूजर्स का एड्रेस इन्फॉर्मेशन मांगती है और उसे सेव करती है। कई बार तो यह जानकारी दूसरी कंपनियों को भी दे दी है या उससे पैसे कमाए जाते हैं और यूजर को पता भी नहीं चलता। इसलिए सरकार चाहती है कि एड्रेस के इस्तेमाल के लिए नियम बनाए जाएं और यूजर की सहमति के बाद ही उसका एड्रेस इस्तेमाल किया जाए। सरकार एक ऐसा नियम बनाएगी जिसमें लोगों को सबसे पहले रखा जाएगा। इसमें यह भी बताया जाएगा कि सरकारी कंपनियों के साथ डेटा कैसे शेयर किया जाए।

भारत में खराब एड्रेस सिस्टम भी एक चिंता का विषय है। कई बार एड्रेस अधूरा होता है या गलत तरीके से लिखा होता है। इसमें लैंडमार्क का इस्तेमाल किया जाता है, जो डिजिटल सिस्टम के लिए ठीक नहीं है। इससे सेवाएं देने में दिक्कत होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक गलत या अधूरे एड्रेस की वजह से देश को हर साल करीब 10-14 बिलियन का नुकसान होता है, जो जीडीपी का करीब 0.5 फीसदी है। इस समस्या को देखते हुए सरकार ने दिसंबर 2023 में नेशनल जिओस्पेशियल पॉलिसी के तहत एड्रेस पर एक वर्किंग ग्रुप बनाया था। इस ग्रुप का काम एड्रेसिंग स्टैंडर्ड बनाना था।

2024 में सेक्रेटरीज के एक ग्रुप ने डिजिटल पोस्टल इंडेक्स नंबर (डिजीपिन) प्रोजेक्ट को पब्लिक सर्विस डिलीवरी को बदलने के लिए अहम कदम बताया। आम तौर पर एक पोस्टल एड्रेस में इलाका, सड़क और मकान नंबर होता है। लेकिन डिजीपिन एक जिओस्पेशियल रेफरेंस है। यह 10 कैरेक्टर का एक कोड है जो किसी जगह की सही लोकेशन बताता है। यह कोड पूरे भारत के ग्रिड के आधार पर बनाया गया है। डिजीपिन से एड्रेस को मैनेज करना आसान होगा। यह उन जगहों के लिए बहुत उपयोगी है जहां एड्रेस ठीक से नहीं लिखे होते हैं या बदलते रहते हैं, जैसे कि गांव, जंगल आदि। यह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मददगार होगा। सरकार का मानना है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा।

भारत में बने कावेरी इंजन की रूस में फ्लाइंग टेस्टिंग

-लंबी दूरी के स्टेल्थ ड्रोन में इस्तेमाल होगा; छोटे फाइटर प्लेन में भी लगाने का प्लान

नई दिल्ली । भारत में बने कावेरी जेट इंजन की फ्लाइंग टेस्टिंग डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन रूस में कर रहा है। ये रियल सिचुएशन में इंजन की कैपेसिटी आंकने के लिए अहम है। अधिकारियों ने बताया इंजन पर करीब 25 घंटे का परीक्षण होना बाकी है। स्लॉट मिलने पर टेस्टिंग की जाएगी। इसकी कैपेसिटी शोकेस के लिए इसे एक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट में लगाने का प्लान है। शुरुआत में कावेरी इंजन को तेजस जैसे स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट में लगाने का प्लान था, लेकिन प्रोग्राम में देरी के चलते तेजस में अमेरिकी इंजन जीई-404 लगाया गया। इस इंजन को अब भारत में बने लंबी दूरी के घातक अनमैंड एयर व्हीकल यानी स्टेल्थ ड्रोन की पावर बढ़ाने के लिए फिर से तैयार किया जा रहा है।

पावरफुल इंजन बनाने की तैयारी

कावेरी 80 किलो न्यूटन थ्रस्ट (पावर) वाला एक लो बाईपास, ट्विन स्पूल टर्बोफैन इंजन है। बेहतर मैनुअल कंट्रोल के लिए इसमें ट्विन-लेन फुल अथॉरिटी डिजिटल इंजन कंट्रोल सिस्टम लगाया गया है। हाई स्पीड और हाई टेम्प्रेचर के दौरान इंजन का पावर लॉस कम करने के लिए इसे फ्लैट-रेटेड डिजाइन किया गया है। इस तकनीक में इंजन की थ्रस्ट लिमिट उसके मैक्सिमम पॉइंट से कम पर फिक्स कर दी जाती है। डीआरडीओ 5वीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के मार्क 2 वर्जन समेत भविष्य के विमानों के लिए ज्यादा पावरफुल इंजन बनाने के लिए विदेशी फर्म के साथ काम कर रहा है।

4 देशों के पास फाइटर जेट इंजन बनाने की तकनीक

दुनिया में पहली बार साल 1930 में जेट इंजन का पेटेंट कराया गया था। 95 साल बाद भी दुनिया के सिर्फ चार देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस ही लड़ाकू विमान के इंजन बना पाते हैं। चीन ने कुछ जेट इंजन जरूर बनाए हैं, लेकिन वो भी नकल यानी रिवर्स इंजीनियरिंग करके।

बिहार में सीट बंटवारे पर महागठबंधन में विवाद....एनडीए में आपसी सहमति बनती दिख रही

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा है वैसे-वैसे एनडीए और महागठबंधन के अंदर सीट बंटवारे पर चर्चा तेज हो गयी है। हालांकि महागठबंधन के अंदर सीटों को लेकर सहमति बनने में मतभेद की खबर सामने आ रही है। लेकिन, एनडीए में सीट शेयरिंग पर सहमति बनने के दावे किए जा रहे है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, एनडीए ने बिहार की 243 विधानसभा सीटों के लिए एक संतुलित समीकरण तैयार किया है, जिसमें सभी सहयोगी दलों को उनकी ताकत और प्रभाव के आधार पर हिस्सेदारी मिलेगी। बिहार एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि सीट बंटवारे में कोई दिक्कत नहीं होगी। एनडीए के सभी घटक दलों में बेहतर तालमेल है और कहीं से भी कोई समस्या नहीं होगी। फिलहाल सीट बंटवारे पर कुछ भी तय नहीं हुआ है, लेकिन समझदारी के स्तर पर बेहतर तालमेल हो गया है, जिससे गठबंधन मजबूत बना हुआ है। एनडीए सूत्रों के अनुसार इस बार जेडीयू 101 से 105 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। वहीं बीजेपी 101 से 105 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है. जबकि बाकी सीटें छोटे सहयोगी दलों लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम), और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के बीच बांटेगी। इस बार, चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) के एनडीए में शामिल होने से समीकरण बदले

आसमानी बिजली की चपेट मे आने से युवक योगेन्द्र की दर्दनाक मौत

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कंडराकला के आश्रित ग्राम कलकत्ता मे 27 मई की शाम आसमानी बिजली की चपेट मे आने से ग्राम कलकत्ता के ही एक युवक योगेन्द्र पिता बाबूलाल बिहोने उम्र 36 वर्ष की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 मई दिन मंगलवार को शाम 5 बजे योगेंद्र अपनी पत्नी के साथ खेत गया हुआ था जहां वह रबी की धान की पैरा जमा कर रहा था। तथा उसकी पत्नि थोड़े दूर ही काम कर रही थी शाम के समय बादलों की गरज चमक हो रही थी उसी दौरान आसमानी बिजली की चपेट मे आने से योगेन्द्र बिहोने गंभीर रूप से घायल होकर खेत मे गिर गया जिस पर उसकी पत्नी ने शोर मचा कर आसपास काम कर रहे लोगों को बुलाया। खेत पड़ोसियों ने दौड़ कर घायल योगेन्द्र को उसके घर ले आए और परिजनों ने तत्काल निजी वाहन से किरनापुर के अस्पताल ले आए किन्तु रास्ते मे ही योगेन्द्र ने दम तोड़ दिया। मृतक के भाई रेवेन्द्र पिता बाबूलाल बिहोने की सूचना पर पुलिस ने 28 मई को मृतक की काया का पोस्टमार्टम करवाकर मर्ग कायमी कर शव अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द कर मामले को जांच मे लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

सैनिकों की तैनाती में कोई कमी नहीं, एलएसी पर रखी जा रही कड़ी नजर

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले और फिर ऑपरेशन सिंदूर के बाद जहां भारतीय सेना सीमा पर मुस्तैदी और सैन्य साजो-सामान के साथ डटी है। वहीं ईस्टर्न लद्दाख में लॉइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर भी सेना पहले से तैनात है। सूत्रों के मुताबिक यहां से सैनिकों की तैनाती में कोई कमी नहीं की गई है। एलएसी पर हर वक्त कड़ी नजर रखी जाती है।

मीडिया रिपोर्ट में सेना सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर निगरानी दो तरीकों से की जा रही है। एलएसी पर नियमित गश्त के जरिए और फॉरवर्ड एरिया की निगरानी एरियल और दूसरे तकनीकी माध्यमों से की जा रही है। हाल ही में कैपेबिलिटी डिवेलपमेंट के लिए अलग-अलग तरह के टोही और मॉनिटरिंग उपकरणों पर जोर दिया जा रहा है और इसमें मानव रहित हवाई प्रणालियां भी शामिल हैं।

रिपोर्ट में सेना सूत्रों ने कहा कि ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी पर 2020 की घटनाओं के बाद भारतीय सेना एक इंटिग्रेटेड इंटेलिजेंस और सर्विलांस ग्रिड बनाए हुए है। निगरानी क्षमता को नई पीढ़ी के उपकरणों की तैनाती कर और मजबूत किया गया है। ऐसे उपकरणों की तैनाती की गई है जो ज्यादा व्यापक और निरंतर निगरानी कर सकें। निगरानी और टोही क्षमता बढ़ाने के लिए अडवांस्ड यूएएस जैसे मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्यूरेंस और मिनी रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट, सर्विलांस कॉप्टर्स, आरपीएवी खरीदे गए हैं। साथ ही निगरानी ग्रिड में नैनो ड्रोन और स्वार्म ड्रोन को भी शामिल किया है।

इसके साथ ही ईस्टर्न लद्दाख में संचार प्रणाली को भी बेहतर बनाया गया है। ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा रही हैं और सैटलाइट बेस्ड कम्युनिकेशन रिसोर्स जोड़े जा रहे हैं। चार साल में नॉर्दन बॉर्डर पर मोबाइल नेटवर्क में भी काफी सुधार हुआ है। साथ ही पूर्वी लद्दाख में रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए बीआरओ और अन्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। अग्रिम इलाकों तक संपर्क स्थापित करने और लेह से आधारभूत संपर्क को मजबूत करने का काम प्रगति पर है। अटल टनल और ज़ेड मोड़ टनल का निर्माण पूरा हो चुका है। ऑल वेदर कनेक्टिविटी के लिए शिंकुन ला और ज़ोजिला टनल का निर्माण चल रहा है। बीआरओ की योजना के तहत करीब 2330 किलोमीटर सड़कों के विकास की योजना बनाई गई है।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों ने सीखी खेल की बारीकिया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विकासखंड कटंगी में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के दौरान खिलाड़ियों ने कराटे खेल में बेसिक पंच ब्लॉक किक फाइट कता जैसी विद्या को सीखा तथा बेसिक स्किल पुशअप नकक्श लॉन्ग जंप सीटप जैसे एक्टिविटी का प्रशिक्षण लिया। ताकि टैलेंट सर्च कार्यक्रम में भाग ले सके। यह प्रशिक्षण शिविर जिला खेल एवं कल्याण विभाग जिला खेल अधिकारी कृष्ण कुमार चौरसिया के मार्गदर्शन में 1 मई 31 मई तक आयोजित है।यह प्रशिक्षण जिले के सभी विकासखंड में आयोजित किया गया है जिसमें विकासखंड कटंगी युवा समन्वयक संतोष पारधी द्वारा शासकीय सीएम राइज स्कूल में कराटे प्रशिक्षिका उर्वशी चौधरी द्वारा कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है वही प्रशिक्षण शिविर में लगभग एक दर्जन खिलाड़ियो ने शामिल होकर जूनियर यलो बेल्ट की परीक्षा में शामिल होकर उक्त स्थान प्राप्त किया। इसी तरह तिरोड़ी दुर्गा चौक ग्राउंड में फुटबॉल प्रशिक्षक जितेंद्र अहिरवार द्वारा फुटबॉल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों को खेल की बारीकिया तथा फुटबॉल खेलने के तौर तरीके सिखाए जा रहे है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पद्म पुरस्कार 2025 के दूसरे चरण के प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म पुरस्कार 2025 के दूसरे चरण के प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित किया। दूसरे चरण का पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य और संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 68 प्रतिष्ठित हस्तियों को मिला। इसमें मशहूर दिवंगत गायिका शारदा सिन्हा, लक्ष्मण सराफ, रिकी ज्ञान सहित कई दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, एस.जयशंकर, प्रल्हाद जोशी, जितेंद्र सिंह, जी. किशन रेड्डी और कई अन्य मंत्री और गणमान्य हस्तियां शामिल रहे हैं।

जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ने 139 पद्म पुरस्कारों देने का एलान किया था, जिसमें 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। इसमें से 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार पहले चरण में दिए गए थे। बाकी के 68 पुरस्कार विजेताओं को 27 मई को प्रदान किए गए।

लोकगीत, भक्ति और छठ गीतों के लिए मशहूर लोकगायिका शारदा सिन्हा को कला-लोकसंगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। समारोह में उनके बेटे अंशुमान सिन्हा ने उनकी ओर से यह पुरस्कार लिया।

बिहार कोकिला के नाम से मशहूर शारदा भोजपुरी, मैथिली और हिंदी भाषाओं में अपने गीतों के लिए जानी जाती थीं। शारदा सिन्हा का निधन 5 नवंबर को दिल्ली के एम्स में हुआ था।

वहीं राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय कॉमेडियन और प्रोड्यूसर अशोक लक्ष्मण सराफ को पद्मश्री से सम्मानित किया। उन्हें मराठी और हिंदी सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए भी जाना जाता है। पिछले 5 दशकों में, उन्होंने अपनी बेजोड़ कॉमिक टाइमिंग, अभिनय और मराठी संस्कृति के साथ गहरे जुड़ाव से दर्शकों का मनोरंजन किया है।

पद्मश्री से सम्मानित होने पर सराफ ने कहा, यह बहुत खुशी की बात है। यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे खुशी है कि मेरे नाम पर इस पुरस्कार के लिए विचार किया गया, इसका मतलब है कि मैंने वास्तव में अपने जीवन में कुछ किया है।

संगीतकार रिकी ज्ञान केज को संगीत में उनके योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया। वे तीन बार ग्रैमी पुरस्कार विजेता और चार बार ग्रैमी नामांकित रहे चुके हैं। कई संयुक्त राष्ट्र निकायों से जुड़े हुए हैं। साथ ही संगीत को सामाजिक और पर्यावरण जागरूकता के लिए एक मंच के रूप में उपयोग करते हैं।

संगीतकार मंच पर नंगे पैर गए और यह सम्मान प्राप्त किया। इस बारे में कहा, मुझे जिम्मेदारी का अहसास हुआ और मुझे लगा कि यह पूरा कार्यक्रम मेरे लिए मंदिर की तरह है और इसीलिए, इस भावना के कारण ही मैंने सोचा कि मुझे वास्तव में पुरस्कार स्वीकार करना चाहिए और नंगे पैर मंच पर जाना चाहिए।

कन्नड़ अभिनेता अनंत नाग, जो अपनी बहुमुखी प्रतिभा और पांच दशकों तक भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाने जाते हैं, को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। अलग-अलग भाषाओं में 300 से अधिक फिल्मों और कर्नाटक में बेस्ट अभिनेता के लिए 5 पुरस्कारों सहित कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। अनंत नाग ने राज्य में मंत्री और एमएलसी के रूप में भी काम किया है।

इसी कड़ी में शोभना चंद्रकुमार को कला के क्षेत्र में पद्म भूषण प्रदान किया गया। शोभना ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री फिल्म की एक आइकन है। शोभना ने छह भारतीय भाषाओं में 230 से अधिक फीचर फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने अपने अभिनय के माध्यम से सिनेमा में भरतनाट्यम की कला में क्रांति ला दी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अनुभवी सत्त्रिया नृत्य कलाकार जतिन गोस्वामी को कला के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया। वहीं कला के क्षेत्र में अश्विनी भिडे देशपांडे को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। अश्विनी प्रसिद्ध जयपुर-अतरौली ख्याल गायन परंपरा की एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका हैं।

तमिलनाडु में 6 सीटों पर होगा चुनाव, अन्नामलाई को राज्यसभा भेजने की मांग तेज

नई दिल्ली। जून से जुलाई माह तक राज्यसभा में 8 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। चुनाव आयोग ने इन 8 सीटों के लिए चुनाव का ऐलान कर दिया है। राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 2 जून को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र 9 जून तक दाखिल किए जाएंगे। राज्यसभा की इन सीटों के लिए मतदान और मतगणना 19 जून को होगी। पूर्वोत्तर से दक्षिण राज्यों तक राज्यसभा की रिक्त हो रही इन सीटों में से दो असम और छह तमिलनाडु की हैं।

तमिलनाडु की रिक्त हो रही छह सीटों में से तीन सीटें डीएमके के पास हैं। तमिलनाडु विधानसभा के कुल 235 सदस्यों वाले सदन में 234 निर्वाचित सदस्य हैं। सत्ताधारी गठबंधन की अगुवाई कर रही डीएमके के 133 सदस्य हैं। कांग्रेस के 17, वीसीके के चार और लेफ्ट पार्टियों के चार विधायकों का समर्थन भी डीएमके के पास है। गठबंधन सहयोगियों को भी मिला लें, तो डीएमके की स्ट्रेंथ 158 पहुंचती है। विपक्षी एआईएडीएमके के 66 विधायक हैं। एआईएडीएमके की गठबंधन सहयोगी बीजेपी के चार विधायक हैं।

बता दें एक उम्मीदवार की जीत के लिए 34 वोट की जरूरत होगी। डीएमके गठबंधन का संख्याबल 158 है, जो चार सीटें जीतने के लिए जरूरी 156 से ज्यादा है। वहीं, एआईएडीएमके की एक सीट पक्की है और उसे दूसरी सीट जीतने के लिए अपने विधायकों के साथ ही बीजेपी के चार विधायकों का भी समर्थन लेना होगा। ऐसे में अब यह मांग भी जोर पकड़ रही है कि बीजेपी एक सीट के लिए दावेदारी करे और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई को राज्यसभा भेजे।

अन्नामलाई की जगह नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के समय भी चर्चा इस बात की थी कि पार्टी उन्हें दिल्ली लाकर कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकती है। इन सबको लेकर बीजेपी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। एआईएडीएमके के साथ अन्नामलाई के तल्ख रिश्तों को देखते हुए भी उनकी तमिलनाडु से राज्यसभा पहुंचने की राह आसान नहीं होगी।

अमस विधानसभा की स्ट्रेंथ 126 है। दो सीटों के लिए हो रहे राज्यसभा चुनाव में एक सीट के लिए 43 वोट चाहिए। सूबे की सत्ताधारी बीजेपी के 64 विधायक हैं और असम गण परिषद के 9, यूपीपीएल के 7 विधायकों को भी जोड़े लें तो गठबंधन का संख्याबल 80 पहुंचता है। दो सीटों पर जीत हासिल करने के लिए बीजेपी गठबंधन को 86 वोट चाहिए। बीजेपी गठबंधन को दूसरी सीट जीतने के लिए छह वोट और चाहिए होंगे। दूसरी तरफ विपक्षी कांग्रेस के 26 विधायक हैं। सीपीआई के इकलौते विधायक के साथ ही एआईयूडीएफ के 15 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के तीन विधायकों को भी जोड़ लें तो कांग्रेस का संख्याबल 45 पहुंचता है। अगर कांग्रेस अपने विधायकों को एकजुट रख इन पार्टियों के वोट पाने में सफल हो जाती है, तो एक सीट पार्टी जीत सकती है।

तमिलनाडु से राज्यसभा के छह सदस्यों का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। जिन सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है, उनमें पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अंबुमणि रामदास, एमडीएमके के वाइको, एआईएडीएमके के एन चंद्रशेखरन और डीएमके के पी विल्सन, एमएम अब्दुल्ला और एन शनमुगम शामिल हैं। असम की जो दो सीटें रिक्त हो रही हैं, उनमें एक बीजेपी और दूसरी बीजेपी की गठबंधन सहयोगी असम गण परिषद की है।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने की रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल की ऑफिशियल विजिट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अखिल मिश्र, मंगलवार को बालाघाट पहुंचे और यहां उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल के ऑफिशियल विजिट में क्लब पदाधिकारियों और सदस्यो से चर्चा की इस दौरान उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल की वर्ष में की गई गतिविधियों, भविष्य के सेवा प्रोजेक्ट, ग्लोबल ग्रांट को लेकर क्लब की तैयारी और सिकलसेल को लेकर किए जा रहे क्लब के कार्यो को जाना। इस दौरान, उन्होंने, क्लब को सेवा क्षेत्र में कार्य करने के लिए, प्रेरित किया, ताकि रोटरी क्लब अपने उद्देश्यों को पूरा कर सके। इस

दौरान सचिव रोटे. संदीप असाटी, क्लब मेंटर रोटे. कमलजीतसिंघ छाबड़ा, रोटे. राजेंद्र सिंघ छाबड़ा, रोटे. नरेन्दरसिंघ छाबड़ा, रोटे. लखविंदरसिंघ भंगल, रोटे. राजेश गांधी, रोटे. आशीष साहू, रोटे. विक्रम भूते, रोटे. मुकुल राठौर, रोटे. धनेन्द्र राहांगडाले मौजूद थे।

एक सड़क दुर्घटना ने खोले राज

रातों-रात पीडीएस चावल की हो रही थी महाराष्ट्र में तस्करी

जिला सिवनी के धनौरा से ट्रक में भरकर गोंदिया ले जाया जा रहा था सरकारी चावल, ग्राम बगदरा के समीप हार्वेस्टर से टकराकर फिसला ट्रक तो खुला राज , फूड इंस्पेक्टर ,नान निरीक्षक और नवेगांव पुलिस ने की कार्यवाही

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सरकारी उचित मूल्य की दुकानों से कम दामो पर मिलने वाले पीडीएस (सरकारी) चावल की जिले से तस्करी के मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं।अब पीडीएस सरकारी चावल की तस्करी न सिर्फ बालाघाट जिले से हो रही है बल्कि बालाघाट के साथ-साथ सिवनी जिले से भी सरकारी दुकान का पीडीएस चावल भारी मात्रा में बालाघाट के रास्ते रजेगांव होते हुए गोंदिया महाराष्ट्र पहुंचा जा रहा है। जिसका खुलासा मंगलवार की रात नवेगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बगदरा के समीप उस वक्त हो गया, जब पीडीएस चावल की तस्करी में उपयोग होने वाला ट्रक सड़क किनारे खड़े एक हार्वेस्टर से टकराकर फिसल गया। हालांकि ट्रक और हार्वेस्टर के बीच हुई इस सीधी भिढ़त में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। लेकिन इस सड़क दुर्घटना ने पीडीएस चावल की अवैध खरीदी, उसके अवैध परिवहन और महाराष्ट्र के गोंदिया में उसकी अवैध बिक्री के राज खोल दिए। जिसकी शिकायत मिलने पर नान विभाग, फूड विभाग और नवेगांव पुलिस ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया, तो वहीं संबंधीतो के बयान दर्ज कर पीडीएस चावल के सैंपल लेकर उसकी जांच के लिए लैब पहुंचा है। तो वहीं चावल को जप्त कर इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सिवनी धनौरा से गोंदिया महाराष्ट्र जा रहा था पीडीएस चावल

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बगदरा निवासी 29 वर्षीय मिथिलेश पिता रतनलाल सुलखे एक ट्रक ड्राइवर है। जो रजेगांव निवासी ट्रक मालिक देवा ठाकुर का ट्रक चलाता है ।स्थानीय लोगों के अनुसार रजेगांव निवासी देवा ठाकुर सरकारी उचित मूल्य की दुकान में बिकने वाले पीडीएस चावल को व्यापारियों से खरीद कर उसे गोंदिया में बेचता है। जिसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार बगदरा निवासी ड्राइवर मिथिलेश सुलखे, पारस ट्रेडर्स धनौरा जिला सिवनी से ट्रक क्रमांक एम एच 40 सीडी 80 23 में 260 बोरी (1531 क्विंटल)पीडीएस चावल लेकर रजेगांव के रास्ते महाराष्ट्र के गोंदिया जाने के लिए निकला था।जो मंगलवार की रात कोसमी नवेगांव में पहुंचा था। जहां उसने अपने घर बगदरा जाकर स्नान करने और खाना खाने बाद रातों-रात रजेगांव के रास्ते हुए गोंदिया जाने का सोचा था। जो बगदरा जाने के लिए कोसमी के रास्ते ट्रक लेकर घर की ओर निकला था। लेकिन ग्राम बगदरा पहुंचने के पूर्व ही उसका ट्रक सड़क किनारे खड़े एक हार्वेस्टर से टकराकर फिसल गया और तिरछा हो गया। जिससे पीडीएस चावल की तस्करी का राज खुल गया।

शिव मोहारे के खेत में गहानी के लिए आया था हार्वेस्टर

प्राप्त जानकारी के अनुसार रबी की फसल आने पर ग्राम कोसमी निवासी किसान शिव मोहरे ने जिला सिवनी से हार्वेस्टर खेत में गहानी के लिए बुलवाया था। जिसकी रात में गहानी कर हार्वेस्टर क्र पीबी-82- 4358 खेत से बाहर सड़क किनारे खड़ा था। जिसका ड्राइवर राजेश खेत मालिक शिव मोहारे से गहानी का हिसाब किताब कर रहा था। तभी पीडीएस चावल भरकर आया ट्रक आनियंत्रित हो गया जो सड़क किनारे खड़े हार्वेस्टर से टकराकर खेत में फिसल गया। जहां इस घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट़ गई। जब स्थानीय लोगों ने ट्रक के भीतर झांककर देखा तो उसमें चावल की बोरियां रखी हुई थी। जिसमें सरकारी दुकान में बिकने वाला पीडीएस चावल भरा हुआ था। जिसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीणों द्वारा बुधवार की सुबह पुलिस ,खाद्य अधिकारी व नान विभाग को मामले की जानकारी दी गई। जहां सभी विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर मामले में वैधानिक कार्रवाई की है। इस दौरान फूड इंस्पेक्टर पीएस वलाडी, नान गुणवत्ता निरीक्षक देवेंद्र साहू और नवेगांव पुलिस स्टाफ सहित अन्य क्षेत्रीय प्रतिनिधि व किसान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गरीबों के अनाज की हो रही काला बाजारी- जुगल किशोर बम्बूरे

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान पूर्व जनपद उपाध्यक्ष जुगल किशोर बम्बूरे ने बताया कि एक हार्वेस्टर धान काटने के लिए आया था। तभी एक ट्रक आया और सामने से टक्कर मार दी। जिसमें ड्राइवर की जान बड़ी मुश्किल से बची है। घटना के बाद भगदड़ मच गई।जब यहां आकर हमने देखे तो ट्रक में राशन का चावल भरा हुआ था। यह सरकार का माल ब्लैक में ट्रक में भरकर बाहर भेजा जा रहा था। इसकी जानकारी अधिकारियों को दी गई है ,जो कार्यवाही कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी उचित मूल्य की दुकान में गरीबों के लिए आने वाले इस पीडीएस चावल की कालाबाजारी धड़ल्ले से हो रही है ।इस पर वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

आवश्यक कार्यवाही की जाएगी- वलाड़ी

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला आपूर्ति विभाग कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहल सिंह वलाड़ी ने बताया कि बगदरा में एक ट्रक में सरकारी चावल का अवैध रूप से परिवहन होने की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया है। नान अधिकारी द्वारा चावल की गुणवत्ता की जांच की गई है जो फोर्टिफाईड होना पाया गया है। कलेक्टर साहब को कार्यवाही से अवगत कराया जाएगा।आगे की कार्यवाही कलेक्टर साहब के निर्देशन पर होगी। पूछताछ में ट्रक ड्राइवर ने बताया कि यह चावल सिवनी जिले के धनौरा स्थित पारस ट्रेंडर्स से लाया गया है, जो श्री हरि एग्रो गोंदिया में जा रहा था। चावल की अनुमानित कीमत 4 लाख14,901 रुपए आकी गई है।जिसे जप्त कर मप्र वेयरहाउिसंग के प्रबंधक को सुपूर्दगी में दिया गया एवं आवश्यक वस्तू अधिनियम 1955 के तहत प्रकरण तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित की गई।उन्होंने आगे बताया कि शिकायत मिली है कि आए दिनों पीडीएस चावल की गोंदिया में तस्करी होती है। वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में मामला लाया जाएगा। जो भी आवश्यक कार्रवाई होगी वह की जाएगी।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई-दो युवक घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी रोड गर्रा निर्माणाधीन रेलवे क्रॉसिंग ओवर ब्रिज के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से एक मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए ।दोनों घर युवक निखिल पिता गंगाप्रसाद पटले 21 वर्ष और अतुल पिता रूपलाल चौधरी 21 वर्ष दोनों ग्राम वारा थाना वारासिवनी में निवासी है।जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अतुल चौधरी कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा इंदौर से कर रहा है जो 10 दिन पूर्व ही अवकाश में अपने घर आया हुआ था 27 मई को अतुल चोधरी अपने साथी निखिल पटले के साथ मोटरसाइकिल में बालाघाट आए थे और बालाघाट से अपना काम करने के बाद दोनों मोटरसाइकिल में बालाघाट से अपने घर वारा जा रहे थे। रात्रि 8:30 बजे करीब वारासिवनी रोड पर स्थित पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के बंगले के आगे निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने अतुल चौधरी की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस दुर्घटना में अतुल चौधरी और निखिल पटले दोनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गये।जिन्हें उनके परिचित ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। अतुल की मोटरसाइकिल को ठोस में मारने वाली मोटरसाइकिल का नंबर एमपी 50 एम के 2847 बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने अतुल चौधरी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित थाना कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

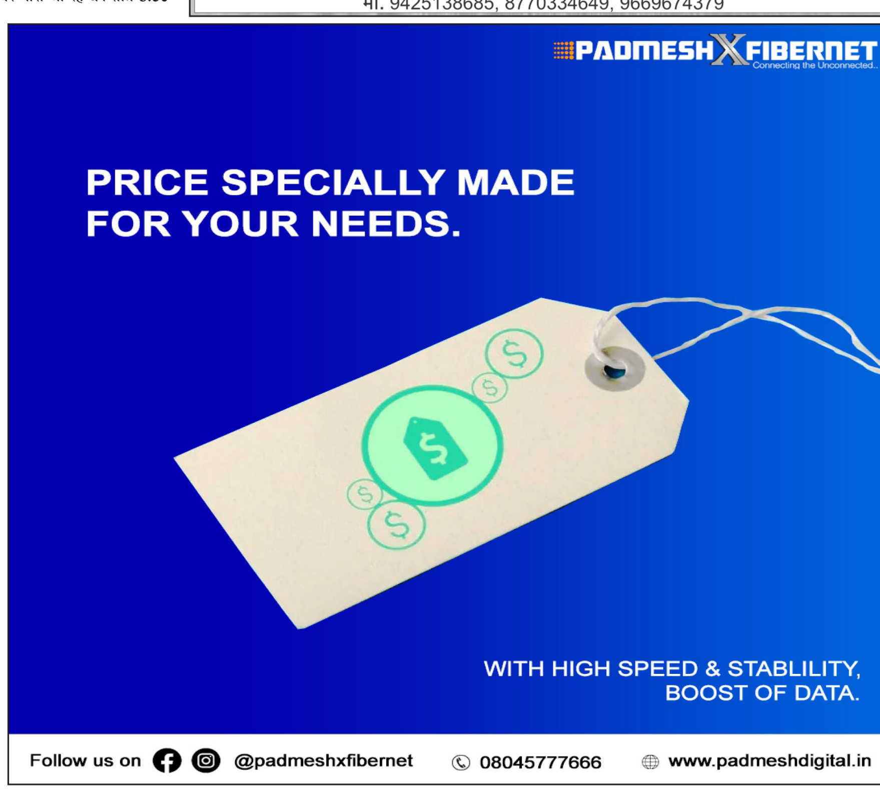

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट